धनबाद
शनिवार 14.03.2026
मूल्य-₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-21 पृष्ठ-12
चैत्र कृष्ण पक्ष-11
संवत 2082

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑब्जर्वर

पुलिस को सौंपे गए अत्याधुनिक वाहन जनता की सुरक्षा और विश्वास को मजबूती देगाः हेमंत सोरेन

रांची (एजेंसी): राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज झारखंड विधानसभा परिसर में आयोजित एक समारोह में झारखंड पुलिस को कुल १,४८५ आधुनिक वाहनों का वितरण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने राज्य के विभिन्न जिलों में स्थापित होने वाले १२ नए थानों का ऑनलाइन शिलान्यास भी किया। उन्होंने रिमोट का बटन दबाकर इन नए थानों की आधारशिला रखी और हरी झंडी दिखाकर पुलिस के लिए आवंटित वाहनों को रवाना किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने विभिन्न श्रेणियों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र भी प्रदान किए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक शांति, कानून-व्यवस्था और अपराध नियंत्रण की जिम्मेदारी पुलिस की है। इन्हें सुदृढ़ करने के लिए आधुनिक वाहनों का यह लोकार्पण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में दर्ज होगा। उन्होंने कहा कि नए वाहनों की उपलब्धता से पुलिस बल की गतिशीलता, प्रतिक्रिया क्षमता और क्षेत्रीय निगरानी में उल्लेखनीय सुधार होगा, जिसके परिणामस्वरूप घटनाओं पर त्वरित नियंत्रण संभव हो सकेगा। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि अपराध नियंत्रण, नागरिक सुरक्षा और पुलिस बल के आधुनिकीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इन आधुनिक वाहनों और नए थानों की उपलब्धता से पुलिस की कार्यक्षमता, प्रतिक्रिया समय तथा क्षेत्रीय निगरानी तंत्र में गुणात्मक सुधार होगा, जिससे आम जनता को त्वरित एवं विश्वसनीय सुरक्षा सेवाएं सुनिश्चित की जा सकेंगी। उन्होंने विश्वास जताया कि आने वाले समय में राज्य में बेहतर निगरानी व्यवस्था विकसित होगी और अपराधी अपराध करने से पहले सौ बार सोचने को मजबूर होंगे।

धुर्वा अपहरण कांड में पुलिस की तत्परता की सराहना

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य गठन के बाद पहली बार इतनी बड़ी संख्या में आधुनिक वाहनों का बेड़ा झारखंड पुलिस को एक साथ उपलब्ध कराया जा रहा है। यह २५ वर्ष पूरे कर चुके झारखंड के सफर में पुलिस आधुनिकीकरण की दिशा में एक मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि नई तकनीक से लैस वाहनों और संसाधनों के माध्यम से पुलिस विभाग अपने कार्य के नए आयामों को छूने के लिए निरंतर प्रयत्नशील है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में घटित घटनाओं को लेकर झारखंड पुलिस ने कई मामलों में त्वरित एवं सार्थक कार्रवाई की है, जिससे जनता का विश्वास मजबूत हुआ है। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने हाल ही में घटित एक जघन्य घटना का उदाहरण देते हुए कहा कि धुर्वा थाना क्षेत्र अंतर्गत दो नाबालिग बच्चों के अपहरण के मामले में झारखंड पुलिस की तत्परता और ईमानदार प्रयासों के परिणामस्वरूप बच्चों को शीघ्रता से बरामद किया गया तथा अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय बच्चा चोर गिरोह का पर्दाफाश भी किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण यह दर्शाते हैं कि झारखंड पुलिस नई तकनीक और नवाचार के साथ अपराध रोकथाम की दिशा में प्रभावी ढंग से कार्य कर रही है। ▶▶ 8

झारखंड विधानसभा में खुद रिक्शा चलाकर पहुंचे मंत्री इरफान

गैस संकट पर केंद्र सरकार को घेरा

रांची (ईएमएस): झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गैस सिलेंडर की कथित किल्लत और बढ़ती महंगाई का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा रहा है। इस मुद्दे को लेकर सदन के बाहर और अंदर सत्तापक्ष के विधायकों ने प्रदर्शन किया। झारखंड मुक्ति मोर्चा, कांग्रेस और आरजेडी के नेताओं ने हाथों में गैस सिलेंडर के प्रतिरूप (रिप्लिका) और पोस्टर लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। पोस्टरों पर संसद से नरेंद्र मोदी गायब, देश से सिलेंडर गायब जैसे नारे लिखे हुए थे। प्रदर्शन कर रहे विधायकों ने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों के कारण जनता को गैस की किल्लत और महंगाई का सामना करना पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान एक अनोखा दृश्य तब दिखाई दिया, जब राज्य के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी खुद रिक्शा चलाकर विधानसभा पहुंचे। रिक्शे की पिछली सीट पर कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बैठी थीं और उनके हाथ में महंगाई के खिलाफ नारे लिखे पोस्टर थे। इस प्रतीकात्मक प्रदर्शन के जरिए उन्होंने बढ़ती कीमतों और गैस संकट के मुद्दे को उठाने की कोशिश की। विधायक तिर्की ने कहा कि अमेरिका और ▶▶ 8

झारखंड में उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा अब 14 अप्रैल को होगी

रांची (एजेंसी): झारखण्ड कर्मचारी चयन आयोग ने उत्पाद सिपाही प्रतियोगिता परीक्षा की तिथि बढ़ा दी है। २२ मार्च को होनेवाली यह प्रतियोगिता परीक्षा अब १४ अप्रैल को होगी। उक्त परीक्षा का आयोजन राज्य अन्तर्गत ८ जिलों (राँची, रामगढ़, खूँटी, पूर्वी सिंहभूम, बोकरो, धनबाद, देवघर एवं दुमका) में अवस्थित परीक्षा केन्द्रों होगी।

बस पलटने से 4 लोगों की मौत

निजामाबाद (ईएमएस): तेलंगाना के निजामाबाद जिले में शुक्रवार तड़के तेज रफ्तार बस पलटने से चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बस में २३ यात्री सवार थे। बस हैदराबाद से महाराष्ट्र के अकोला जा रही थी। निजामाबाद के इंदलवाई इलाके के पास ड्राइवर बस से कंट्रोल खो बैठा। इसके बाद बस सड़क से उतरकर पलट गई।

मेट्रो का 1000 मीटर केबल चोरी

नई दिल्ली (ईएमएस): दिल्ली मेट्रो में एक बार फिर केबल चोरों ने सिस्टम को प्रभावित कर दिया है। दीपाली चौक और मजलिस पार्क के बीच का ९.९ किलोमीटर लंबा नया कॉरिडोर, जिसका उद्घाटन महज कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था, वहां सिग्नलिंग केबल की चोरी हो गई। इससे मेट्रो की रफ्तार पर ब्रेक लग गया। पुलिस ने इस मामले में एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है।

संयुक्त अरब अमीरात से मालवाहक जहाज पहुंचा भारत

नई दिल्ली (ईएमएस): संयुक्त अरब अमीरात के खोर फक्कन बंदरगाह से रवाना हुआ मालवाहक जहाज चेंग एक्स लगभग ३,१०० टन बिटुमेन यानी तारकोल की खेप लेकर सुरक्षित रूप से तट पर पहुंच गया है। ३ मार्च को अपनी यात्रा शुरू करने वाले इस जहाज ने होर्मुज जलडमरूमध्य जैसी चुनौतीपूर्ण समुद्री सीमाओं और ईरान द्वारा लगाई गई व्यापारिक पाबंदियों के बीच अपना रास्ता तय किया है।

जानकारी के अनुसार, यह जहाज ३ मार्च को यूएई के खोर फक्कन बंदरगाह से रवाना हुआ था। जहाज की कुल क्षमता लगभग ५,५०० टन है, लेकिन इस खेप में करीब ३,१०० टन बिटुमेन कारवार लाया गया है। इस तारकोल का इस्तेमाल क्षेत्र में चल रही सड़क प्रोजेक्ट के लिए किया जाएगा। इस जहाज का सुरक्षित पहुंचना इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि मध्य-पूर्व में जारी तनाव ▶▶ 8

वैश्विक संकट से निपटने में भारत कोई कसर नहीं छोड़ रहा, कुछ लोग इसे पैनिक बना रहे

पीएम मोदी ने ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका जंग से तेल-गैस संकट पर दी प्रतिक्रिया

नई दिल्ली (ईएमएस): पीएम नरेंद्र मोदी ने ईरान के खिलाफ इजराइल-अमेरिका की संयुक्त लड़ाई के बाद आए वैश्विक संकट को लेकर प्रतिक्रिया दी है। पीएम मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट करते हुए अपना एक वीडियो शेयर किया। जिसमें लिखा- आज युद्ध के चलते जो वैश्विक संकट बना है, उससे निपटने में भारत कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रहा है। आजकल बहुत चर्चा एलपीजी को लेकर हो रही है। कुछ लोग हैं जो पैनिक क्रिएट करने की कोशिश कर रहे हैं, अपना एजेंडा चलाना चाहते हैं। मैं इस समय उन पर राजनीतिक टिप्पणी नहीं करना चाहता, लेकिन इतना जरूर कहूंगा कि ऐसा करके वह जनता के सामने खुद तो एक्सपोज ही कर रहे हैं और देश का भी बड़ा नुकसान कर रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि आज युद्ध से जो ये वैश्विक संकट आया है, उसके प्रभाव से कोई देश अछूता नहीं है। कम या अधिक मात्रा में हर कोई शिकार है। भारत सरकार भी इस संकट से निपटने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ रही है। हम अलग-अलग स्तरों पर कोशिश कर रहे हैं। बीते दिनों दुनिया के कई देशों के शीर्ष नेताओं से मेरी बातचीत हुई है। सप्लाई चेन में जो बाधाएं आई हैं, उनसे हम कैसे पार पाएं, इसके लिए भी निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि इस वैश्विक ▶▶ 8

सुप्रीम कोर्ट ने एससी के खिलाफ जातिसूचक गालियां देने के मामले के आरोपियों की अग्रिम जमानत रद्द की

नई दिल्ली (ईएमएस): सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति के लोगों के खिलाफ कथित तौर पर जातिसूचक गालियां देने के मामले में आरोपियों को दी गई अग्रिम जमानत रद्द कर दी है। कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि केवल इस आधार पर एफआईआर की प्रामाणिकता पर संदेह नहीं किया जा सकता कि वह पीड़ित की शिकायत पर नहीं, बल्कि पुलिस अधिकारी के बयान पर दर्ज की गई है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें आरोपियों को अग्रिम जमानत दी गई थी।

हाईकोर्ट ने यह कहते हुए एफआईआर की सत्यता पर संदेह जताया था कि वह कथित पीड़ित की शिकायत पर नहीं, बल्कि एक पुलिस अधिकारी के बयान पर दर्ज की गई थी। यह मामला दो पक्षों के बीच हुए एक विवाद से जुड़ा है। अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों का आरोप था कि ऊंची जाति के लोगों के घरों की नालियों का पानी उनके घरों की ओर मोड़ा जा रहा था। जब प्रभावित लोगों ने इसका विरोध किया, तो इलाके में तनाव बढ़ गया। स्थिति को संभालने और समझौता कराने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन इस दौरान कथित तौर पर ▶▶ 8

सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वतः संज्ञान, चंबल सेंचुरी में अवैध खनन पर सीजेआई करेंगे सुनवाई

विदी/भोपाल (ईएमएस): राष्ट्रीय चंबल घड़ियाल वन्यजीव अभयारण्य में हो रहे अवैध खनन पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने मीडिया रिपोर्ट्स और सीएसआर की रिपोर्टों के आधार पर मामले का स्वतः संज्ञान लिया है। कोर्ट ने साफ कहा कि संरक्षित क्षेत्रों में पूर्ण प्रतिबंध के बावजूद रेत का अवैध खनन और परिवहन जारी है, जो लुप्तप्राय प्रजातियों के लिए काल बन रहा है।

सुनवाई के दौरान जस्टिस विक्रम नाथ ने बेहद गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा जिन क्षेत्रों में घड़ियालों को छोड़ा गया था, वे इलाके भी अब अवैध खनन की चपेट में आ गए हैं। खनन माफियाओं के डर और प्राकृतिक आवास के विनाश के कारण घड़ियालों को विस्थापित होना पड़ रहा है। जस्टिस संदीप मेहता ने कहा कि हमने देखा है कि जिन संरक्षित क्षेत्रों में घड़ियाल संरक्षण कार्यक्रम चल रहा है, वहां अंधाधुंध खनन हो रहा है। इसके कारण घड़ियालों को विस्थापित होना पड़ रहा है। मामला अब उचित दिशा-निर्देशों के लिए प्रधान न्यायाधीश के समक्ष भेजा जाएगा।

पारिस्थितिक तंत्र पर मंडरा रहा खतरा

चंबल अभयारण्य का ४३५ किलोमीटर लंबा क्षेत्र घड़ियालों के अलावा रिवर डॉल्फिन, दुर्लभ कछुओं और पक्षियों का भी घर है। कोर्ट ▶▶ 8

47 करोड़ की अल्प्राजोलम बरामद; 2 गिरफ्तार

हैदराबाद (ईएमएस): आंध्र प्रदेश के एनटीआर जिले के कोंडापल्ली इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट एरिया में अवैध सिंथेटिक ड्रग्स बनाने वाली फैक्ट्री का खुलासा हुआ है। डायरेक्टेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने छापेमारी के दौरान करीब २३७ किलोग्राम अल्प्राजोलम बरामद किया, जिसकी अनुमानित कीमत ४७ करोड़ रुपए बताई गई है। डायरेक्टेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने ऑपरेशन व्हाइट हैमर के तहत इस फैक्ट्री पर छापा मारा। तलाशी के दौरान ८०० किलोग्राम कच्चा माल, करीब २,८६० लीटर विभिन्न केमिकल के साथ रिएक्टर, ड्रायर और सेंट्रीफ्यूज मशीन भी जब्त की गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का मामला राज्यसभा और लोकसभा सचिवालय को सौंपा

नई दिल्ली (ईएमएस): मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग का मामला राज्यसभा और लोकसभा सचिवालय को सौंप दिया है। शुक्रवार को तृणमूल कांग्रेस ने १० पन्नों से ज्यादा की नोटिस में ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने जाने के ७ कारणों का जिक्र किया गया है। इन ७ बिंदुओं में बिहार की एसआईआर प्रक्रिया का जिक्र किया गया है। लोगों के वोटिंग के अधिकार को छीनने की बात भी की गई है। साथ ही कुछ राजनीतिक दलों के प्रति पक्षपात करने का आरोप भी लगाया गया है। इसमें सुप्रीम कोर्ट के कई फैसलों का जिक्र भी किया गया है।

दोनों सदनों के समापति के सामने अभी १४ दिनों का वक्त है। यदि इन १४ दिनों में तृणमूल कांग्रेस ने अपना आवेदन वापस नहीं लिया और यदि पाया गया कि तृणमूल कांग्रेस का नोटिस सही है तब लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति मिल कर एक समिति का गठन करेंगे और इस समिति के जिम्मे यह होगा कि वो पहले इस महाभियोग के लिए आरोपों की जांच करें और अपनी राय दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का मामला बनता है या नहीं यदि यह पाया जाता है कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का मामला बनता है तो फिर इस पर दोनों सदनों या संयुक्त सदन ▶▶ 8

इजरायल-अमेरिका का इरान के साथ युद्ध में मुंबई के चीफ इंजीनियर देव आनंद की मौत, पड़ोसी भी सदमे में

मुंबई (ईएमएस): खाड़ी युद्ध का असर भारतीयों पर भी पड़ रहा है। इजरायल-अमेरिका का इरान के साथ चल रही जंग से पैदा हुए तनाव का सबसे ज्यादा असर समुद्री परिवहन पर पड़ा है। व्यापारी जहाजों पर हमलों में भारतीय नाविकों की मौत की संख्या भी धीरे-धीरे बढ़ने लगी है। खबर है कि इस जंग में एक और भारतीय नाविक की मौत हो गई। इराक के पास बसरा इलाके में अल-जुबैर पोर्ट के पास कार्गो लोडिंग ऑपरेशन के दौरान जहाज पर हुए ड्रोन हमले में एमटी सेफसी विष्णु पर सवार चीफ इंजीनियर देव आनंद प्रसाद सिंह (५०) की मौत होने की जानकारी सामने आई है। दो दिन पहले पानी के अंदर हुए ड्रोन हमले में जहाज बुरी तरह डैमेज हो गया था। धमाका इतना पावरफुल था कि जहाज में भीषण आग लग गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, मंगलवार रात को एक्सप्लोसिव से लदी एक सफेद बिना ड्राइवर वाली नाव जहाज के स्टारबोर्ड साइड से टकरा गई। उसके बाद एक बड़ा धमाका हुआ और जहाज में आग लग गई। बदकिस्मती से, जहाज पर मौजूद चीफ इंजीनियर देव आनंद प्रसाद सिंह की आग में मौत हो गई। इस घटना के बाद जहाज पर मौजूद सभी क्रू मेंबर अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए। उसके बाद पास की एक टग बोट ने उन सभी को बचा लिया। आईसीएआर के कोस्ट गार्ड ने बाद में सभी २७ क्रू मेंबर को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया। इसमें १५ भारतीय और १२ फिलिपिन नागरिक शामिल हैं। मूल रूप से बिहार के रहने वाले देव आनंद प्रसाद सिंह २०१९ से अपनी पत्नी कुमकुम और दो बच्चों के साथ मुंबई के पश्चिमी उपनगर कांदिवली इलाके में रह रहे थे। इस घटना के बाद से कुमकुम अपने दो बच्चों के साथ दिल्ली में अपने मायके में रह रही हैं। देव आनंद की मौत की खबर से पूरी बिल्डिंग में शोक की लहर दौड़ गई है।

फारस की खाड़ी में 28 भारतीय मर्चेंट शिप

भारत के पोर्ट्स, शिपिंग और वाटरवेज़ मंत्रालय की दी गई जानकारी के मुताबिक, अभी ▶▶ 8

एलपीजी संकट पर पेट्रोलियम मंत्रालय का बड़ा बयान, रोजाना बुक हो रहे 25 लाख सिलेंडर

संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेसवार्ता कर वर्तमान स्थिति के बारे में बताया

नई दिल्ली (ईएमएस): मिडिल ईस्ट में युद्ध की वजह से भारत सहित दुनियाभर में ऊर्जा संकट का खतरा मंडराता जा रहा है। भारत में भी अलग-अलग राज्यों से एलपीजी गैस संकट की खबरें सुर्खियों में हैं।

शुक्रवार को पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने प्रेसवार्ता कर वर्तमान स्थिति के बारे में लोगों को जानकारी साझा की। उन्होंने लोगों से अफवाहों से बचने की सलाह और पैनिक ना करने की अपील की है। संयुक्त सचिव शर्मा ने कहा कि मैं आप लोगों के माध्यम से सभी देशवासियों से अपील करती हूं कि अफवाहों पर विश्वास न करें और पैनिक ना हो। हमारा जो एवरेज बुकिंग है, वह करीब ५० से ५५ लाख बुकिंग प्रति दिन है। लेकिन पिछले कुछ दिनों में बुकिंग बढ़कर करीब ७५-७६ लाख तक पहुंची है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों के कॉल सेंटर को भी मजबूत किया गया है। कॉल सेंटर में सीट्स को बढ़ाकर ४०० कर दिया गया है और टेलीफोन लाइनों की संख्या भी बढ़ाकर ५० की गई है। ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग पर भी एक्शन लिया जा रहा है।

इसके साथ ही राज्यों को फ्यूल सप्लाई को लेकर लगातार कोऑर्डिनेशन और कोऑपरेशन का आश्वासन दिया है। राज्यों को सलाह दी गई है कि ब्लैक मार्केटिंग और होर्डिंग के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और यह सुनिश्चित करें कि इस तरह की घटनाएं न हों।

इतना ही नहीं उत्तर प्रदेश और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों ने अपने राज्यों में सप्लाई की स्थिति की समीक्षा की है और डीएम तथा एसपी को आवश्यक निर्देश भी दिए हैं। इसके अलावा कई राज्यों जैसे मेघालय, त्रिपुरा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में कंट्रोल रूम बनाए गए है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और बिहार जैसे राज्यों में इस स्थिति को लेकर रोजाना प्रेस ब्रीफिंग हो रही है।

उत्तर प्रदेश के झांसी में सिलेंडरों से भरा एक ट्रक चोरी हो गया था, जिसे पुलिस ने सफलतापूर्वक बरामद किया और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश के हापुड़ में भी सिलेंडर बरामद किए गए हैं और संबंधित डिस्ट्रीब्यूटर के गोदाम को सील किया।

संपादकीय | ग्रामीण अब भी गंदा पानी पीने को मजबूर

इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि जिस दौर में विज्ञान और तकनीक के मामले में नई ऊंचाइयां छूने का दावा किया जा रहा है, उसमें आज भी करोड़ों लोगों को पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा। अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि देश में जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों को उपलब्ध कराए जा रहे पीने योग्य नल-जल की सुविधा के तिहत्तर फीसद दूषित नमूनों पर उपचारात्मक उपाय नहीं हो पाया। यानी देश में बड़ी तादाद में ऐसे लोग हैं, जिन्हें आज भी स्वच्छ पेयजल नहीं मिल पा रहा है। सवाल है कि विकास की यह कौन-सी दिशा है, जिसमें पीने के साफ पानी की अनुपलब्धता से जुड़ी समस्या की इस हद तक अनदेखी की जा रही है कि आज यह व्यापक संकट का एक बड़ा कारण बनता दिख रहा है।

राज्यों की भागीदारी से वर्ष 2019 में जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल मुहैया कराने का कार्यक्रम शुरू किया गया। मगर देश भर में लोगों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के प्रबंधन में जिस स्तर की कोताही बरती जा रही है, कहीं वह आने वाले समय में एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती की शक्ल में न सामने आए।

गौरतलब है कि वर्ष 2025-26 में जल जीवन मिशन के तहत उपलब्ध कराए जा रहे पेयजल की गुणवत्ता की जांच के लिए चौंतीस राज्य और केंद्रशासित प्रदेशों से आए पानी के नमूनों की जांच की गई। जांच के बाद दूषित पाए गए कुल नमूनों में से केवल 26.31 फीसद पर ही उपचारात्मक उपाय किए जा सके।

दरअसल, जल जीवन मिशन के तहत ग्रामीण परिवारों के घरों तक पहुंचाए जा रहे पानी की

गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए पेयजल के नमूने को संग्रह कर उनकी जांच की जाती है। जांच में अगर कहीं का पानी दूषित पाया जाता है, तो वहां जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की जाती है। अव्वल तो सवाल यह है कि पेयजल को स्वच्छ रखने के लिए क्या किया गया। फिर अगर कुल दूषित नमूनों में से तिहत्तर फीसद पर उपचारात्मक उपाय भी नहीं किए जा सके, तो क्या इसके लिए जिम्मेदारी तय की गई? क्या ऐसी ही लापरवाही की वजह से शहरों-महानगरों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक में लोगों के घरों तक पहुंचाए जाने वाले पेयजल के दूषित होने की समस्या और ज्यादा नहीं बढ़ती जा रही है? यह छिपा नहीं है कि आज देश के कई हिस्सों में लोग गंदा पानी पीने और उससे उपजी बीमारियों की चुनौती का सामना करने को मजबूर हैं। ज्यादा दिन नहीं बीते हैं, जब देश भर में सबसे स्वच्छ माने जाने वाले शहर इंदौर में दूषित पेयजल के सेवन की वजह पंद्रह लोगों की मौत और कई लोगों के गंभीर रूप से बीमार पड़ने की खबर देश भर में चिंता का कारण बनी थी। मगर इंदौर कोई अकेला शहर नहीं है, जहां पेयजल खतरनाक स्तर तक दूषित हो गया। देश के अलग-अलग हिस्से से आए दिन गंदा पानी घरों तक पहुंचने या इसकी वजह से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें आती रहती हैं। मगर शायद ही कभी पेयजल और सीवर के पाइप को सुरक्षित दूरी पर रखने की योजना पर ठोस तरीके से काम किया गया। पीने से लेकर खाना पकाने और नहाने जैसी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए जिस पानी का उपयोग किया जाता है, उसका अधिकांश हिस्सा भूजल से आता है। अक्सर भूजल में आर्सेनिक, अमोनिया या अन्य जोखिम वाले तत्वों के बढ़ते जाने की रपट आती हैं। मगर इससे इतर हर घर जल अभियान के तहत जिस स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति का दावा किया जाता है, अगर वह भी दूषित है, तो आखिर सरकार इस मोर्चे पर क्या कर रही है।

चैटजीपीटी- मदद करने वाली मशीन या खतरनाक साजिश की चाबी

कृत्रिम मेधा पर आधारित चैटजीपीटी को एक सुविधा के तौर पर इसलिए देखा गया था, ताकि जानकारी जुटाने के मामले में लोगों को आसानी हो। मुश्किल और जटिल सवालों का जवाब वह इंसानों की तरह दे। उसने ऐसा किया भी। मगर इस बात पर शायद गौर नहीं किया गया था कि इसे जिस स्वरूप में तैयार किया गया है, उसमें इसका बेजा इस्तेमाल भी आसानी से किया जा सकता है। हालत यह है कि इसके दुरुपयोग की वजह से अब मनुष्य की मेधा ही नहीं, उसका जीवन भी खतरे में आ रहा है। हत्या और आत्महत्या के मामले में 'चैटबाट' के बढ़ते दुरुपयोग को गंभीरता से लेने की जरूरत है। हाल ही में कनाडा के एक स्कूल में हुई गोलीबारी में चैटजीपीटी के दुरुपयोग की खबर सामने आई है। इस घटना में बुरी तरह जख्मी एक छात्रा के माता-पिता ने मुकदमे में आरोप लगाया कि 'चैटबाट' बनाने वाली ओपनएआइ को पहले से मालूम था कि चैटजीपीटी के जरिए हमलावर सामूहिक हत्या की योजना बना रहा था। इस मामले में ओपनएआइ का हैरान करने वाला जवाब है कि उसने हमलावर की गतिविधियों पर विचार किया था, पर पुलिस को इसकी सूचना नहीं दी। इससे साबित होता है कि चैटजीपीटी का दुरुपयोग किस खतरनाक स्तर पर पहुंच चुका है। निराशा की बात है कि इस पर नियंत्रण के लिए कोई नियामक नहीं है। खास क्षमता से दक्ष चैटजीपीटी एक सलाहकार या सहयोगी की तरह काम करता है। यह व्यक्ति की मनोस्थिति के हिसाब से सवालों के जवाब देता है। हत्या या खुदकुशी के मामलों में इसके दुरुपयोग के कई मामले सामने आ चुके हैं। विचित्र बात है कि 'चैटबाट' गलत कदम उठाने को सही ठहरा देता है और अपनी या दूसरों की जान लेने के तरीके बता देता है। मगर इस तरह की गतिविधियों की निगरानी नहीं होती हो, ऐसा संभव नहीं है। कनाडा में हुई गोलीबारी के मामले में ओपनएआइ को हमलावर की गतिविधियों के बारे में पता था। अगर ऐसा है, तो समय रहते इसे रोकने के उपाय क्यों नहीं किए जा सकते हैं? तकनीक के सदुपयोग के साथ दुरुपयोग को रोकने की जवाबदेही तय नहीं की गई, तो आने वाले दिनों में इससे उपजने वाली स्थिति का बस अंदाजा ही लगाया जा सकता है।

आज का कार्टून

ईरान युद्ध : भारत के लिए रणनीतिक संतुलन की परीक्षा

> अमेरिका और इजराइल द्वारा ईरान के खिलाफ अभियान तेज किए जाने के बीच, भारत कूटनीति, ऊर्जा सुरक्षा और रणनीतिक साझेदारियों के बीच संतुलन बनाए रखने की कोशिश कर रहा है.28 फरवरी को मध्य पूर्व के सामने एक नई रणनीतिक वास्तविकता उत्पन्न हो गई. ईरान के भीतर हुए एक समन्वित अमेरिकी-इजराइली हमले में सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या कर दी गई. उन्होंने तीन दशकों से अधिक समय तक ईरान के राजनीतिक और रणनीतिक दिशा-निर्देशों का नेतृत्व किया था. आधुनिक अंतरराष्ट्रीय राजनीति में किसी अन्य संप्रभु राज्य के नेता की लक्षित हत्या बहुत ही दुर्लभ घटना है. इस अभियान ने अमेरिकी और इजराइली खुफिया नेटवर्कों की असाधारण पहुंच और सटीक हमले की क्षमताओं को प्रदर्शित किया. फिर भी, युद्ध के शुरुआती घंटों में मिली सफलता शायद ही कभी इस कठिन प्रश्न का उत्तर देती है कि इसका अंत कैसे होगा? कुछ ही घंटों के भीतर, ईरानी संस्थानों ने कथित तौर पर उत्तराधिकारी के चयन की प्रक्रिया शुरू कर दी. यह घटना आधुनिक युद्ध का एक स्थायी सबक दर्शाती है कि किसी नेता को हटाना किसी शासन को झटका दे सकता है, लेकिन यह शायद ही कभी उन राजनीतिक संरचनाओं को ध्वस्त करता है जो उसे बनाए रखती हैं.

ब्रिगेडियर राकेश भाटिया

हाल का इतिहास इसके गंभीर उदाहरण प्रस्तुत करता है. 2003 में इराक पर आक्रमण के दौरान सद्दाम हुसैन का पतन शासन को गिराने में सफल रहा, लेकिन इसने वर्षों तक विद्रोह और सांप्रदायिक हिंसा को जन्म दिया.

अफगानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी यह दर्शाती है कि बाहर से एक स्थायी राजनीतिक व्यवस्था थोपना कितना कठिन है. सैन्य विजय शासन को हटा सकती है, लेकिन यह शायद ही कभी यह निर्धारित करती है कि उनका स्थान कौन लेगा.

इस संघर्ष की एक और उल्लेखनीय विशेषता अमेरिका और इजराइल के बीच अभूतपूर्व स्तर का सैन्य एकीकरण है. यह अभियान दोनों देशों के बीच पहला वास्तविक संयुक्त अभियान है. दोनों सेनाओं ने खुफिया जानकारी साझा की, हमलों का समन्वय किया और परिचालन संबंधी जिम्मेदारियों को आपस में बांटा. जनवरी 2023 में आयोजित जुनिपर ओक अभ्यास, जो दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा द्विपक्षीय सैन्य अभ्यास था, इसमें उन्होंने वायु, भूमि, समुद्र, साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्रों में समन्वय का परीक्षण किया था. उस समय की तैयारियों ने क्षेत्र में अब दिखाई दे रहे मौजूदा अभियान की नींव रखी.

ईरान की प्रतिक्रिया संघर्ष को बढ़ाने पर केंद्रित रणनीति को दर्शाती है. पारंपरिक युद्ध में अमेरिकी और इजराइली सेनाओं को हराने के बजाय, तेहरान भौगोलिक और राजनीतिक रूप से टकराव को बढ़ा रहा है.मिसाइल हमलों और ड्रोन हमलों के अलावा, ईरान समर्थित समूहों ने कई मोर्चों पर अपनी गतिविधियां तेज कर दी हैं. लेबनान में हिज्बुल्लाह ने इजराइली सेनाओं के साथ गोलीबारी की है, जबकि इराक और सीरिया में मिलिशिया नेटवर्क ने पश्चिमी सैन्य ठिकानों पर हमले बढ़ा दिए हैं.अंतरराष्ट्रीय सामरिक अध्ययन संस्थान (आईआईएसएस) के विश्लेषकों का कहना है कि यह पैटर्न असममित युद्ध और क्षेत्रीय प्रॉक्सी नेटवर्क पर ईरान की लंबे समय से चली आ रही निर्भरता को दर्शाता है. युद्धक्षेत्र का विस्तार करके, तेहरान अपने विरोधियों के लिए युद्ध की राजनीतिक और आर्थिक लागत को बढ़ाना चाहता है.

अमेरिका में जनमत बंटा हुआ है. गैलप और क्विनिपियाक विश्वविद्यालय जैसे संगठनों द्वारा किए गए सर्वेक्षणों से पता चलता है कि दीर्घकालिक सैन्य हस्तक्षेप के लिए जनता का समर्थन सीमित है. कई मतदाता अब सवाल उठा रहे हैं कि क्या इस क्षेत्र में विस्तारित सैन्य प्रतिबद्धताएं अमेरिका के दीर्घकालिक रणनीतिक हितों की पूर्ति करती हैं. वे अपने दावों के समर्थन में इराक और अफगानिस्तान का उदाहरण देते हैं. हालांकि, इजराइली जनमत इससे बिल्कुल अलग है. इजराइली मीडिया द्वारा प्रकाशित सर्वेक्षणों से पता चलता है कि ईरान के खिलाफ निर्णायक सैन्य कार्रवाई के लिए घरेलू स्तर पर मजबूत समर्थन है, जिसे कई इजराइली अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानते हैं. क्या जनमत में मतभेद अंततः गठबंधन की राजनीतिक गतिशीलता को प्रभावित करेगा, भले ही सैन्य सहयोग मजबूत बना रहे? यह तो समय ही बताएगा.

संघर्ष का अंत कैसे करें?वाशिंगटन में नीति

निर्माताओं के सामने सबसे अहम सवाल यह है कि अमेरिका अपने राजनीतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए इस संघर्ष को कितना आगे बढ़ाने को तैयार है ?एक विकल्प यह हो सकता है कि अभियान को ईरान की सैन्य क्षमताओं और परमाणु बुनियादी ढांचे को कमजोर करने तक सीमित रखा जाए. इस दृष्टिकोण के तहत, अमेरिका एक लंबे युद्ध से बचते हुए ईरान की रणनीतिक संपत्तियों को कमजोर कर सकता है.

एक अन्य संभावना तेहरान में सत्ता परिवर्तन की है. कुछ इजराइली नेताओं का तर्क है कि केवल वर्तमान ईरानी नेतृत्व को हटाने से ही इस्लामी गणराज्य द्वारा उत्पन्न दीर्घकालिक खतरे को समाप्त किया जा सकता है.फिर भी, ब्रूकिंग्स इंस्टीट्यूशन और सीएसआईएस जैसे संस्थानों के विश्लेषक चेतावनी देते हैं कि ईरानी शासन को गिराने के प्रयास पूरे क्षेत्र में लंबे समय तक अस्थिरता पैदा कर सकते हैं. नीति निर्माताओं के लिए चुनौती यह परिभाषित करने में है कि अभियान को कितना आगे बढ़ाया जाना चाहिए और इससे क्या राजनीतिक परिणाम प्राप्त होने की उम्मीद है.

भारत अपने कच्चे तेल का लगभग 85 प्रतिशत आयात करता है. पश्चिम एशियाई शिपिंग मार्गों में व्यवधान से मुद्रास्फीति और आर्थिक स्थिरता पर तुरंत असर पड़ सकता है. फिर भी, नई दिल्ली के लिए सबसे बड़ी चुनौती केवल ऊर्जा बाजारों में ही नहीं, बल्कि रणनीतिक संबंधों के उस जटिल जाल को संभालने में है जो अब युद्ध के कारण अलग-अलग दिशाओं में खिंचा चला जा रहा है. संघर्ष पर भारत की सार्वजनिक प्रतिक्रिया संयमित रही है. कई देशों के विपरीत जिन्होंने ईरान पर अमेरिका-इजराइल के हमले की कड़ी निंदा या स्पष्ट समर्थन किया, नई दिल्ली ने किसी का पक्ष लेने से परहेज किया है. यह संतुलित अस्पष्टता उस राजनयिक स्वतंत्रता को दर्शाती है जिसे भारत संरक्षित रखना चाहता है.

इसके कारण स्पष्ट हैं. संघर्ष में शामिल सभी प्रमुख पक्षों के साथ भारत के महत्वपूर्ण संबंध हैं. चाबहार बंदरगाह परियोजना के माध्यम से भारत की क्षेत्रीय संपर्क संबंधी महत्वाकांक्षाओं में ईरान की केंद्रीय भूमिका है. इससे पाकिस्तान को दरकिनार करते हुए अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच मिलती है. वहीं, इजराइल भारत के सबसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदारों में से एक है, जो वायु रक्षा प्रणाली, ड्रोन और निगरानी प्लेटफॉर्म सहित उन्नत प्रौद्योगिकियां प्रदान करता है. साथ ही, पिछले एक दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी में काफी मजबूती आई है, जिसमें रक्षा सहयोग, खुफिया जानकारी साझा करना और उभरती प्रौद्योगिकियां शामिल हैं.

संकट की शुरुआत में हुई एक घटना ने यह स्पष्ट कर दिया कि संघर्ष कितनी तेजी से भारत के समुद्री क्षेत्र में फैल सकता है. ईरानी नौसैनिक पोत आईरिस लावन ने कोच्चि में शरण ली. भारत ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री प्रथाओं के अनुरूप मानवीय आधार पर पोत को बंदरगाह पर आने की अनुमति दी और इस घटना पर राजनीतिक टिप्पणी करने से सावधानीपूर्वक परहेज किया.राजनयिक इशारों से भी चल रहे सावधानीपूर्वक संतुलन का पता चलता है. अयातुल्ला खामेनेई की मृत्यु के बाद भारतीय प्रतिनिधियों ने ईरानी दूतावास में शोक पुस्तिका पर हस्ताक्षर किए, जो राजनयिक प्रोटोकॉल के प्रति सम्मान और तेहरान के साथ संबंध बनाए रखने का संकेत था. साथ ही, भारत ने ऐसे बयान देने से परहेज किया जिन्हें वाशिंगटन या तेल अवीव की आलोचना के रूप में देखा जा सकता था.

भारत की वैश्विक प्रतिष्ठा बढ़ने के साथ-साथ, इस तरह के संकट विभिन्न भू-राजनीतिक गुटों के साथ संबंध बनाए रखने की उसकी क्षमता की परीक्षा ले रहे हैं. नई दिल्ली की अब तक की प्रतिक्रिया से पता चलता है कि सावधानीपूर्वक अपनाई गई चुप्पी भी एक प्रकार का रणनीतिक संकेत हो सकती है.आने वाले महीनों में यह तय होगा कि संघर्ष सीमित रहेगा या एक व्यापक क्षेत्रीय संकट में बदल जाएगा. फिलहाल, मध्य पूर्व एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है, जिसके परिणाम युद्धक्षेत्र से कहीं आगे तक फैलेंगे.

रूस पर प्रतिबंध लगाने वाले देश अब मास्को से मांग रहे गैस और तेल

> हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। जो यूरोप कल तक रूस पर कड़े प्रतिबंध लगा रहा था और उससे गैस तथा तेल खरीदने वाले देशों पर पेनल्टी लगाने की मांग करते हुए यूक्रेन के साथ खड़ा नजर आ रहा था, वही यूरोप अब मध्य पूर्व में संकट गहराते ही फिर से रूस की ओर देखने लगा है।

नीरज कुमार दुबे

दरअसल अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष तथा फारस की खाड़ी में तनाव के कारण वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर खतरा मंडराने लगा है। ऐसे में ऊर्जा संकट से जूझता यूरोप रूस से गैस और तेल की संभावित आपूर्ति को लेकर नई चर्चा कर रहा है। इस पूरे घटनाक्रम ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति और ऊर्जा बाजार दोनों में रूस को अप्रत्याशित लाभ की स्थिति में ला खड़ा किया है। हम आपको बता दें कि मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के कारण वैश्विक तेल बाजार में जबरदस्त उथल पुथल देखने को मिल रही है। फारस की खाड़ी के प्रमुख समुद्री मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य से दुनिया के लगभग पांचवें हिस्से का तेल और गैस गुजरता है। ईरान से जुड़े तनाव और संभावित आपूर्ति बाधा की आशंका के कारण तेल की कीमतें तेजी से बढ़ गईं। सप्ताह की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमत प्रति बैरल सौ डॉलर से ऊपर पहुंच गई। बाद में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद कीमतों में कुछ गिरावट आई, फिर भी युद्ध से पहले की तुलना में तेल करीब सत्ताइस प्रतिशत महंगा बना हुआ है। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि इस स्थिति का सबसे बड़ा आर्थिक लाभ रूस को मिल सकता है। रूस पहले से ही दुनिया के सबसे बड़े तेल

निर्यातकों में शामिल है। यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों ने उस पर कठोर आर्थिक प्रतिबंध लगाए थे, लेकिन अब ऊर्जा बाजार में उथल पुथल के कारण इन प्रतिबंधों का प्रभाव कम होता दिखाई दे रहा है। ऊंची कीमतों के कारण रूस को अपने तेल निर्यात से अधिक राजस्व मिलने की संभावना है, जिससे उसकी अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकती है।

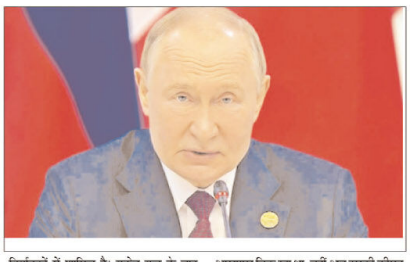

अमेरिका ने भारत को भी कथित रूप से अस्थायी छूट देते हुए रूसी कच्चा तेल खरीदने की अनुमति दी है। इस निर्णय के बाद रूस के तेल निर्यात में तेजी आई है। पहले जहां रूसी तेल लगभग पचास डॉलर प्रति बैरल के आसपास बिक रहा था, वहीं अब इसकी कीमत करीब नब्बे डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई है। इससे रूस को राजस्व में भारी बढ़ोतरी मिल रही है। ऊर्जा बाजार के आंकड़े बताते हैं कि समुद्र में टैंकरों पर जमा रूसी तेल का भंडार भी तेजी से कम हो रहा है, जिससे स्पष्ट है कि खरीदार देशों तक आपूर्ति तेजी से पहुंच रही है। फरवरी के अंत तक जहां टैंकरों में लगभग एक सौ बत्तीस मिलियन बैरल रूसी तेल जमा था, वहीं अब यह घटकर करीब एक सौ अठारह मिलियन बैरल रह गया है। इसका अर्थ है कि वैश्विक बाजार में रूसी तेल की मांग फिर बढ़ने लगी है। यदि मध्य पूर्व में संघर्ष लंबा चलता है और खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात बाधित होता है तो रूस को अरबों डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिल सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि ऊंची कीमतों और आपूर्ति संकट के चलते रूस को आय में कई अरब डॉलर का अतिरिक्त लाभ हो सकता है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी संकेत दिया है कि यदि यूरोपीय देश राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर दीर्घकालिक सहयोग चाहते हैं तो रूस उन्हें फिर से तेल और गैस आपूर्ति करने को तैयार है। पुतिन का कहना है कि रूस ने कभी यूरोप के साथ ऊर्जा सहयोग से इंकार नहीं किया, लेकिन यूक्रेन युद्ध के बाद यूरोप ने स्वयं रूसी ऊर्जा पर निर्भरता कम करने का निर्णय लिया था।

हम आपको बता दें कि यूक्रेन युद्ध से पहले यूरोप अपनी गैस जरूरतों का चालीस प्रतिशत से अधिक हिस्सा रूस से खरीदता था। लेकिन प्रतिबंधों और वैकल्पिक स्रोतों की खोज के कारण यह हिस्सा घटकर वर्ष 2025 तक लगभग तेरह प्रतिशत रह गया। यूरोपीय संघ ने समुद्री मार्ग से आने वाले रूसी तेल पर प्रतिबंध लगा दिया था और कई पाइपलाइन मार्ग भी बंद हो गए थे।

हालांकि मौजूदा संकट में स्थिति बदलती दिखाई दे रही है। यूरोप ने अभी तक रूसी तरल प्राकृतिक गैस पर पूर्ण प्रतिबंध लागू नहीं किया है और प्रस्तावित योजना के अनुसार इसे 2027 तक धीरे धीरे समाप्त किया जाना है। इस कारण यूरोप के कुछ देश आपूर्ति संकट की स्थिति में फिर से रूसी गैस खरीदने पर विचार कर सकते हैं।

फिर भी रूस की क्षमता पूरी तरह असीमित नहीं है। वर्षों से लगे प्रतिबंधों और यूक्रेन से हुए हमलों के कारण उसकी ऊर्जा अवसंरचना के कुछ हिस्सों को नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा जहाजरानी और बीमा से जुड़ी बाधाएं भी रूसी निर्यात को सीमित करती हैं। वैसे रूस का अधिकांश तेल फिलहाल भारत और चीन जैसे सीमित खरीदारों को ही जा रहा है।

इसके बावजूद मौजूदा वैश्विक परिस्थिति का सामरिक महत्व बहुत बड़ा है। मध्य पूर्व में युद्ध ने यह स्पष्ट कर दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण अंतरराष्ट्रीय राजनीति का सबसे महत्वपूर्ण हथियार बना हुआ है। रूस के पास विशाल तेल और गैस भंडार हैं और संकट के समय यह उसे आर्थिक और कूटनीतिक दोनों तरह का प्रभाव प्रदान करते हैं।

दूसरी ओर यूरोप के सामने भी एक कठिन विकल्प खड़ा हो गया है। यदि मध्य पूर्व से ऊर्जा आपूर्ति बाधित होती है तो उसे अपने पुराने ऊर्जा स्रोत यानी रूस की ओर फिर से देखना पड़ सकता है। इस प्रकार मध्य पूर्व का युद्ध केवल क्षेत्रीय संघर्ष नहीं रह गया है, बल्कि यह वैश्विक ऊर्जा संतुलन और भू राजनीतिक शक्ति समीकरण को भी नए सिरे से आकार दे रहा है।

देश के विकास व नीतियों के निर्माण में महत्वपूर्ण है जनगणना : डीसी

धनबाद (कासं) : भारत की जनगणना २०२७ के प्रथम चरण में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना के लिए जिला व चार्ज अधिकारियों तथा तकनीकी सहायकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण समाहरणालय के सभागार में शुरू हुआ। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारगे तथा अपर समाहर्ता विनोद कुमार ने दीप प्रज्वलित कर इसका शुभारंभ किया।

इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जनगणना किसी भी देश के विकास के लिए योजनाओं एवं नीतियों के निर्माण करने के लिए अति महत्वपूर्ण है। जनगणना के आंकड़ों के आधार पर ही भविष्य की योजनाएं एवं नीतियों का निर्धारण किया जाता है। लगभग डेढ़ दशक के बाद यह जनगणना कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सभी पदाधिकारी एवं कर्मी इसे पूरी गंभीरता एवं जिम्मेदारी के साथ सम्पन्न करें।

उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही सभी बातों को ध्यानपूर्वक समझें एवं प्रशिक्षण को सफल बनाएं। इसमें जनगणना से जुड़े विभिन्न पहलुओं, प्रश्नों के उपयोग, डेटा संकलन की प्रक्रिया तथा क्षेत्र में कार्य करने के सही तौर तरीकों की विस्तृत जानकारी दी जा रही है।

जनगणना कार्य निदेशालय, रांची, झारखंड से आए राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन ने सभी प्रतिभागियों को व्यावहारिक उदाहरणों एवं पोर्टल एवं मोबाइल ऐप के माध्यम से मकान सूचीकरण एवं भवनों की गणना से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं को समझाया। बताया कि इस बार की जनगणना पूर्ण रूप से डिजिटल माध्यम से सम्पन्न की जाएगी। मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रगणक हर घर व हर ब्लॉक का डेटा संकलन करेंगे। डिजिटल जनगणना से सूचनाओं का संधारण, तेजी और सटीकता से किया जा सकेगा।

प्रशिक्षण के बाद सभी चार्ज अधिकारी अपने अपने चार्ज अंतर्गत जनगणना २०२७ प्रथम चरण के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य शुरू करेंगे। मौके पर उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारगे, अपर समाहर्ता विनोद कुमार, राष्ट्रीय प्रशिक्षक सह सहायक निदेशक मुरारी मोहन, जिला खेल पदाधिकारी सह सांख्यिकी पदाधिकारी उमेश लोहरा, सहायक नगर आयुक्त प्रसून कौशिक, प्रकाश कुमार, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी व अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

बाहा पर्व पारंपरिक रीतिरिवाजों के साथ मनाया गया

धनबाद (कासं) : पूर्वी टुंडी प्रखंड के रघुनाथपुर पंचायत अंतर्गत गोलमारा गांव में आदिवासी समाज का प्रमुख प्रकृति पूजा पर्व बाहा पर्व धूमधाम और पारंपरिक रीतिरिवाजों के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सोनोत संथाल समाज पूर्वी टुंडी प्रखंड अध्यक्ष संदीप हांसदा मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

पर्व के दौरान गांव के नायकी बाबा बाबूजन टुडू ने पवित्र स्थल जाहेरथान में विधिवत पूजाअर्चना की और प्रकृति देवता से गांव की सुखसमृद्धि, अच्छी फसल और सभी के मंगल की कामना की।

बताया गया कि बाहा पर्व संथाल समाज का महत्वपूर्ण त्योहार है, जो बसंत तु में फागुन महीने में मनाया जाता है। यह तीन दिवसीय प्रकृति पूजा का पर्व होता है। इस दौरान जाहेरथान में साल के फूल चढ़ाकर पूजा की जाती है तथा पारंपरिक नृत्य और संगीत के साथ सादे पानी से होली खेलकर खुशियां मनाई जाती हैं। इस अवसर पर बोदीनाथ बेसरा, अरुण टुडू, परेश मरांडी, मुनिलाल टुडू, मनोज मरांडी, नरेश मरांडी, अर्जुन टुडू, रूपलाल मरांडी, सुखलाल मुर्मू सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

अमृत भारत एक्सप्रेस का धनबाद स्टेशन पर हुआ स्वागत

धनबाद (कासं) : दक्षिण भारत को कोयलांचल से सीधे जोड़ने वाली पोत्तनूरधनबाद अमृत भारत एक्सप्रेस का धनबाद स्टेशन पर भव्य स्वागत किया गया। २१९९ किलोमीटर की लंबी दूरी तय कर जब यह ट्रेन धनबाद पहुंची, तो स्टेशन का नजारा देखने लायक था।

जैसे ही अमृत भारत एक्सप्रेस धनबाद प्लेटफॉर्म पर दस्तक दी, वहां मौजूद सैकड़ों लोगों ने उत्साह के साथ इसका स्वागत किया। इस ऐतिहासिक अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में धनबाद के सांसद ढुलू महतो अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे। उन्होंने न केवल ट्रेन का स्वागत किया, बल्कि इसे हरी झंडी दिखाकर रवाना भी किया। यह नई अमृत भारत एक्सप्रेस अब नियमित रूप से धनबाद और पोत्तनूर (कोयंबटूर) के बीच दौड़ेगी। १४ को दोपहर २ बजे धनबाद से खुलकर यह ट्रेन बोकारो, रांची, राउरकेला, संबलपुर और विजयवाड़ा जैसे प्रमुख स्टेशनों से होते हुए १६ मार्च को सुबह ११:२० बजे पोत्तनूर पहुंचेगी। वर्तमान में यह सेवा साप्ताहिक आधार पर शुरू की गई है।

यह ट्रेन सिर्फ एक सफर नहीं, बल्कि हजारों प्रवासी मजदूरों के लिए एक वरदान है। कोयंबटूर और तिरुप्पुर जैसे टेक्सटाइल हब में काम करने वाले झारखंड और ओडिशा के मजदूरों को अब घर पहुंचने के लिए भटकना नहीं पड़ेगा। २२ कोच वाली इस ट्रेन में ८ स्लीपर, ११ जनरल और २ दिव्यांग फ्रेंडली कोच लगाए गए हैं, जो सीधी, सस्ती और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित करेंगे।

एसएसपी ने राजगंज थाना का किया औचक निरीक्षण

धनबाद कासं : धनबाद जिले में अपराध नियंत्रण और पुलिस व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार ने राजगंज थाना का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अंचल निरीक्षक मोहम्मद रुस्तम और थाना प्रभारी अलीशा समेत अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने थाना परिसर के विभिन्न विभागों और कार्यालय कक्ष का क्रमवार निरीक्षण करते हुए वहां की कार्यप्रणाली और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने सीसीटीएनएस कक्ष, कम्प्यूटर रूम, काउंसिलिंग सेंटर, मालखाना, बैरक, कॉन्फ्रेंस रूम, रिकॉर्ड रूम, कैंटीन, महिला हेल्प डेस्क और सीरिस्ता का बारीकी से निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने दस्तावेजों के संधारण, रिकॉर्ड के रखरखाव, मालखाने की व्यवस्था और पुलिसकर्मियों के रहने की व्यवस्था की भी जानकारी ली।

एसएसपी ने थाना क्षेत्र में होने वाले सड़क हादसों पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए एनएचएआई के साथ नई सुरक्षा रणनीति बनाकर हादसों में कमी लाने की दिशा में कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि थाने में आने वाले सभी मामलों की सही ढंग से प्रविष्टि की जाए तथा रिकॉर्ड को अद्यतन रखा जाए।

एसएसपी ने कहा कि थाने की व्यवस्था सुव्यवस्थित और पारदर्शी होनी चाहिए ताकि आम लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। महिला हेल्प डेस्क की कार्यप्रणाली की भी समीक्षा करते हुए उन्होंने महिला संबंधित मामलों के प्रति संवेदनशीलता के साथ त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इस दौरान एसएसपी ने थाने में दर्ज कांडों की स्थिति की विस्तृत जानकारी ली और विभिन्न मामलों के अनुसंधान की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने लंबित कांडों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष जोर देते हुए कहा कि अनुसंधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि सभी लंबित कांडों का अनुसंधान पूर्ण कर समय पर न्यायालय में चार्जशीट समर्पित की जाए, ताकि अपराधियों के विरुद्ध त्वरित कार्रवाई हो सके और न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आए। एसएसपी ने थाना क्षेत्र की विधिव्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों से जानकारी ली और निर्देश दिया कि क्षेत्र में नियमित रूप से गश्ती अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाए तथा सूचना तंत्र को और अधिक मजबूत किया जाए, ताकि अपराध की घटनाओं पर समय रहते नियंत्रण पाया जा सके। इसके अलावा उन्होंने थाने में लंबित वारंटों की समीक्षा करते हुए सभी वारंटों का जल्द तामिल सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। साथ ही फरार चल रहे अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए उन्हें जल्द से जल्द कानून के शिकंजे में लाया जाए।

निरीक्षण के दौरान एसएसपी ने पुलिस पदाधिकारियों और जवानों से उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान का निर्देश दिया। इसके अलावे उन्होंने थाना को अतिरिक्त नया चार पहिया वाहन और दो पहिया उपलब्ध कराने का भी निर्देश दिया।

एसएसपी ने सभी पदाधिकारियों व जवानो को आम जनता के साथ सौहार्दपूर्ण व्यवहार बनाए रखने और लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करने की भी हिदायत दी। उन्होंने कहा कि पुलिस की प्राथमिकता आम लोगों को सुरक्षा प्रदान करना और उनकी शिकायतों का निष्पक्ष एवं समयबद्ध समाधान करना है।

विधायक मथुरा ने सदन में उठाया सड़क का मुद्दा

धनबाद (कासं) : टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो ने विधानसभा में शून्यकाल के माध्यम से जनहित से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय को सरकार के समक्ष उठाया। विधायक ने कहा कि तोपचांची प्रखंड के केन्दुआडीह से गिरिडीह जिले के पीरटांड़ प्रखंड को जोड़ने वाला सड़क मार्ग लगभग ५ सौ मीटर वन विभाग के सेंचुरी प्रोजेक्ट क्षेत्र में आने के कारण अब तक बन नहीं पाया है। इस कारण दोनों जिलों के लोगों को आवागमन में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक मथुरा ने जनहित को देखते हुए उक्त सड़क का शीघ्र निर्माण कराने की मांग सरकार से की है ताकि धनबाद और गिरिडीह जिले के लोगों को सुगम आवागमन की सुविधा मिल सके।

सांस्कृतिक परंपरा व विरासत को संरक्षित करने का मामला सदन में उठा

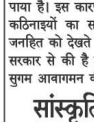

बलियापुर (ससे) : सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाया। साथ ही झारखंड की सांस्कृतिक परंपरा एवं विरासतों को सुरक्षित रखने की दिशा में आवश्यक कदम उठाने की मांग सरकार से की है। विधायक मे विधानसभा अध्यक्ष का ध्यान आकृष्ट करते हुए वृद्धा पेंशन योजना, मैया सम्मान योजना, विकलांग पेंशन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि का उल्लेख करते हुए योजनाओं को महत्वपूर्ण बताया। इन योजनाओं की राशि बढ़ाने के सायसाथ जरूरतमंद छात्र छात्राओं को आगे की पढ़ाई के लिए छात्रवृत्ति की सुविधा के अलावा कोचिंग की व्यवस्था करने की मांग की। वही विधायक ने झारखंड की सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित रखने के लिए मांझी थान, जहीर थान, श्मशान घाट, कब्रिस्तान आदि स्थानों के संरक्षण की मांग की है।

केन्दुआटांड़ में विवाद, मारपीट के बाद युवक हिरासत में

धनबाद (कासं) : पूर्वी टुंडी प्रखंड के रुपन पंचायत अंतर्गत केन्दुआटांड़ गांव में आदिवासी समाज द्वारा मनाए जा रहे होली पर्व के दौरान दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई। सूचना मिलने पर पूर्वी टुंडी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए एक युवक को हिरासत में लेकर थाना ले आई। मिली जानकारी के अनुसार केन्दुआटांड़ गांव में आदिवासी समाज के लोग पारंपरिक तरीके से होली पर्व मना रहे थे।

पूरा गांव उत्साह के साथ होली खेल रहा था। इसी दौरान गांव से अलग रहने वाले एक परिवार के युवक ने एक युवती पर जबरन पानी डाल दिया। इस घटना से नाराज ग्रामीणों ने युवक का विरोध किया, लेकिन युवक ग्रामीणों से उलझ गया। देखते ही देखते कहासुनी बढ़कर हाथापाई और फिर मारपीट में बदल गई। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वी टुंडी थाना पुलिस केन्दुआटांड़ गांव पहुंची और स्थिति को शांत कराया। पुलिस ने विवाद के आरोपी युवक राजेश हांसदा को पकड़कर थाना ले आई। रुपन पंचायत के मुखिया सतीश मुर्मू ने बताया कि पूर्वी टुंडी थाना प्रभारी ने उन्हें और दोनों पक्षों को थाना बुलाया है, ताकि आपसी बातचीत के जरिए विवाद का समाधान किया जा सके।

जनता दरबार में आमजनों की समस्याओं से अवगत हुए डीसी

धनबाद (कासं) : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन द्वारा कार्यालय कक्ष में जनता दरबार का आयोजन किया गया। इस दौरान उन्होंने जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों की समस्याओं को सुना एवं आश्वासन दिया कि उनके सभी शिकायतों का जल्द से जल्द जाँच कराते हुए उचित समाधान कराया जाएगा। जनता दरबार में वाई नं १९ में जलापूर्ति से संबंधित मामले, ट्रांसजेंडर सर्टिफिकेट बनाने, रैयती जमीन पर अवैध कैंजा की शिकायत, दिव्यांग पेंशन देने, आवास योजना का लाभ देने, सेवानिवृत्त के उपरांत पेंशन भुगतान करने, होमगार्ड चेक लिस्ट में नाम नहीं आने की शिकायत, चौकीदार बहाली के द्वितीय लिस्ट जारी करने, डीएमएफटी फंड से डीप बोरिंग तथा सोलर पंप के माध्यम से पेयजल उपलब्ध कराने, बीसीसीएल द्वारा ब्लास्टिंग कर रैयती जमीन और घर को नुकसान पहुंचाने, किराएदार द्वारा दुकान पर जबरन कैंजा करने, राशन कार्ड बनाने समेत कई अन्य शिकायतें तथा आवेदन प्राप्त हुई। उपायुक्त ने लोगों को पूर्ण भरोसा दिलाया कि आपकी समस्याओं को दूर करना जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। जिला प्रशासन विधि सम्मत आपकी हर समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगा।

नये थानेदार प्रवीण कुमार ने दिया योगदान

कतरास (ससे) : कतरास थाना में इंस्पेक्टर सह थानेदार प्रवीण कुमार ने अपना योगदान दिया। इससे पूर्व प्रवीण कुमार बैंक मोड़ में थानेदार थे।कतरास थानेदार असीत कुमार सिंह का तबादला बैंक मोड़ थाना में हुआ है। पदभार ग्रहण के बाद श्री कुमार ने कहा कि वे जनता के सहयोग से हर समस्या का हल निकालेंगे। अपराध पर हर हाल में अंकुश लगेगा। शहर में लगने वाली जाम पर कहा कि यहां के नागरिकों बात कर इसका निदान किया जायेगा।आम जनों का कोई भी शिकायत व सूचना हो,तो वे बेझिझक संपर्क करें। थाना आम जनता के लिये है।

बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों को ले सेंट्रल एडवाइजरी कमिटी की बैठक

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में आज बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों हेतु गठित 'सेंट्रल एडवाइजरी कमिटी' की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक, वरीय प्रबंधक (वित्त) पंकज कुमार सिंह तथा बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूलों के प्रधानाचार्य एवं प्रधानाध्यापिकाएँ उपस्थित रहीं। इनमें अजित कुमार दुबे (डीएवी, कुसुंडा), प्रसेनजीत कुमार पाल (डीएवी, दुग्दा), इंदु प्रसाद (डीएवी, मुनीडीह), सुब्रोतो मोदक (डीएवी, अलकुसा), एन. एन. श्रीवास्तव (डीएवी, कोयलानगर), डॉ. अभिलाषा कुमारी (डीएवी, लोदना), रामसुमन सिंह (एसवीएम, भूली) तथा रमाकांत राणा (एसवीएम, सिनीडीह) शामिल थे।

बैठक के दौरान सभी स्कूलों के प्रधानाचार्यों द्वारा अपनेअपने संस्थानों की अद्यतन प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। प्रस्तुतिकरण में छात्रशिक्षक अनुपात, आधारभूत संरचना, उपलब्ध शैक्षणिक संसाधन, सहपाठ्यक्रम गतिविधियों तथा शैक्षणिक उपलब्धियों से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की गई। इन बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा करते हुए स्कूलों की वर्तमान स्थिति, आवश्यकताओं तथा भविष्य की संभावनाओं पर सार्थक विचारविमर्श किया गया।

इस दौरान स्कूलों द्वारा 'डेफिसिट ग्रांट' से संबंधित मांग भी रखी गई। इस विषय पर प्रबंधन की ओर से निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा कि संस्थानों की वास्तविक आवश्यकताओं तथा वित्तीय अनुशासन को ध्यान में रखते हुए इस संबंध में आवश्यक समीक्षा एवं प्रक्रियात्मक पहल की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि डेफिसिट ग्रांट से संबंधित मामलों में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व तथा संसाधनों के प्रभावी उपयोग को सुनिश्चित करना आवश्यक है।

बैठक के दौरान निदेशक (मानव संसाधन) ने सभी स्कूलों में डेफिसिट ग्रांट के संदर्भ में नियमित त्रैमासिक एवं अर्धवार्षिक निरीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने मुख्यालय स्तर पर एक ऑडिट कमिटी गठित करने के निर्देश दिए, जो समयसमय पर स्कूलों की वित्तीय एवं प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव प्रदान करेगी, ताकि संस्थानों की कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी बन सके।

अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) ने कहा कि बीसीसीएल प्रोजेक्ट स्कूल शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं और इन संस्थानों को समय के साथ आधुनिक शैक्षणिक पद्धतियों को अपनाते हुए निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने स्कूलों के बीच पारस्परिक अधिगम को बढ़ावा देने तथा उनकी कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं समन्वित बनाने पर बल देते हुए कहा कि विभिन्न स्कूलों द्वारा अपनाई गई श्रेष्ठ शिक्षण पद्धतियों, नवाचारों और सफल पहलों को साझा किया जाना चाहिए, ताकि सभी संस्थान एकदूसरे के अनुभवों से सीखते हुए और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सभी प्रोजेक्ट स्कूल समन्वित प्रयासों के माध्यम से शिक्षा के उच्च मानकों को प्राप्त करने की दिशा में निरंतर कार्य करते रहेंगे और विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के अपने उद्देश्य को और सुदृढ़ करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई।

महिलाओं व छात्रों के मुद्दे पर विस परिसर में विपक्ष का विरोध प्रदर्शन

धनबाद/रांची (कासं) : झारखंड विधानसभा में महिलाओं और छात्रों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर विपक्षी विधायकों ने सरकार के खिलाफ जोरदार विरोधप्रदर्शन किया। इस दौरान रागिनी सिंह ने अपने साथी विधायकों के साथ विधानसभा परिसर में प्रदर्शन कर राज्य सरकार से महिलाओं और छात्रों के अधिकारों को सुनिश्चित करने की मांग उठाई। विधायकों ने मुख्य रूप से छात्रों के लिए राज्य में छात्रवृत्ति योजना को तत्काल शुरू करने, सभी जिला मुख्यालयों में आवासीय छात्रावासों के निर्माण कार्य की शुरुआत करने तथा राज्य की प्रत्येक पात्र महिला को मंईयां सम्मान योजना का लाभ सुनिश्चित करने की मांग की। इस मौके पर रागिनी सिंह ने कहा कि राज्य सरकार छात्रों और महिलाओं के मुद्दों पर पूरी तरह उदासीन बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि झारखंड के हजारों छात्र छात्रवृत्ति के इंतजार में हैं, जबकि दूरदराज के जिलों से पढ़ने आने वाले छात्रों के लिए पर्याप्त छात्रावास की सुविधा भी उपलब्ध नहीं है।

उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि छात्रों के भविष्य और महिलाओं के सम्मान से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। सरकार को तुरंत छात्रवृत्ति योजना शुरू करनी चाहिए, सभी जिला मुख्यालयों में आवासीय छात्रावास का निर्माण प्रारंभ करना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य की हर पात्र महिला को मंईयां सम्मान योजना का लाभ मिले।

रागिनी सिंह ने आगे कहा कि राज्य में महिलाओं के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव बंद होना चाहिए और सरकार को महिलाओं के सम्मान व सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने करेगा। इस दौरान कई विपक्षी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि विधायक उपस्थित रहे और सभी सरकार इन मुद्दों पर गंभीर कदम ने एक स्वर में महिलाओं और नहीं उठाती है तो विपक्ष सड़क से छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सरकार से लेकर सदन तक आंदोलन तेज तत्काल कार्रवाई की मांग की।

असर्फी अस्पताल में शव रोकने का मामला विस में गूंजा विधायक रागिनी ने सरकार से मांगा जवाब

धनबाद (कासं) : बजट सत्र के दौरान झरिया विधायक रागिनी सिंह ने असर्फी अस्पताल में शव रोकने के मामले को उठाते हुए सरकार से सवाल किया। विधानसभा में सूचना के माध्यम से मुद्दा उठाते हुए विधायक रागिनी ने बताया कि जामाडोबा, झरिया निवासी गुड्डू सिंह उर्फ संजीत सिंह एक दुर्घटना में घायल हो गए थे, जिन्हें इलाज के लिए असर्फी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। विधायक ने सदन में कहा कि स्वास्थ्य मंत्री स्वयं यह कहते हैं कि किसी मरीज की मृत्यु हो जाने के बाद अस्पताल में किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता और शव को परिजनों को सौंप दिया जाता है। लेकिन जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल अलग है।

उन्होंने सरकार से सवाल करते हुए कहा कि जब मंत्री कहते हैं कि मृत्यु के बाद किसी प्रकार का पैसा नहीं लगता, तो फिर असर्फी अस्पताल में परिजनों से पैसे की मांग क्यों की जा रही थी ? जब तक पैसा नहीं दिया जाता, तब तक शव को नहीं छोड़ा जाता। आखिर ऐसा क्यों हो रहा है?

रागिनी सिंह ने सरकार से स्पष्ट जवाब मांगते हुए कहा कि अगर ऐसा नियम है तो उसका पालन क्यों नहीं हो रहा है और अगर पालन नहीं हो रहा है तो सरकार ऐसे अस्पतालों के खिलाफ क्या कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यमवर्गीय परिवार पहले ही अपनों को खोने के दर्द से गुजरते हैं, ऐसे में अस्पतालों द्वारा शव रोककर पैसे की मांग करना बेहद अमानवीय है। सरकार को इस मामले में सख्त कदम उठाने चाहिए ताकि भविष्य में किसी परिवार को ऐसी स्थिति का सामना न करना पड़े।

बेटियों को आत्मविश्वासी और महत्वाकांक्षी बनाएं : डीडीसी

बोकारो (ससे): महिला महोत्सव सप्ताह के अवसर पर शुक्रवार को जिला प्रशासन द्वारा जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) में पंचायती राज एवं विकेंद्रीकरण विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला* का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान अपने-अपने पंचायतों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली २० महिला मुखियाओं को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया गया, वहीं उपस्थित अन्य सभी मुखियाओं को पौधा भेंट कर सम्मानित*किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, डीपीआरओ मो. सफीक आलम, नोडल पदाधिकारी श्री पंकज दूबे, तांतरी दक्षिणी की मुखिया शांति देवी, बुंडू की मुखिया निहारिका सुकृति तथा जरीडीह पूर्वी की मुखिया कंचन देवी, प्रदान की पीयूष मोई, पिरामल फाउंडेशन के सुदीप्त हाजरा सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।

मौके पर जिला परिषद अध्यक्ष सुनीता देवी ने कहा कि पंचायतों के समग्र विकास के लिए महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका में आगे आने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की सक्रिय भागीदारी से ग्रामीण विकास की प्रक्रिया और अधिक मजबूत होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीडीसी ने कहा कि आज समाज में बेटियों को अधिक से अधिक शिक्षित करने और उन्हें आत्मविश्वासी तथा महत्वाकांक्षी बनाने की आवश्यकता है। उन्होंने महिला मुखियाओं से कहा कि जिस प्रकार वे अपने घरों को सजाने-संवारने में लगन से कार्य करती हैं, उसी प्रकार अपने पंचायतों के विकास के लिए भी समर्पित होकर कार्य* करें।

मौके पर डीपीआरओ ने मानवाधिकार, महिला अधिकार, बाल अधिकार, महिला हिंसा तथा बाल विवाह जैसे विषयों* पर विस्तार- से जानकारी दी और पंचायत प्रतिनिधियों से इन मुद्दों के प्रति जागरूक और संवेदनशील रहने की अपील की। वहीं, मनरेगा नोडल पदाधिकारी ने मनरेगा योजना में महिलाओं को प्राप्त विशेष अधिकारों और अवसरों के बारे में विस्तार से बताया। जेएसएलपीएस के डीपीएम ने कहा कि जेएसएलपीएस की विभिन्न योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आर्थिक और सामाजिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किए जा रहे हैं।

कार्यक्रम के दौरान बुंडू की मुखिया निहारिका सुकृति ने जेंडर रेस्पॉन्सिव पंचायत की अवधारणा पर अपने विचार रखे। इसके अलावा जरीडीह पूर्वी की मुखिया कंचन देवी, टांड़बालीडीह की मुखिया माना देवी तथा गोविंदपुर डी पंचायत की मुखिया चंदना मिश्रा ने भी अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम का संचालन विजय ठाकुर ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में प्रदान के सूरज सेन, जया पुरकैत, सुप्रतीक बरमन, रौशन सहानी, शोभा, बबीता, सविता तथा एभीए संस्था के अमर का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम का समापन बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ के साथ किया गया।

प्लंबर-जल सहिया महत्वपूर्ण कड़ी, जल जीवन मिशन के बुनियाद : उपायुक्त

बोकारो (ससे): जल महोत्सव के अंतर्गत विश्व प्लंबर दिवस के अवसर पर समाहरणालय सभागार में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए प्लंबरों, जल सहियाओं तथा पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के पदाधिकारियों/कर्मियों ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर बेहतर कार्य करने वाले प्लंबरों को उपायुक्त, उप विकास आयुक्त तथा पीएचईडी चास के कार्यपालक अभियंता राम प्रवेश राम द्वारा साल ओढ़ाकर, पौधा एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। मौके पर जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डा. सुमन गुप्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला शिक्षा पदाधिकारी जगरनाथ लोहरा, जिला शिक्षा अधीक्षक अतुल कुमार चौबे समेत अन्य उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि प्लंबर और जल सहिया जल जीवन मिशन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। इनके समर्पण और मेहनत के बिना हर घर तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि *कोई भी काम छोटा नहीं होता है, बल्कि हर काम का अपना महत्व होता है। हमारा लक्ष्य बड़ा है - जिले के प्रत्येक घर तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना।उन्होंने कहा कि जो लोग अच्छा काम करते हैं, उन्हें कभी-कभी ताने भी सुनने पड़ते हैं, लेकिन इससे निराश होने की जरूरत नहीं है। जो लोग समाज के प्रति समर्पित होते हैं, वही स्वाभाविक रूप से समाज के सच्चे नेतृत्वकर्ता (नेचूरल लिडर) बनते हैं।

मजदूरों के हक पर डाका डालने वालों का खैर नहीं : झाकोमयू

जोड़ापोखर (ससे) : चाँद कुइयां मोड़ स्थित झारखण्ड कोलियरी मजदूर यूनियन की एक उच्चस्तरीय जोनल बैठक संपन्न हुई, जिसमें संगठन की भावी रणनीति और श्रमिक हितों को लेकर कई क्रांतिकारी निर्णय लिए गए। बैठक में जोनल अध्यक्ष उमाशंकर चौहान की अध्यक्षता एवं जोनल सचिव रामू मंडल द्वारा सफल संचालन में भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के अंतर्गत आने वाले समस्त प्रक्षेत्रों में 'सशक्त क्षेत्रीय समिति गठन योजना' का शंखनाद किया जाएगा।

बैठक में यह संकल्प लिया गया की संगठन को धरातल पर इतना अभेद्य बनाना है की कोई भी दमनकारी शक्ति या प्रबंधन मजदूरों के संवैधानिक अधिकारों की अनदेखी न कर सके।

जोनल अध्यक्ष उमाशंकर चौहान ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि बीसीसीएल के प्रत्येक क्षेत्र में ऐसी समितियों का निर्माण होगा जो भ्रष्टाचार और तानाशाही के विरुद्ध 'अभेद्य ढाल' बनेंगी। उन्होंने कड़ा निर्देश दिया और कहा कि समितियों में केवल उन्हीं कार्यकर्ताओं को स्थान मिलेगा जो पूर्णतः समर्पित, निष्ठावान और ईमानदार छवि के होंगें।

प्रबंधन को श्रमिकों के आवास, सुरक्षा उपकरण और चिकित्सा सुविधाओं में बरती जा रही लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। नई क्षेत्रीय समितियाँ हर सप्ताह इन मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा कर जोनल कार्यालय को रिपोर्ट सौंपेंगी। स्थानीय बेरोजगारों को ७५ प्रतिशत रोजगार सुनिश्चित कराने और असंगठित मजदूरों को समानता का अधिकार दिलाने हेतु आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। विस्थापितों एवं रैयतों के अधिकारों का हनन अब किसी भी कीमत पर नहीं होने दिया जाएगा।

बैठक में अनुशासन पर विशेष जोर देते हुए निर्देश जारी किया गया कि प्रत्येक आधिकारिक पत्र, बैनर और प्रचार सामग्री में व्याकरणिक शुद्धता अनिवार्य है। अशुद्ध भाषा और त्रुटिपूर्ण सूचना संगठन की गरिमा के विरुद्ध मानी जाएगी। जोनल कमिटी ने तय किया है कि अगले सात दिनों के भीतर सभी क्षेत्रों में पर्यवेक्षकों की नियुक्ति कर दी जाएगी। ये पर्यवेक्षक पूरी पारदर्शिता और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के साथ क्षेत्रीय समितियों का चुनाव संपन्न कराएंगे। मजदूर का पसीना बहेगा खदानों में, तो उसका अधिकार गूंजेगा आसमानों में। न रुकेंगे, न झुकेंगे-मजदूरों का हक लेकर रहेंगे।

बैठक में जोनल उपाध्यक्ष रतिलाल टुडू, जोनल कोषाध्यक्ष प्रभाष सिंह, जोनल संगठन सचिव सपन बनर्जी, गोपीन टुडू, जोनल सदस्य हराधन मोदक, कन्हाई लाल सिंह, अजय रवानी, किशोर मुर्मू, महादेव हांसदा, अमरजीत पासवान, जीतन बाउरी, विकास भंडारी, विजय सिंह, अभिषेक कुमार, प्रशांत बाउरी, कृष्णा सिंह, रौनक सिन्हा आदि उपस्थित थे।

त्रैमासिक टेक्निकल बुलेटिन का विमोचन

बोकारो (ससे): बोकारो स्टील प्लांट के संकार्य प्रभाग के अंतर्गत टेक्निकल सेल विभाग द्वारा संकलित त्रैमासिक टेक्निकल बुलेटिन ढहश एपवशरींी के पहले अंक का विमोचन अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त के कर कमलों द्वारा किया गया।

इस त्रैमासिक बुलेटिन में सुरक्षा, पर्यावरण तथा स्वास्थ्य के अलावा प्लांट के अंदर और बाहर चल रही कई परियोजनाओं से संबंधित जानकारियाँ दी गई हैं। इसके अतिरिक्त, इस बुलेटिन में प्लांट के विभिन्न विभागों में एकल स्रोत से खरीदे जा रहे पुर्जों और उपकरणों को प्रतिस्पर्धात्मक निविदा के माध्यम से खरीदने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को भी दर्शाया गया है।

इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (टेक्निकल सेल) श्री अजय कुमार के अलावा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा), मुख्य महाप्रबंधक (मैकेनिकल), मुख्य महाप्रबंधक (कोल्ड रोलिंग मिल्स), मुख्य महाप्रबंधक (रिफ्रैक्टरी), मुख्य महाप्रबंधक (इंस्ट्रूमेंटेशन) तथा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनूप कुमार दत्त ने बुलेटिन के प्रथम अंक के सफल प्रकाशन के लिए पूरे टेक्निकल सेल को बधाई दी तथा भविष्य में प्रकाशित होने वाले अंकों को और अधिक बेहतर एवं उपयोगी बनाने की सलाह दी।

जीएम की अध्यक्षता में वेलफेयर कमिटी की बैठक

पुटकी (ससे) : पश्चिम झरिया क्षेत्र वेलफेयर कमिटी की बैठक महाप्रबंधक अरिंदम मुस्तफी की अध्यक्षता में हुआ। बैठक में क्षेत्रीय मुख्य कार्मिक प्रबंधक वर्षा कुमारी, निरंकार दूबे, क्षेत्रीय सिविल इंजीनियर गुंजन कुमार, एरिया मैनेजर ई एंड एम प्रभात रंजन झा यूनियन प्रतिनिधि कोयला इस्पात मजदूर पंचायत के एस एस डे, अमर सिंह, बिहार कोलियरी कामगार यूनियन सीटू के पी एन तिवारी, सुखलाल महतो,दी झारखंड कोलियरी मजदूर यूनियन के विनोद कुमार सिंहा, जनता मजदूर संघ के सुधीर कुमार सिंह, जी पी सिंह, युनाइटेड कोल वर्क्स युनियन के संजीवन कुमार उपस्थित थे। बैठक में बिजली, पानी की व्यवस्था दूरूस्त कराने, कालोनी की सफाई, भाटडीह, मुरूडीह फिल्टर प्लांट के चोभा की सफाई, पुराने पाईप लाईन को बदलने, जर्जर ओवर हेड लाइन को ठीक करने, कालोनी में स्ट्रीट लाइट की समुचित व्यवस्था आवास की मरम्मत आदि पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। वार्ता सौहार्द्र पूर्ण वातावरण संपन्न हुआ।

एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी में धरना जारी

पुटकी (ससे) : गोपालीचक कोलियरी अंतर्गत १७ नंबर में संचालित एसटीजी आउटसोर्सिंग कंपनी के खिलाफ ११ सूत्री मांगों को लेकर जनता श्रमिक संघ पीबी क्षेत्र के बैनर तले गुरुवार से चल रहा अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन भी मांगे पूरी नहीं होने पर जारी रहा।

धरना के कारण कोयला उत्खनन व परिवहन का कार्य प्रभावित बना हुआ है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि मांगों को लेकर पूर्व में कई बार प्रबंधन को आवेदन देकर वार्ता का आग्रह किया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई।

इसी के विरोध में मजदूरों ने अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि जब तक मांगों पर सकारात्मक पहल नहीं होती, आंदोलन जारी रहेगा। धरना-प्रदर्शन में धर्मेंद्र पासवान, मुकेश पासवान, रुपेश पासवान, विशाल वर्णवाल, मनोज राम, नीतू रजवार, अजय रवानी, पंकज सिंह, गीता देवी, मनिया देवी, लक्ष्मिया देवी आदि उपस्थित थे।

डॉ. आशा लकड़ा का बोकारो आगमन

बोकारो (ससे): जिला भ्रमण के क्रम में राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग, भारत सरकार की सदस्य डॉ. आशा लकड़ा शुक्रवार को बोकारो पहुंचीं। इस अवसर पर बोकारो परिसदन में उपायुक्त अजय नाथ झा एवं उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने उन्हें पौधा भेंट कर स्वागत किया। इसके उपरांत *माननीय सदस्य डॉ. आशा लकड़ा ने बोकारो परिसदन स्थित सभागार में संबंधित विभागों के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर सुकुरमनी देवी एवं अन्य से संबंधित मामले की सुनवाई की। उन्होंने मामले से जुड़े विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित अधिकारियों से विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। सदस्य ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि प्रकरण से जुड़े तथ्यों की गंभीरता से जांच करते हुए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रभावित पक्ष को न्याय मिल सके।

इस अवसर पर उपायुक्त, उप विकास आयुक्त के साथ अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी शालिनी खालखो सहित राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के निदेशक वाई. पी. यादव, निदेशक पी. के. दास, सहायक निदेशक राहुल यादव, विधि सलाहकार सोनल राज, वरिष्ठ अन्वेषक शुभाशीष रसिक सोरेन, परामर्शी प्रेम कुमार मुंडा तथा परामर्शी कुशेश्वर साहू सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हरेंद्र चौहान को अंगवस्त्र देकर किया गया सम्मानित

झरिया (ससे) : बनियाहीर आवासीय कार्यालय में झारखण्ड मानव कल्याण सोसाईटी के अध्यक्ष रामाशीष चौहान के नेतृत्व में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा बाघमारा प्रखण्ड अध्यक्ष सह धनबाद जिला वरीय उपाध्यक्ष हारेन्द्र चौहान को वस्त्र और प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया। श्री चौहान ने कहा धनबाद नगर निगम के चुनाव मे अपने अनुज अरूण चौहान को वार्ड संख्या ७ से २३९८ मतों से विजय दिलाने में अहम भूमिका निभाया है। अब अपने अनुज को धनबाद नगर निगम के उप मेयर में जीत दिलाने के लिये, धनबाद के नव निर्वाचित मेयर संजीव सिंह पूर्व विधायक से अपना २८ वार्ड पार्षद के साथ सम्पर्क में है। आने वाला १८ तारीख को अपना बहुमत सिद्ध करेंगे और अरूण कुमार चौहान को धनबाद के उप मेयर का पद दिला कर एक नया इतिहास बनायेंगे। सम्मान समारोह में अजय कुमार सिन्हा, क्षत्रपाल चौहान, संजय चौहान, संतोष चौहान, राज कुमार चौहान आदि उपस्थित थे।

जनता दरबार पहुंचे लोगों के मामलों पर उपायुक्त ने की सुनवाई

बोकारो (ससे): समाहरणालय स्थित सभागार में शुक्रवार को आयोजित हम आपको सुनते हैं कार्यक्रम (जनता दरबार) में उपायुक्त अजय नाथ झा ने आम जनता से जुड़ी समस्याओं पर क्रमवार सुनवाई की। इस दौरान जिले के शहरी तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे ३५ से ज्यादा लोगों की क्रमवार समस्याओं/शिकायतों पर सुनवाई* किया। साथ ही संबंधित विभागों के पदाधिकारियों को प्राप्त आवेदनों को अग्रसारित करते हुए अविलंब जांच कर समाधान करने का निर्देश दिया।

बेस लाइन सर्वे के लिए संबंधित विभाग ससमय उपलब्ध कराएं डाटा : उपायुक्त

बोकारो (ससे): राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (एनआईयूए) एवं नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा (एनएमसीजी) के सहयोग से गंगा रिवर बेसिन के अंतर्गत आने वाले देश के ६० शहरों के लिए अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान (यूआरएमपी) तैयार किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत चास शहर को भी शामिल किया गया है। इसी क्रम में शुक्रवार को चास शहर के लिए यूआरएमपीएस तैयार करने को लेकर समाहरणालय में मल्टी स्टेकहोल्डर वर्किंग ग्रुप की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त अजय नाथ झा ने की।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिया कि अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान तैयार करने के लिए किए जा रहे बेस लाइन सर्वे के तहत मांगी गई सूचनाएं और आवश्यक डाटा निर्धारित समय सीमा के भीतर एजेंसी को उपलब्ध कराएं। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों से प्राप्त आंकड़े इस योजना के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए समय पर जानकारी उपलब्ध कराएं, ताकि योजना निर्माण की प्रक्रिया में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं हो।

बैठक में नदी प्रबंधन से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। इसमें फ्लड प्लान, डेवलपमेंट प्लान/मास्टर प्लान, वर्तमान स्थिति (करेंट सिनेरियो), रिवर जोन की पहचान, लिक्विड एवं सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सीवरेज प्लान, तथा जन-जागरूकता कार्यक्रमों जैसे प्रमुख बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया।

साथ ही गरगा नदी एवं अन्य जल स्रोतों की वर्तमान स्थिति का आकलन करते हुए उन कारणों और सामग्रियों को चिन्हित करने पर जोर दिया गया, जो इन जल स्रोतों को प्रदूषित या प्रभावित कर रहे हैं। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि इन कारणों की पहचान कर उनके प्रभावी समाधान की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि नदियां और जल स्रोत हमारे पर्यावरण एवं जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनके संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रशासन के साथ-साथ आम जनता की सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि हमें अपने आसपास के नदियों और जल स्रोतों को अपने बेटे-बेटियों की तरह सम्मान देना चाहिए तथा उनकी स्वच्छता और संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए कार्य करना चाहिए।

बैठक में अपर नगर आयुक्त (एएमसी) चास संजीव कुमार, वन पदाधिकारी संदीप शिंदे, नमामि गंगे के नोडल पदाधिकारी शक्ति कुमार, कार्यपालक अभियंता विशेष प्रमंडल राजू मरांडी, अंचलाधिकारी चास राम सेवा राम, जिला खेल पदाधिकारी हेमलता बून, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता राम प्रवेश राम, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह, दामोदर बचाव समिति के सदस्यगण सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी एवं प्रतिनिधि उपस्थित थे।

डीपीएस बोकारो को मिली प्रतिष्ठित 7-स्टार रेटिंग, बना देश का अग्रणी एसडीजी स्कूल

बोकारो (ससे): शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता के लिए प्रसिद्ध दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), बोकारो ने एक बार फिर राष्ट्रीय पटल पर अपनी सफलता का परचम लहराया है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और नवाचारी प्रयोगों के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण की दिशा में विद्यालय के निरंतर प्रयासों को भारत सरकार की मुहर मिली है।

नीति आयोग और एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार से संबद्ध सेंटर फॉर एजुकेशनल डेवलपमेंट (सीईडी) फाउंडेशन ने डीपीएस बोकारो को ७-स्टार रेटिंग से सम्मानित किया है। यह प्रतिष्ठित मान्यता विद्यालय को स्कूल स्तर पर सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) यानी संधारणीय विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए प्रदान की गई है। बता दें कि डीपीएस बोकारो ने न केवल किताबी ज्ञान, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, ऊर्जा दक्षता और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति विद्यार्थियों में विशेष संचेतना जागृत करने की दिशा में एक मानक स्थापित किया है। यही कारण है कि ७-स्टार रेटिंग के साथ-साथ विद्यालय को सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में देशभर में एक पायनियर (अग्रणी) के रूप में मान्यता मिली है।

उल्लेखनीय है कि संधारणीय विकास और पर्यावरण-मैत्री प्रयासों के लिए विद्यालय को गत वर्ष भी सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स (एसडीजी) स्कूल अवार्ड से नवाजा जा चुका है। हाल ही में विद्यालय की सफलता में एक और मील का पत्थर तब जुड़ा, जब इस दिशा में प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार के कुशल मार्गदर्शन और दूरदर्शी नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर सराहा गया।

उन्हें भारत सरकार के एमएसएमई मंत्रालय से संबद्ध नेशनल एजुकेशन ट्रस्ट ऑफ इंडिया (एनईआई) की ओर से बेस्ट प्रिंसिपल अवार्ड प्रदान किया गया। यह पुरस्कार उन्हें पर्यावरणीय प्रबंधन, नवाचारी पद्धतियों और छात्रों में पर्यावरणीय चेतना विकसित करने के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए मिला।

शुक्रवार को विद्यालय के वरीय उप प्राचार्य अंजनी भूषण एवं उपप्राचार्या शालिनी शर्मा ने सांकेतिक रूप से यह गरिमामयी सम्मान प्राचार्य डॉ. गंगवार को सुपुर्द किया। इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए प्राचार्य ने कहा कि यह ७- स्टार रेटिंग केवल एक प्रमाण पत्र नहीं, बल्कि हमारे विद्यालय परिवार की सामूहिक मेहनत, दृष्टि और प्रकृति के प्रति हमारी जिम्मेदारी का जीवंत प्रतिबिंब है। उन्होंने इसका श्रेय स्कूल के विद्यार्थियों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ-साथ समस्त विद्यालय परिवार को देते हुए आगे भी संधारणीय विकास की दिशा में प्रयास जारी रखने का आह्वान किया। कहा कि भविष्य में भी विद्यालय प्राकृतिक संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और हरित भारत के निर्माण की दिशा में सतत प्रयासरत रहेगा।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

नगर निगम का दुकानों पर छापा कागजात न मिलने पर वसूला जुर्माना

धनबाद (कासं) : धनबाद में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा को लेकर नगर निगम अब पूरी तरह सख्त नजर आ रहा है। शहर के पाथरडीह लोको बाजार में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब नगर निगम के अधिकारियों की टीम अचानक होटलों, मटनचिकन की दुकानों और मिठाई ठेलों पर जांच करने पहुंच गई। निगम की इस कार्रवाई से कई दुकानदार अपनी दुकानें बंद कर भागते नजर आए। नगर निगम की फूड इंस्पेक्टर पूनम ज्योति और पशु चिकित्सा पदाधिकारी दीपांजली मरांडी के नेतृत्व में यह छापेमारी की गई। टीम ने पाथरडीह लोको बाजार की गलियों में घूमघूम कर खाने-पीने के सामानों की गुणवत्ता की

बारीकी से जांच की। इस दौरान केवल खाने के सामान ही नहीं, बल्कि दुकानों के कानूनी कागजात जैसे होल्डिंग टैक्स और कमर्शियल लाइसेंस की भी बारीबारी से जांच की गई।

जांच के दौरान जिन दुकानों के कागजात सही नहीं पाए गए, उन पर तुरंत कार्रवाई करते हुए १५ सौ का जुर्माना वसूला गया। वहीं, एक मुर्गा फार्म संचालक टीम को देखते ही दुकान खुली छोड़कर भाग खड़ा हुआ, जिसके खिलाफ अब निगम द्वारा नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

निगम अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त हिदायत दी है कि किसी भी हाल में खाने-पीने की चीजों को खुला न रखें। खासकर मटन और चिकन की दुकानों को साफसफाई का विशेष ध्यान रखने को कहा गया है ताकि किसी भी तरह के संक्रमण या वायरस का खतरा न रहे। अधिकारियों ने साफ कहा कि इस बार कई दुकानदारों को चेतावनी देकर छोड़ा जा रहा है, लेकिन अगली बार गड़बड़ी मिलने पर सीधे लाइसेंस रद्द कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

फूड इंस्पेक्टर पूनम ज्योति ने कहा कि हमने लोको बाजार में मटन, चिकन और मिठाई दुकानों की जांच की है। मुख्य उद्देश्य साफसफाई और लाइसेंस की जांच करना है। खुले में मांस बेचना प्रतिबंधित है। जिन लोगों के पास कागजात नहीं हैं, उन्हें चेतावनी दी गई है और जुर्माना भी वसूला गया है।

बरवाअड्डा में दो कोयला लदा ट्रक पलटा, मची अफरातफरी

धनबाद (कासं) : अहले सुबह कोयला कारोबारियों के लिए भारी रही। बरवाअड्डा थाना

क्षेत्र में महज कुछ घंटों के भीतर कोयले से लदे दो ट्रक दुर्घटनाग्रस्त हो गए। इन हादसों ने हाईवे की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं।

पहली बड़ी घटना कल्याणपुर नेशनल हाईवे पर हुई, जहाँ जेएच१० सी पी-४२८२ नंबर का कोयला लदा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक पलटते ही सड़क पर कोयले का अंबार लग गया। स्थानीय चर्चाओं के अनुसार, यह कोयला बिक्की लाला नामक कारोबारी का बताया जा रहा है। हैरान करने वाली बात यह रही कि मीडिया को देखते ही मौके पर मौजूद लोगों ने ट्रक की नंबर प्लेट छुपाने की पूरी कोशिश की, ताकि पहचान छिपाई जा सके।

वहीं, दूसरी दुर्घटना उदयपुर के जोड़ापीपर के पास हुई। यहाँ आमाघाटा से कोयला लोड कर किसी हार्ड कोक भट्ठा जा रहा जेएच १० एबी३५८७ नंबर का ट्रक सड़क किनारे १० फीट गहरी खाई में जा गिरा। घटना के बाद पुलिस ने क्रेन बुलाकर ट्रक को हटाने का काम शुरू किया ताकि यातायात सुचारू हो सके।

पुलिस अब इन ट्रकों के असली मालिकों और कोयले के कागजों की पड़ताल कर रही है। इन दोनों सड़क हादसों में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

शिक्षकों को छात्रों के प्रति मित्र की भूमिका निभानी होगी : प्रशिक्षक

गोविंदपुर (ससे) : डायट गोविंदपुर में आयोजित उन्मुखीकरण कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रशिक्षकों ने कहा कि १० वर्ष और उससे अधिक उम्र के विद्यार्थियों में होने वाले शारीरिक और मानसिक परिवर्तन के दौरान शिक्षकों को मित्र की भूमिका अदा करनी होगी। उन्हें सही मार्गदर्शन करना होगा। इस दौरान उम्र में विद्यार्थी भटक जाते हैं। इससे उन्हें रोकना होगा।

आयोजित इस उन्मुखीकरण कार्यशाला में जिले के सभी बीईईओ, बीपीओ, बीआरपी, सीआरपी आदि ने भाग लिया। इस दौरान सभी को विद्यालय में चल रही गतिविधियों पर निगरानी रखने, रेल प्रोजेक्ट, जे गुरुजी एप, नई शिक्षा नीति आदि का विद्यालयों में शतप्रतिशत कार्यान्वयन का निर्देश दिया गया। कहा गया कि यदि विद्यालयों के शिक्षक इसमें कोताही करते हैं तो उन पर कार्रवाई की जाएगी। डायट प्राचार्य जगन्नाथ लोहरा के मार्गदर्शन में प्रभारी प्राचार्य ओमप्रकाश समेत सभी संकाय सदस्य, रिसोर्स पर्सन जितेंद्र सिंह, प्रोजेक्ट संपूर्णा की कुमारी अंशु माला, पंकज कुमार सिंह, सबीना वैद्य, दिलीप कुमार आदि शामिल थे।

सरलता से संपन्न होगी लोन डिसबर्समेंट की प्रक्रिया : डीसी

धनबाद (कासं) : ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में नए व्यवसाय स्थापित करके स्वरोजगार के अवसर पैदा करने, असंगठित सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों को वित्तीय, तकनीकी तथा व्यावसायिक सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम उन्नयन योजना (पीएमएफएमई), मुद्रा लोन सहित अन्य माइक्रो लोन के सरलता से डिसबर्समेंट के लिए स्मार्ट लोन समाधान का प्रयोग किया जाएगा।

इसको लेकर उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन ने नगर आयुक्त, अनुमंडल दंडाधिकारी, जिला उद्योग केंद्र, अग्रणी जिला प्रबंधक, विभिन्न बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक तथा स्मार्ट लोन समाधान के प्रतिनिधि के साथ बैठक कर पूरी योजना का विस्तार पूर्वक अध्ययन किया।

उपायुक्त ने कहा कि इसके शुरू होने से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से लोन के लिए आवेदनों की प्राप्ति, सक्रूटनी, स्वीकृति एवं डिसबर्समेंट की प्रक्रिया कम समय में सरलता से संपन्न होगी। जिससे अधिक से अधिक लोग लाभान्वित होंगे। एआई द्वारा प्रथम चरण की स्क्रुटनी के बाद आवेदन के अस्वीकृत होने की संभावना कम होगी। बैंक अधिकारियों के लिए भी समय की बचत होगी। वहीं स्मार्ट लोन समाधान के प्रतिनिधि ने बताया कि आवेदक को फॉर्म भरने से पहले आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस खुद आवेदक से बात करेगा। एआई द्वारा डोक्युमेंट मांगे जाएंगे। एआई उसका सत्यापन करेगा। आवेदक के सिबिल स्कोर की जांच करेगा। पूर्व में ली गई लोन की जानकारी लेगा। यदि आवेदक पत्नी के नाम से लोन लेगा तो उनके पति के डोक्युमेंट मांगेगा। आवेदक के कोटेशन की जांच करेगा। फेस वेरिफिकेशन करेगा। व्यवसायिक स्थल का लाइव जियो टैग वीडियो बनाएगा।

बताया कि एआई द्वारा प्रथम चरण की स्क्रुटनी पूरी करने तथा सभी ७४ फिल्ड में डाटा भरने के बाद सारे फॉर्म प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक (बीपीएम) को भेजे जाएंगे। बीपीएम से फॉर्म क्लस्टर में जाएगा। तत्पश्चात सभी औपचारिकताएं सही पाए जाने पर बैंक जाएगा। बैंक जाने से पहले ही योग्य आवेदन स्वीकृत या अयोग्य आवेदन अस्वीकृत हो जाएंगे। इसके अलावा सॉफ्टवेयर के माध्यम से पुराने आवेदनों का डिजिटाइजेशन, एआई वीडियो केवाईसी, जन समस्या समाधान के अलावा अन्य सेवा प्रदान की जाएगी। बैठक में उपायुक्त आदित्य रंजन, नगर आयुक्त आशीष गंगवार, अनुमंडल दंडाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक राजेन्द्र प्रसाद, एलडीएम अमित कुमार, बैंक ऑफ़ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया सहित अन्य बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक मौजूद थे।

तिलाटांड़ अस्पताल की मरम्मत व सुविधाएं बढ़ाई जाएं : विवेक हजारी

धनबाद (कासं) : कतरास स्थित तिलाटांड़ बीसीसीएल अस्पताल की जर्जर स्थिति को लेकर विधायक प्रतिनिधि विवेक कुमार हजारी ने बीसीसीएल के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मनोज कुमार अग्रवाल को पत्र लिखकर अस्पताल की मरम्मत एवं चिकित्सा सुविधाओं में सुधार की मांग की है। पत्र में कहा गया है कि अस्पताल भवन की स्थिति काफी खराब हो चुकी है, जिससे बीसीसीएल कर्मियों, उनके परिवारों और क्षेत्र के आम नागरिकों को इलाज कराने में भारी परेशानी हो रही है। अस्पताल में कई आवश्यक विभागों में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी है तथा जरूरी चिकित्सा उपकरण भी उपलब्ध नहीं है। इसके कारण मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पाता और कई बार उन्हें अन्य अस्पतालों में रेफर करना पड़ता है। विवेक कुमार हजारी ने मांग की है कि अस्पताल भवन की शीघ्र मरम्मत एवं नवीनीकरण कराया जाए तथा जनरल मेडिसिन, सर्जरी, स्त्री रोग, बाल रोग, नेत्र और दंत विभागों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति की जाए। साथ ही एक्सरे, अल्ट्रासाउंड, ईसीजी, पैथोलॉजी लैब, डिजिटल ब्लड रिपोर्टिंग और एम्बुलेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएं। इसके अलावा अस्पताल में दवाओं की पर्याप्त आपूर्ति, स्वच्छ पेयजल, शौचालय और साफसफाई की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की भी मांग की गई है। उन्होंने अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि ३० दिनों के भीतर अस्पताल की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो क्षेत्रवासियों के साथ मिलकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होना पड़ेगा।

बैंक अकाउंट से अपराधियों ने 42.5 हजार उड़ाएं

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद थाना क्षेत्र के कनकनी चौहान पट्टी निवासी रामप्रवेश चौहान के बैंक अकाउंट से अपराधियों ने ४२.५ हजार उड़ा लिए। श्री चौहान को जब इस बात का पता चला तो वो शुक्रवार को लोयाबाद पहुंचे और घटना की शिकायत पुलिस से की। उन्होंने बताया कि ८ मार्च को वो धनबाद से आसनसोल अपने काम में जा रहे थे इसी क्रम में ट्रेन में पॉकेटमारों ने उनका मोबाइल टपा लिया। जिसके बाद ९ मार्च को उनके मोबाइल का उपयोग कर उनके बैंक अकाउंट से आठ बार में ४० हजार पांच सौ रूपए किसी दूसरे अकाउंट में ट्रांसफर कर लिए।

मोबाइल में अकाउंट डिटेल्स, आधार सहित बाकी डिटेल्स भी थे। जिसके जरिए अपराधियों ने पैसे ट्रांसफर किए। उनके पास मोबाइल नहीं होने के कारण पैसे निकाले जाने की भनक उनको नहीं लगी। उसके बाद जब उन्होंने अपने एटीएम कार्ड का प्रयोग किया तब उन्हें पैसे उड़ा लिए जाने का पता चला। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के लिए मुख्यमंत्री को पत्र भेजा

पुटकी (ससे) : झामुमो के धनबाद प्रखंड पूर्व उपाध्यक्ष राजकुमार नापित ने राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को डाक द्वारा पत्र प्रेषित कर डब्लू जे एरिया में आउटसोर्सिंग कंपनी के तौर पर इंदु कंपनी के द्वारा कोयला उत्खनन में ७५ स्थानीय युवाओं को रोजगार देने की मांग की गई थी। कंपनी उक्त नियमों का पालन नहीं कर रही है। इस संबंध में आवश्यक कार्रवाई की जाने की मांग करते हुए पुनः पत्र प्रेषित कर कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

सीओ ने वृद्ध को सौंपा पेंशन प्रमाण पत्र

पुटकी (ससे) : बाघमारा सीओ गिरजा नंद किस्कु के द्वारा मानवता का परिचय देते हुए, महीनों से कार्यलय का चक्कर लगाते हुए और दलाल के चुंगल में फंसे गुहीबांध, कतरास निवासी ७८ वर्षीय सहदेव चौधरी पिता स्व. रघुवीर चौधरी को ससम्मान अपने कार्यलय में बैठाकर हाथों हाथ वृद्धा पेंशन का फार्म भरवा कर, प्रमाण पत्र प्रदान किये। उन्होंने सभी से अपील किये कि दलालों के चक्कर में नहीं पड़े। मुझसे संपर्क करें। कोई परेशान करें तो तुरंत सूचना दें। सहदेव चौधरी ने सीओ का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं आज अपने पत्नी के साथ अंचल कार्यलय आखिरी उम्मीद लेकर आया था। बहुत मुश्किल से जीवन यापन हो पाता है, वृद्धा पेंशन मिलने से काफी मदद मिलेगा।

ग्रामीणों ने 3 संदिग्ध युवकों को किया पुलिस के हवाले

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर थाना अंतर्गत धर्मशाला के निकट गांव भीतर में तड़के ग्रामीणों ने तीन युवकों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ लिया और गोविंदपुर थाना के हवाले कर दिया। इस संबंध में रज्ज़ाक अंसारी ने गोविंदपुर थाना को दिए गए आवेदन में कहा है कि राजा मंसूरी, मेराज अंसारी उर्फ नेपला और गुड्डू अंसारी उर्फ चीमा चोरी करने की नीयत से घर में ताकझांक कर रहे थे और मुहल्ला में चक्कर काट रहे थे। ग्रामीणों ने हो हल्ला किया तो सभी भागने लगे। इस दौरान ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और तीनों को पकड़ लिया। सूचना देने पर गोविंदपुर पुलिस पहुंची और सभी को थाना ले गई। पुलिस ने बताया कि चोरी की कोई सामग्री बरामद नहीं हुई है और इसमें आपसी रंजिश दिख रही है। थाना के एएसआई कामेश्वर महतो को जांच की जिम्मेदारी दी गई है। जांच रिपोर्ट के बाद ही तीनों के खिलाफ कार्रवाई होगी। तब तक तीनों को सेल्फ बाउंड पर छोड़ गया है और गांव छोड़कर कहीं नहीं जाने का निर्देश दिया गया है।

आईएसएम में कैटेलिसिस इन सिंथेसिस राष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

धनबाद (कासं) : आईएसएम के गोल्डन जुबिली लेक्चर थियेटर में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन कैंटेलिसिस इन सिंथेसिस की शुरुआत हुई। इस सम्मेलन में देश भर से आए प्रमुख रसायन वैज्ञानिक, शोधकर्ता और छात्र भाग ले रहे हैं, जो कैटेलिसिस और सिंथेटिक केमिस्ट्री के क्षेत्र में हाल के शोध और नए आयामों पर चर्चा कर रहे हैं। यह सम्मेलन संस्थान के शताब्दी वर्ष समारोह के तहत केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी विभाग द्वारा आयोजित किया जा रहा है, जिसका उद्देश्य रसायन विज्ञान के आधुनिक क्षेत्रों में शोध और अकादमिक सहयोग को बढ़ावा देना है। सम्मेलन की शुरुआत कन्वीनर प्रो. सौमित्र माइती के स्वागत भाषण से हुई। उन्होंने आधुनिक रासायनिक संश्लेषण में कैटेलिसिस की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि फार्मास्यूटिकल्स, मटेरियल साइंस और सतत तकनीकों के विकास में इसका महत्व लगातार बढ़ रहा है।

मुख्य अतिथि के रूप में पद्मश्री प्रो. विनोद के. सिंह, चेयर प्रोफेसर, कानपुर ने उद्घाटन व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि आधुनिक रासायनिक शोध में कैंटेलिसिस की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है और भविष्य में नवाचारपूर्ण तथा टिकाऊ सिंथेटिक विधियों के विकास के लिए अंतर्विषयक सहयोग जरूरी होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के उपनिदेशक प्रो. धीरज कुमार ने की। उन्होंने कहा कि इस तरह के राष्ट्रीय सम्मेलन अनुभवी वैज्ञानिकों और युवा शोधकर्ताओं के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करते हैं। मंच पर प्रो. केका ओझा, डीन (कंटीन्यूइंग एजुकेशन प्रोग्राम) और प्रो. एस. के. पाधी, अध्यक्ष, केमिस्ट्री एंड केमिकल बायोलॉजी विभाग भी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि को सम्मानित किया गया और सम्मेलन की कार्यवाही का औपचारिक शुभारंभ किया गया। सहसंयोजक प्रो. सुनील पुलेटिकुर्ति ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

आयोजकों के अनुसार सम्मेलन का उद्देश्य वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों को एक साझा मंच प्रदान करना है, जहां वे कैंटेलिटिक रिएक्शंस, सिंथेटिक मेथडोलॉजी और सतत रासायनिक प्रक्रियाओं से जुड़े नए रुझानों पर विचारविमर्श कर सकें।

उद्घाटन सत्र के बाद सम्मेलन में विभिन्न वैज्ञानिक सत्र आयोजित किए गए, जिनमें देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के विशेषज्ञों ने कीनोट और आमंत्रित व्याख्यान दिए। दो दिवसीय सम्मेलन में युवा शोधकर्ताओं के पोस्टर प्रस्तुतिकरण और संवाद सत्र भी आयोजित किए जाएंगे, जिससे कैंटेलिटिक केमिस्ट्री के तेजी से विकसित हो रहे क्षेत्र में सहयोग और शोध को बढ़ावा मिल सके।

ग्रामीणों को जल्द मिलेगा पानी की समस्या से निजात

बलियापुर (ससे) : बलियापुर प्रखंड के परसबनिया पंचायत के विभिन्न टोला के ग्रामीणों को जल्द ही जलसंकट से निजात मिलेगा। पंचायत में डीप बोरिंग और सोलर पानी टंकी स्थापित कर पानी की समस्या को दूर करने की दिशा में कदम बढ़ाया गया है।

सिंदरी के विधायक चंद्रदेव महतो ने नल जल योजना के तहत डीएमएफटी मद से डीप बोरिंग एवं सोलर पानी टंकी स्थापित करने की अनुशंसा की है। इस संबंध में विधायक ने डीसी को अनुशंसा पत्र प्रेषित किया है। पत्र में कहा है कि परसबनिया पंचायत के छाताबाद मौजा स्थित ऊपर टोला, नीचे टोला, प्रमाणिक टोला, मंडल टोला, मार्शलिंग यार्ड, चिटाही स्थित ऊपर टोला, चीटाही नीचे टोला, सिंह टोला एवं बालीचिरका आदिवासी गांव में अभी तक नल जल योजना का लाभ लोगों को नहीं मिला है। जिसके चलते गर्मी के दिनों में इन गांव में जल संकट भयावह रूप ले लेता है। ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ता है। विधायक ने पत्र में यह भी कहा है कि पंचायत के मुखिया राजाराम रजक की मौजूदगी में बीते दिसंबर महीना में गांव के शिव मंदिर प्रांगण में इस संबंध में बैठक आयोजित कर जल संकट के निदान के लिए प्रस्ताव भी पारित किया जा चुका है।

रेल लाईन से शव बरामद

सिंदरी (ससे) : सिंदरी थाना क्षेत्र में एक दुखद घटना सामने आई। लगभग एक महीने से लापता मनोहरटांड़, सिंदरी कॉलेज के पास निवासी परमेश्वर टुडू (लगभग ४० वर्ष) का शव सिंदरी रेल लाइन ट्रैक के एल११३ पोल के पास क्षतविक्षत अवस्था में बरामद किया गया। मृतक के छोटे भाई रवि टुडू ने बताया कि परमेश्वर पिछले एक महीने से घर से लापता थे और मानसिक रूप से कुछ अस्वस्थ चल रहे थे। परिवार के लोग लगातार उनकी तलाश कर रहे थे, लेकिन शव मिलने की खबर से परिवार की उम्मीदें टूट गई। घटना की सूचना मिलते ही सिंदरी थाना से सहायक अवर निरीक्षक हेमाराम और पुलिसकर्मी ऐसी हेंब्रम दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर परिजनों का बयान दर्ज किया। परिजनों के आग्रह पर पोस्टमार्टम नहीं कराया गया और मौके पर ही पंचनामा की प्रक्रिया पूरी कर शव अंतिम संस्कार के लिए परिवार को सौंप दिया गया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। स्थानीय लोगों ने पीड़ित परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है।

बीसीसीएल की नवगठित महिला कल्याण समिति की बैठक आयोजित

धनबाद (कासं) : कोयला भवन मुख्यालय में बीसीसीएल की नवगठित महिला कल्याण समिति की प्रथम बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने की। इस अवसर पर सीएमएस डॉ. पूनम दुबे, महाप्रबंधक (एचआरडी) अनूप कुमार रॉय, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) कुमार मनोज, महाप्रबंधक (सीएसआर/एमपी एवं आईआर) सुरेन्द्र भूषण, विभागाध्यक्ष (कल्याण) श्रीमती किरण रानी नायक सहित नवगठित महिला कल्याण समिति की सभी सदस्याएं उपस्थित रहीं।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों एवं नवगठित महिला कल्याण समिति की सदस्यों के स्वागत के साथ हुई। कमिटी की चेयरमैन डॉ. पूनम दुबे ने उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों तथा महिला समिति की कार्यकारिणी सदस्यों का शॉल एवं पौधा भेंट कर स्वागत किया। स्वागत संबोधन देते हुए विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक ने महिला समिति के गठन की आवश्यकता, उसकी भूमिका तथा महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल द्वारा गठित यह समिति पूरे कोल इंडिया में अपनी तरह की प्रथम पहल है, जो संस्था के लिए गर्व का विषय है।

अपने संबोधन में निदेशक (मानव संसाधन) मुरली कृष्ण रमैया ने कहा कि किसी भी संगठन की प्रगति में महिला कर्मचारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है तथा कार्यस्थल पर सुरक्षित, सम्मानजनक एवं सहयोगात्मक वातावरण सुनिश्चित करना संस्था की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि बीसीसीएल द्वारा महिला कल्याण समिति का गठन कोल इंडिया में सर्वप्रथम तथा अपनी तरह की एक महत्वपूर्ण पहल है, जो महिला कर्मचारियों के कल्याण एवं सशक्तिकरण के प्रति संस्था की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह समिति महिला कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों पर सकारात्मक पहल करते हुए संगठन में समावेशी एवं संवेदनशील कार्य संस्कृति को और सुदृढ़ करेगी।

कमिटी की चेयरमैन डॉ. पूनम दुबे ने कहा कि महिला कल्याण समिति का गठन बीसीसीएल में कार्यरत महिला कर्मचारियों के हितों, सुरक्षा एवं कल्याण से जुड़े विषयों पर समन्वित रूप से कार्य करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की समिति का गठन किया जाना एक सराहनीय पहल है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समिति महिला कर्मचारियों को अपनी बात रखने का एक सशक्त मंच प्रदान करेगी तथा जागरूकता एवं कल्याणकारी गतिविधियों के माध्यम से उनके आत्मविश्वास, सहभागिता और नेतृत्व क्षमता को प्रोत्साहित करेगी।

विदित हो कि कोल इंडिया के दिशानिर्देशों के आलोक में गठित इस समिति में मुख्यालय स्तर पर ६ महिला अधिकारियों के साथ विभिन्न श्रमिक संगठनों से जुड़ी ६ महिला कर्मी शामिल हैं।

महिला कल्याण समिति के सदस्यों में डॉ. पूनम दुबे सीएमएस बीसीसीएल, किरण रानी नायक विभागाध्यक्ष (कल्याण), डॉ. मंजरी सिंह, उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएचडी), गार्गी मुखोपाध्याय, वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन), मधुस्मिता लकड़ा, विभागाध्यक्ष (कर्मचारी स्थापना), योगिता सकलानी वरीय प्रबंधक (मानव संसाधन), निधि सिन्हा उप-प्रबंधक (असैनिक), कंपनी में कार्यरत विभिन्न श्रमिक संगठनों की प्रतिनिधि सदस्यों में सरोज गौतम (जनता मजदूर संघ), मंजू देवी (बिहार कोल माइनर्स यूनियन), रानी गोस्वामी (धनबाद कोलियरी कर्मचारी संघ), अंजू देवी (कोयला इस्पात मजदूर पंचायत), प्रीति भारती (बिहार कोलियरी कामगार यूनियन), जूली देवी (यूसीडब्ल्यूयू) है।

बैठक के दौरान समिति की कार्यप्रणाली, भावी गतिविधियों तथा महिला कर्मचारियों के कल्याण से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर प्रारंभिक विचारविमर्श भी किया गया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष (कल्याण) किरण रानी नायक द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

कार्यालय, धनबाद नगर निगम, धनबाद।

टोल फ्री नं0 :–18008904160 ई–मेल : dhanbadmunicipalcorporationadm@gmail.com

पत्रांक –672 दिनांक –12.03.2026

–: दुकान आवंटन निविदा सूचना :–

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि धनबाद नगर निगम क्षेत्रान्तर्गत बैंक मोड़ स्थित नव निर्मित शॉपिंग कॉम्पलेक्स "The DMC Mall" के शेश 34 दुकानों को मासिक किराये के आधार पर आवंटन हेतु विहित प्रपत्र में आवेदन आमंत्रित किया जाता है।

आवेदन / पंजीकरण शुल्क :–

इच्छुक डाक वक्ता दिनांक **28.03.2026** अपराहन् 3:00 बजे तक बंद लिफाफे में आवेदन के साथ मांगे गये दस्तावेज, सुरक्षित जमा राशि और पंजीकरण शुल्क 5000/- (पाँच हजार) रूपया डिमांड ड्राफ्ट **धनबाद नगर निगम** के नाम से बनाकर धनबाद नगर निगम कार्यालय के भू–तल में रखे गये ड्राप बॉक्स में जमा करें। पंजीकरण शुल्क पूर्ण रूप से Non Refundable होगा।

जमानत राशि :–

डाक वक्ता को जमानत राशि **धनबाद नगर निगम** के नाम से बन्दोबस्ती राशि का दस प्रतिशत (10%) भुगतेय डिमांड ड्राफ्ट के रूप में आवेदन के साथ ड्राप बाक्स में जमा करना होगा। असफल डाक वक्ता की जमानत की राशि एकरारनामा के पश्चात् लौटा दी जाएगी।

आवंटन हेतु उपलब्ध दुकानो की विवरणी निम्नवत है:–

Sl. No.	Floor	Shop Number	Shop/Commercial Space Area (Sq. Ft.)	Floor Price (Rent per sq.ft. per Month)	Annual Rent	10 % of One Year Rent (सुरक्षित जमा राशि)
1	Ground Floor	G1	3927	83	3911292	391129
2	Ground Floor	G7	1185	83	1180260	118026
3	Ground Floor	G8	1185	83	1180260	118026
4	Ground Floor	G10	310	83	308760	30876
5	Ground Floor	G11	310	83	308760	30876
6	First Floor	F4	241	75	216900	21690
7	First Floor	F5	234	75	210600	21060
8	First Floor	F13	165	75	148500	14850
9	First Floor	F15	171	75	153900	15390
10	First Floor	F16	171	75	153900	15390
11	First Floor	F17	171	75	153900	15390
12	First Floor	F18	171	75	153900	15390
13	First Floor	F19	310	75	279000	27900
14	First Floor	F20	310	75	279000	27900
15	Second Floor	S1	988	60	711360	71136
16	Second Floor	S3	241	60	173520	17352
17	Second Floor	S4	241	60	173520	17352
18	Second Floor	S5	234	60	168480	16848
19	Second Floor	S12	165	60	118800	11880
20	Second Floor	S13	165	60	118800	11880
21	Second Floor	S14	165	60	118800	11880
22	Second Floor	S15	171	60	123120	12312
23	Second Floor	S16	171	60	123120	12312
24	Second Floor	S17	171	60	123120	12312
25	Second Floor	S18	171	60	123120	12312
26	Second Floor	S25	366	60	263520	26352
27	Second Floor	S26	366	60	263520	26352
28	Second Floor	S29	340	60	244800	24480
29	Second Floor	S30	241	60	173520	17352
30	Third Floor	T1	965	50	579000	57900
31	Third Floor	T2	2249	50	1349400	134940
32	Third Floor	T3	2796	50	1677600	167760
33	Third Floor	T4	2510	50	1506000	150600
34	Third Floor	T5	1250	50	750000	75000

नोटः–

1. खुली नीलामी बंदोबस्ती प्रक्रिया दिनांक **28.03.2026** अपराहन् 3:00 बजे नगर आयुक्त, धनबाद के कार्यालय कक्ष में की जाएगी।
2. आवेदन प्रपत्र तथा नियन एवं शर्तें बेवसाइट www.udhd.jharkhand.gov.in पर एवं कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर प्रदर्शित है।

अपर नगर आयुक्त,
धनबाद नगर निगम।

PR 375029 (Urban Development and Housing) 25-26 (D)

उपायुक्त –सह– जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, जामताड़ा
(सामाजिक सुरक्षा कोषांग)
जिला बाल संरक्षण इकाई

पालन पोषण देखरेख करने हेतु इच्छुक परिवार/व्यक्तियों से संबंधित आवश्यक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जात है कि महिला, बाल विकास एवं सामाजिक सुरक्षा विभाग, झारखण्ड राँची के अन्तर्गत जिले में पालन पोषण (Foster Care) योजना आरम्भ किया गया है जिसमें देखरेख एवं संरक्षण वाले 18 वर्ष तक के बच्चों इस योजना से लाभान्वित करना है। इस योजना के तहत बच्चों को शिक्षा, चिकित्सा, पोषण एवं विकास संबंधी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिये आर्थिक सहायता एवं परिवार विहीन बच्चों को अल्पकाल हेतु परिवार उपलब्ध कराना है। चूँकि बच्चों के सर्वांगिण विकास हेतु परिवार अत्यंत आवश्यक है। परिवार विहीन बच्चों के सम्पूर्ण विकास हेतु झारखण्ड सरकार द्वारा संचालित जिले के विभिन्न बाल गृहों में रहने वाले 18 वर्ष तक के बच्चों को अल्प काल हेतु परिवार से जोड़ने के लिए पालन–पोषण देखरेख योजना से लाभान्वित करना है। इस कार्यक्रम के तहत अनुरोध करने पर बच्चों के पालन–पोषण देखरेख के लिए प्रतिमाह (अधिकतम 03 वर्षों तक) आर्थिक सहायता हेतु अनुदान राशि प्रदान की जायेगी।

अतः जामताड़ा जिले के वैसे इच्छुक दम्पति/परिवार जो बच्चों की प्राथमिकता के साथ अल्प अवधि/दीर्घ अवधि के लिए अपने परिवार में बच्चों को रखकर उनका पालन–पोषण एवं दखरेख करना चाहते हैं कृपया इस संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए जिला बाल संरक्षण इकाई कार्यालय, जामताड़ा में सम्पर्क कर सकते हैं।

पालन–पोषण (Foster Care) हेतु बच्चे की पत्रताः–

1. जिनके माता–पिता मानसिक रूप से बीमार हैं तथा बच्चे की देखभाल करने में असमर्थ है।
2. जिनके माता या पिता या दोनों जेल में हों।
3. ऐसे बच्चे जो शारीरिक, भावनात्मक या यौन शोषण, प्राकृतिक/मानव निर्मित आपदाओं, कृषि संकट एवं घरेलू हिंसा से पीड़ित हैं।

पालक माता–पिता की पात्रता

1. पति–पत्नी भारतीय नागरीक हो।
2. पति–पत्नी दोनों उस बच्चे को पालने के लिए तैयार हो।
3. पति–पत्नी दोनों की आयु 35 वर्ष से अधिक हो, उनका शरीरिक, भावनात्मक और मानसिक स्वास्थ्य अच्छा हो।
4. पालक परिवार के पास बच्चे की जरूरतों को पूरा करने के लिये समुचित एवे सतत आय का स्रोत हो।
5. पालक परिवार के सभी सदस्यों की चिकित्सकीय जाँच रिपोर्ट प्रतिवेदन होनी चाहिए।

निवेदक
प्रभारी सहायक निदेयाक,
जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग,जामताड़ा

PR 375050 (District)25-26*D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमंडल, गिरिडीह।

e-mail:- eebcdgiridih@gmail.com

पत्रांक________ दिनांक________/

अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0 – 46/2025–26

1. विज्ञापनदाता का पदनाम एवं पता :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, गिरिडीह।
2. परिमाण विपत्र की ब्रिकी की तिथि एवं समय :– 19.03.2026 को 1.00 बजे अपराहन् तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 20.03.2026 को 3.00 बजे अपराहन् तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 20.03.2026 को 3.30 बजे अपराहन्।
5. परिमाण विपत्र बिकी का स्थान :– 1. कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमंडल, गिरिडीह। 2. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– 1. टाउन थाना, गिरिडीह। 2. अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग।
7. कार्य की विवरणी :–

क्रमा	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	अग्रधन राशि (रूपये में)	कार्य समाप्ति की अवधि।
1	Urgent repair and painting of jila abhilekhagar office at Old Collectorate Building, Giridih	249100.00	500/-	5000/-	7 दिन।
2	Urgent repair and miscellaneous work at Civil court giridih,Giridih	244100.00	500/-	4900/-	7 दिन।
3	Urgent repair and painting work of Old Collectorate Building(Annexy building) for shifting of the offices and chamber of DLSA and mediation centre, Giridih	248700.00	500/-	5000/-	7 दिन।
4	Urgent installation of partition wall and missclaneous work at treasury office at Giridih	249700.00	500/-	5000/-	7 दिन।
5	APP Work and minor repairing of sub registrar office block dumri giridih	249700.00	500/-	5000/-	7 दिन।
6	urgent construction of shed at sub registrar office block dumri giridih	248600.00	500/-	5000/-	7 दिन।
7	Urgent Repair of Officers Toilet At SSB Bus stand Camp Giridih	244200.00	500/-	4900/-	7 दिन।
8	Urgent Repair work of Guard Room of Building Division Office, Giridih	152000.00	500/-	3100/-	7 दिन।
9	Urgent Repair work in session Hazat in the campus of civil court,Giridih	248900.00	500/-	5000/-	7 दिन।
10	Urgent repair of B-01 Qtr. at offiers colony Giridih	248000.00	500/-	5000/-	7 दिन।
11	Urgent repair of Qtr. unit B-32 & B-34 Qtr. at Sirsiya block Giridih	248700.00	500/-	5000/-	7 दिन।
12	Urgent repair of B-24 Qtr. at offiers colony Giridih	176400.00	500/-	3600/-	7 दिन।
13	Urgent repair and painting work of Qtr. D-09 At Officers colony, Giridih	245200.00	500/-	5000/-	7 दिन।
14	Urgent repair and painting work of Qtr. C-13 At Officers colony, Giridih	240500.00	500/-	4900/-	7 दिन।
15	Urgent Repair, painting, plumbing & Electrical work of Residence of A.C.J.M at near Jhanda Maidan, Giridih	248300.00	500/-	5000/-	7 दिन।
16	Urgent construction of Septic tank and earth filling at Principal District and Session Judge residence at Giridih	194000.00	500/-	3900/-	7 दिन।
17	Urgent repair of Qtr. unit B 36-Qtr. at Sirsiya block Giridih	226200.00	500/-	4600/-	7 दिन।
18	Urgent repair, painting and Plumbing work at Qtr. C-18 At Sirsiya Block, Giridi	245300.00	500/-	5000/-	7 दिन।
19	Urgent repair, painting and Plumbing work at Qtr. C-20 At Sirsiya Block, Giridih	231900.00	500/-	4700/-	7 दिन।
20	Urgent repair and painting work of C-29 Qtr. At- Sirsiya Block, Giridih	212350.00	500/-	4300/-	7 दिन।
21	Urgent work for Installation of Submersible pump set at E- type qtr.(unit E 05,06,07 and 08) and other missclaneous work At Qtr.unit (E- 07 &08) officers colony Giridih for the year 2025-26	249400.00	500/-	5000/-	7 दिन।
22	Urgent repair estimate for renovation of Qtr. No. C-45 & 43 in Sirsiya block, Sirsiya at Giridih Dist. For the year 2025-26	249600.00	500/-	5000/-	7 दिन।
23	Urgent repair and other miscellaneous work of Cyber DySP residence at Officers colony, Giridih for the year 2025-26	240600.00	500/-	4900/-	7 दिन।
24	Urgent work for Installation of submersible pump set and making of soak pit at B type Qtr unit (B-38,39,40,41,42&43) at sirsiya block Giridih for the year 2025-26	228500.00	500/-	4600/-	7 दिन।
25	Urgent repair work of JE Quarter at Bada Chowk, Giridih for the year 2025-26	245000.00	500/-	4900/-	7 दिन।
26	Urgent repair work of Qtr. A-25 & A-30 at Sirsiya block,Giridih	225000.00	500/-	4500/-	7 दिन।
27	Urgent repair work and App work of C.J.M and A.C.J.M Qtr. At – Near jhanda maidan Giridih for the year 2025-26	246400.00	500/-	5000/-	7 दिन।

निविदा की शर्तें को कार्यालय सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता,
भवन प्रमंडल, गिरिडीह।

PR.NO.374964 Building(25-26):D

उत्तर प्रदेश शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगा : राजनाथ सिंह

लखनऊ (ईएमएस)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगा क्योंकि राज्य का ध्यान ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने पर केंद्रित है जिसमें बच्चों का विकास सीखने के सकारात्मक माहौल में हो और वे आगे बढ़ सकें।

राजधानी लखनऊ से सांसद राजनाथ सिंह ने यहां स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल गोल्फ सिटी परिसर के मुख्य भवन के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि यहां के शिक्षण संस्थान न केवल राज्य के छात्रों के लिए, बल्कि पूरे देश के छात्रों के लिए भी आकर्षण के केंद्र बनकर उभरेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य का ध्यान केवल स्कूल और कॉलेज खोलने पर नहीं है बल्कि ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसमें बच्चे अपनी पढ़ाई के साथ-साथ सीखने के सकारात्मक माहौल में आगे बढ़ सकें। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है कि इस प्रकार के समन्वित प्रयासों के कारण उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में शिक्षा के क्षेत्र में नए मानदंड स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक व्यापक नजरिए के साथ आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि हम सभी ने राज्य को पिछले कुछ वर्षों में सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति करते देखा है।

बुनियादी ढांचे, निवेश, उद्योग और शिक्षा के क्षेत्रों में उत्तर प्रदेश ने नयी गति हासिल की है। उन्होंने सावित्रीबाई फुले और ज्योतिबा फुले का उल्लेख करते हुए कहा कि इन दूरदर्शी हस्तियों ने समाज के वंचित वर्गों यानी उन लोगों तक शिक्षा पहुंचाई, जो सामाजिक पायदान के सबसे निचले स्तर पर थे। उन्होंने यह दिखाया कि समाज में समानता और जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा सबसे प्रभावी साधन है। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि भारत, अपने नाम के अनुरूप हमेशा ज्ञान की खोज में लगा रहा है। यदि आप इसका इतिहास देखें, तो प्राचीन काल से लेकर आज तक भारत इस ज्ञान-यात्रा के प्रति दृढ़तापूर्वक समर्पित रहा है।श्श् उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपराओं में शिक्षा को कभी केवल जानकारी हासिल करने का साधन नहीं माना गया, बल्कि इसे चरित्र निर्माण का एक महत्वपूर्ण माध्यम समझा गया।

उन्होंने कहा कि जब तक्षशिला, नालंदा और विक्रमशिला जैसे महान विश्वविद्यालय फले-फूले, तब दुनिया के दूर-दराज के हिस्सों से छात्र इन प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में पढ़ने के लिए भारत आया करते थे। उन्होंने कहा कि आपने संभवतः फाह्यान और ह्वेन सांग के नाम सुने होंगे। ये लोग भी भारत आए थे। उन्होंने यह यात्रा इसलिए की क्योंकि इस भूमि में शिक्षा में न केवल ज्ञान प्राप्त करना शामिल है, बल्कि जीवन मूल्यों का समावेश भी शामिल है।

लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

ई0 निविदा आमंत्रण सूचना
अति अल्पकालीन निविदा सं0 : DMFT/MIR/DHN/ F2-46/2025-26

निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी : **कार्यपालक अभियंता, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001**

वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि : दिनांक 20.03.2026

ई0– निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय : दिनांक 20.03.2026 से दिनांक 27.03.2026 के अपराह्न 5 बजे तक

ऑन लाईन निविदा खोलने की तिथि एवं समय : दिनांक 30.03.2026, अपराह्न 02:00 बजे

ई0– निविदा खोलने का स्थान : कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, लघु सिंचाई प्रमण्डल, लूबी सर्कूलर रोड, धनबाद– 826001

सम्पर्क सूत्र मोबाईल संख्या : 7903299712

कार्य का नाम एवं राशि निम्नवत् है :–

ग्रुप संख्या	योजना का नाम	प्रखण्ड	पंचायत	ग्राम	प्राक्कलित राशि (रूपये में)	अग्रधन की राशि (रूपये में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	Renovation of Dhhangasaal Talab	Nirsa	Rangamatiya	Dhhangasaal	1651141.00	33100.00	5000.00	3 माह

नोट :–

1. केवल ई– निविदा हीं मान्य होगी। परिमाण विपत्र की राशि घट – बढ़ सकती है ।
2. निविदा शुल्क एवं अग्रघन की राशि केवल **Online Mode** द्वारा ही स्वीकार्य होगी ।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रघन की राशि का ई0 भुगतान जिस खाता से किया जाएगा, उसी खाते में अग्रघन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विशेष जानकारी के लिए : http://jharkhandtenders.gov.in देखें।

कार्यपालक अभियंता
लघु सिंचाई प्रमण्डल धनबाद

PR 375001 (Minor Irrigation)25-26*D

DISTRICT LEGAL SERVICES AUTHORITY, DHANBAD

SHORT TERM NOTICE INVITING TENDER (NIT)

Tender Reference No: 02/DLSA/DHN/2026 Dated: 13.03.2026

Sealed tenders/quotations are invited from interested Agencies/Suppliers for the preparation and delivery of **150 pieces of Sleeveless Jackets** for Para-Legal Volunteers (PLVs) of District Legal Services Authority, Dhanbad.

1. Technical Specifications

- **Item:** Sleeveless Jacket.(sample format available on the official website of Civil Court, Dhanbad)
- **Material/Colour:** Blue Colour (Denim).
- **Design Requirements:** * Embossing of **JHALSA logo** on the back side.
  o **PLV Logo/sticker** must be pasted on the front right side of the jacket.
- **Available Sizes:** Medium, Large, and Extra Large.
- **Quantity:** 150 Units (Size distribution will be specified in the formal Purchase Order).

2. Terms & Conditions

- **Eligibility:** Bidders must be Authorized Dealers with valid **GST, PAN, and TAN** registration.
- **Rate Quoting:** Rates must be quoted on a **per-unit basis.**
- **Inclusions:** Quoted rates must be inclusive of all Taxes, GST, and any other applicable charges.
- **Delivery Timeline:** Delivery must be completed within **5 days** of receiving the formal Purchase Order.
- **Submission Address:** Sealed quotations must be submitted to the **Office of the Secretary, District Legal Services Authority, Civil Court, Dhanbad.**
- **Rights Reserved:** The Purchase Committee reserves the right to reject any or all bids without assigning any reason.

3. Key Dates

Start Date of Submission	14.03.2026 at 10:30 AM
Late Date of Submission	23.03.2026 at 01:30 PM
Date & Time of Tender Opening	23.03.2026 at 04:30 PM
Office Inviting Tender	Secretary, District Legal Services Authority, Civil Court, Dhanbad, Email-dlsa.dhanbad@gmail.com

For any further queries, please contact the office of the District Legal Services Authority, Civil Court, Dhanbad or call us at 8789974967/9471725596/ Email us at dlsa.dhanbad@gmail.com

Secretary
DLSA, Dhanbad

PR.NO.375007 Law(25-26):D

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल धनबाद

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या–12/2025–26

1. विज्ञापनदाता का नाम एमं पदनाम :– कार्यपालक अभियन्ता, भवन प्रमण्डल, धनबाद।
2. परिमाण विपत्र विक्री की अन्तिम तिथि एवं समय :– दिनांक–20.03.2026 को 1.00 बजे अपराहन तक।
3. निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– दिनांक–23.03.2026 को 3.00 बजे अपराहन तक।
4. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– दिनांक–23.03.2026 को 3.30 बजे अपराहन।
5. निविदा बिक्री का स्थान :– (i) सदर थाना, धनबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय।
6. निविदा प्राप्ति का स्थान :– (i) सदर थाना, धनबाद का कार्यालय। (ii) अधीक्षण अभियन्ता, भवन अंचल, हजारीबाग का कार्यालय।
7. **कार्यो की सूची :–**

क्रमांक	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की अवधि (माह में)
1	Construction of Toilet 1 and Toilet 2 in Male Medical Ward at SNMMCH, Dhanbad.	11,14,400.00	22,300.00	2,500.00	01 माह।
2	Renovation of Library in Medicine Depairtment at SNMMCH, Dhanbad.	6,06,900.00	12,200.00	1,250.00	01 माह।
3	Construction of Boundary Wall & Approach Road (Back Side of Administrative Building) at ITI Campus Dhanbad.	9,96,700.00	20,000.00	1,250.00	01 माह।
4	Construction of Transgender Toilet in the Campus of Labour Court Dhanbad.	5,53,600.00	11,100.00	1,250.00	02 माह।
5	Installation of Door Closer, Closer Stoper, Sill Ventilator and Construction of Ramp in Civil Court Dhanbad.	2,48,800.00	5,000.00	500.00	07 दिन।
6	Installation of Door Closer, Closer Stoper, Sill Ventilator and Construction of Ramp Block Three Ten Court Dhanbad.	1,77,100.00	3,600.00	500.00	07 दिन।
7	Construction of Electric Panel Shed in the Campus of 28 Court Dhanbad.	1,52,000.00	30,100.00	500.00	07 दिन।
8	Construction of Child Safe Washroom in Family Court Dhanbad.	1,02,500.00	2,100.00	500.00	07 दिन।

नोट :– 1) निविदा की शर्तें–www.iprdjharkhand.in/iprd123@gmail.com/iprd@sify.com/jharkhandiprd@yahoo.com एवं सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है ।
2) परिमाण विपत्र दिनांक 20.03.2026 को 3:00 PM से 6:00 PM तक सदर थाना धनबाद में दिया जायेगा।
3) जिन संवेदकों को पूर्व में कार्य आवंटित किया जा चुका है एवं उनके द्वारा अकारण एकरारनामा नहीं कराया गया है, ऐसे संवेदकों को परिमाण विपत्र निर्गत नहीं किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता
भवन प्रमण्डल, धनबाद

PR 375027 Building(25-26).D

नेहरू जिंदा होते तो कांशीराम यूपी सीएम होते : राहुल गांधी

लखनऊ(ईएमएस) : सामाजिक परिवर्तन दिवस के मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने राजनीति और समाज में बदलाव को लेकर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि राजनीति में सिर्फ चाहने से कोई कुछ नहीं देता। जब तक विचारों के लिए लड़ाई नहीं लड़ी जाएगी, तब तक कोई बदलाव संभव नहीं है। राहुल गांधी ने कहा कि राहुल गांधी जिंदाबाद के नारे सुनकर अच्छा लगता है, लेकिन उससे कोई वास्तविक बदलाव नहीं होता। उनका कहना था कि समाज में परिवर्तन के लिए नारे नहीं बल्कि संघर्ष और विचारों की लड़ाई जरूरी है। उन्होंने कहा कि डॉ। भीमराव अंबेडकर हमेशा शिक्षा और संगठन की बात करते थे। उनके अनुसार समाज को आगे बढ़ाने के लिए शिक्षा हासिल करना और संगठित रहना सबसे जरूरी है। राहुल गांधी ने कहा कि अगर समाज इन बातों को अपनाएगा तभी सही मायनों में सामाजिक परिवर्तन संभव हो पाएगा। इसके अलावा राहुल गांधी ने कहा कि अगर जवाहरलाल नेहरू आज जिंदा होते तो कांशीराम कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने कहा, राहुल गांधी जिंदाबाद करने से कोई फायदा नहीं है। इससे कुछ होता नहीं है। होता कैसे है, जो मन बना लेता है कि ये जो हो रहा है, उसे मैं एक्सेप्ट नहीं करने वाला हूं। भाषण देने से पहले मैं सोच रहा था कि आंबेडकर शिक्षा की बात करते थे। संगठित होने की बात करते थे। आज हम काशीराम को याद करते हैं। लेकिन आज समाज को १५ और ८५ बांट दिया गया है। फायदा सिर्फ १५ प्रतिशत वालों को मिल रहा है। ५० प्रतिशत को अलग-अलग कर दिया गया। राहुल गांधी ने कहा, जवाहरलाल नेहरू जिंदा होते तो कांशीराम उत्तर प्रदेश के चीफ मिनिस्टर होते। उन्होंने कहा, केंद्रीय मंत्री हरदीपपुरी का नाम एपस्टीन फाइल में है। उनकी बेटी की कंपनी में जॉर्ज सोरोस की फंडिंग है। नरेंद्र मोदी अब भारत के प्रधानमंत्री नहीं रहे, वे अमेरिका का काम कर रहे हैं। जब मैं यह बात संसद में बोलने जा रहा था तो नरेंद्र मोदीजी भाग कर निकल गए। राहुल गांधी ने कहा कि भाषण देने से पहले वह सोच रहे थे कि बीआर अंबेडकर हमेशा शिक्षा और संगठित होने की बात करते थे। उन्होंने कहा कि जब कांशी राम उत्तर प्रदेश में घूमते थे तो अपने साथ पेन लेकर चलते थे। वह कहते थे कि समाज में जो भी फायदा हो, उसका लाभ आम जनता को भी मिलना चाहिए।

साथ ही उन्होंने समाज में बराबरी के सवाल पर भी जोर दिया। राहुल गांधी ने कहा कि इस देश में विकास का फायदा सिर्फ १५ फीसदी लोगों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। समाज के ८५ फीसदी लोगों को भी उस विकास का लाभ मिलना चाहिए। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा कि पहले जिस रास्ते पर समाज चल रहा था, उसी पर तेजी से आगे बढ़ने की जरूरत थी। अगर वह रास्ता मजबूती से जारी रहता तो हालात अलग हो सकते थे। कांग्रेस पार्टी के संदर्भ में उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस अपना काम सही तरीके से करती तो कांशीराम इतने सफल नहीं होते। इस बयान के जरिए उन्होंने राजनीतिक संघर्ष और सामाजिक बदलाव की प्रक्रिया पर भी टिप्पणी की।

इजराइल में हैं यूपी के 6004 श्रमिक सभी के सुरक्षित होने का दावा

लखनऊ (ईएमएस): उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा है कि इजराइल में कार्यरत राज्य के निर्माण श्रमिकों की कुशलक्षेम पर लगातार नजर रखी जा रही है और वर्तमान में किसी प्रकार की चिंता की स्थिति नहीं है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन डॉ. एमके शनुगा सुन्दरम् ने बताया कि उत्तर प्रदेश के कुल ६००४ निर्माण श्रमिक इजराइल में विभिन्न निर्माण कंपनियों में कार्यरत हैं।

इन श्रमिकों का चयन राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और इजराइल की सरकारी संस्था पीबा (पापुलेशन, इमीग्रेशन एंड बार्डर अथारिटी) के माध्यम से किया गया था और वर्ष २०२४ के दौरान उन्हें इजराइल भेजा गया था।

उन्होंने बताया कि ये सभी श्रमिक इजराइल की अलग-अलग निर्माण परियोजनाओं में नियमित रूप से कार्य कर रहे हैं। राज्य सरकार उनके कुशलक्षेम पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और इस संबंध में भारत सरकार तथा भारतीय दूतावास से निरंतर संपर्क रखा जा रहा है। इजराइल में भारत के राजदूत जेपी सिंह ने भी राज्य सरकार को अवगत कराया है कि स्थिति नियंत्रण में है और दूतावास लगातार श्रमिकों के संपर्क में है।

फिलहाल किसी श्रमिक ने भारत लौटने को लेकर चिंता व्यक्त नहीं की है। दूतावास ने आपात स्थिति के लिए २४ घंटे की हेल्पलाइन और ईमेल सुविधा भी जारी की है, जिसके माध्यम से भारतीय नागरिक सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

एलपीजी संकट के बीच बिहार में कालाबाजारी के खिलाफ पुलिस और जिला प्रशासन का एक्शन

पटना (ईएमएस): देश में एलपीजी गैस संकट के बीच बिहार की रसोईघरों में भी परेशानी बनी हुई है। पटना, मुजफ्फरपुर, पूर्णिया, भागलपुर सहित कई जिलों में घरेलू गैस सिलेंडर की किल्लत से लोग परेशान हैं। वहीं, अफवाहों और अनावश्यक बुकिंग के कारण एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें दिख रही हैं, जबकि ब्लैक में सिलेंडर १५०० रुपये तक बिक रहे हैं। वहीं, केंद्र सरकार लगातार आश्वासन दे रही है कि पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कोई बड़ा संकट नहीं है, लेकिन कालाबाजारी रोकने के लिए पुलिस-प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई हो रही है।

पटना के दाउदपुर में झोपड़ी नुमा मकान से पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। यहां घरेलू गैस की कालाबाजारी और ब्लैकमेलिंग के लिए रखे गए १११ गैस सिलेंडर जब्त किए थे। जहां विभिन्न कंपनियों के ये सिलेंडर अवैध रूप से स्टॉक किए गए थे। बता दें कि पुलिस के पहुंचने से पहले ही गैस माफिया मौके से फरार हो गए, लेकिन उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। वहीं अररिया जिले के फारबिसगंज में भी प्रशासन ने कालाबाजारी के खिलाफ बड़ा एक्शन लिया है। पोखर बस्ती, वार्ड नंबर १५ के एक घर और दुकान पर एसडीएम की अगुवाई में छापेमारी की गई। यहां विभिन्न कंपनियों के १३५ गैस सिलेंडर जब्त किए। एसडीएम ने बताया कि घरेलू गैस की कालाबाजारी की सूचना मिलने पर रेड की गई। जब्त सिलेंडरों को थाने भेज दिया गया है और आगे की जांच चल रही है।

बिहार सरकार और जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि मध्य पूर्व के युद्ध के कारण आपूर्ति प्रभावित होने की अफवाहें फैलाई जा रही हैं, लेकिन घरेलू उपयोग के लिए पर्याप्त स्टॉक है। जहां ओटीपी सिस्टम लागू कर अनावश्यक बुकिंग रोकी जा रही है। वहीं, पटना डीएम और पुलिस ने कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त चेतावनी दी है।

बिहार चुनाव में सबसे ज्यादा खर्च बीजेपी ने किया

पटना,(ईएमएस): बिहार में सत्ता परिवर्तन की खबरों के बीच विधायकों की कीमत की जोरदार चर्चा रहती है। बातें चाहे महाराष्ट्र की हो, मध्य प्रदेश की या फिर कर्नाटक की, हर जगह से मिलती जुलती ही खबरें सुनने को मिलती रही हैं। २०२५ के बिहार चुनाव में हुए खर्च का हिसाब ज्यादातर राजनीतिक दलों ने चुनाव आयोग में जमा कर दिया है। मालूम होता है कि सबसे ज्यादा खर्च बीजेपी ने किया है, लेकिन जेडीयू और आरजेडी के बैलेंसशीट जमा न करने के कारण उनके खर्च के आंकड़े उपलब्ध नहीं हो पाए हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव २०२५ में सबसे ज्यादा खर्च बीजेपी ने किया। अगर कांग्रेस के चुनाव खर्च से तुलना करें तो चार गुणा से भी ज्यादा। कांग्रेस ने अपनी कुल जमा पूंजी का २८ फीसदी खर्च किया, जबकि बीजेपी ने सिर्फ २ फीसदी। बीजेपी ने बिहार चुनाव कैंपेन पर कुल १४६.७१ करोड़ खर्च किए हैं। सबसे ज्यादा खर्च करने का एक फायदा तो यही है कि

बीजेपी बिहार में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। चुनाव आयोग को दी गई रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादातर खर्च ट्रैवल पर हुआ है, जिसमें स्टार प्रचारकों के आने जाने और मीडिया में दिए गए विज्ञापन शामिल हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक कांग्रेस ने चुनाव खर्च का जो हिसाब आयोग को दिया है, उसके मुताबिक बिहार विधानसभा कैंपेन में ३५.०७ करोड़ खर्च हुए हैं। ये खर्च कांग्रेस उम्मीदवारों के प्रचार, स्टार प्रचारकों के ट्रैवल और बाकी चुनावी मुहिम में हुआ है। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के चुनाव कैंपेन का खर्च २६.७५ लाख आया है। बहुजन समाजवादी पार्टी ने बिहार चुनाव पर ६.०१ करोड़ खर्च किए।

बता दें बिहार चुनाव बीजेपी १०१ विधानसभा सीटों पर लड़ी थी और एनडीए के बैनर तले बीजेपी के सबसे ज्यादा ८९ विधायक चुने गए। चुनाव प्रचार के दौरान विज्ञापन पर बीजेपी के खर्च की सबसे बड़ी रकम गूगल इंडिया को दी गई, जो १४.२७ करोड़ रुपए थी। बीजेपी ने उम्मीदवारों पर २९.७१ करोड़ रुपए खर्च किए हैं, जो चुनाव लड़ने के लिए आर्थिक मदद के तौर पर देखा जाता है। देखें तो बीजेपी ने १४६.७१ करोड़ रुपए चुनावों में खर्च करके ८९ विधायक हासिल किए और इस हिसाब से एक विधायक पर खर्च की गई रकम हुई करीब १.६५ करोड़ रुपए।

कांग्रेस ने चुनाव प्रचार पर जो ३५.०७ करोड़ खर्च किए उसमें १२.८३ करोड़ स्टार प्रचारकों की आवाजाही पर खर्च हो गए और ११.२४ करोड़ सोशल मीडिया कैंपेन पर। चुनाव की घोषणा होने से पहले जो खर्च हुए होंगे उसका तो सिर्फ अंदाजा भर लगाया जा सकता है और, यह बात सभी राजनीतिक दलों पर लागू होती है। बिहार चुनाव में कांग्रेस ने ६१ उम्मीदवार उतारे थे महज ६ सीटों पर ही जीत हासिल हो सकी। चुनाव से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में वोटर अधिकार यात्रा भी निकाली गई थी, खर्च तो उसमें भी हुए ही होंगे।

मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को महागठबंधन में ४ सीटें मिली थीं, लेकिन जीत सीपीआई (एम) को एक ही सीट पर मिली। चुनाव खर्च की बात करें, तो सीपीआई (एम) ने बिहार चुनाव पर २६.७५ लाख खर्च किए थे।

इतना खर्च करके एक विधायक हासिल किया। वहीं मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने तो बिहार चुनाव में १८१ उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जीत सिर्फ एक हो ही मिल पाई। और, बिहार चुनाव कैंपेन पर बीएसपी के खर्च हुए ६.०१ करोड़ रुपए। चुनाव खर्चों की तुलना करें तो सबसे महंगा विधायक पड़ा है मायवती की बीएसपी को, और सबसे सस्ता एमएलए सीपीआई (एम) को।

वाल्मीकि नगर हवाई अड्डे के विस्तार के लिए रैयतों की जमीन लेने तैयारी

पश्चिम चम्पारण,(ईएमएस): एक लंबे समय के इंतजार के बाद अब वाल्मीकि नगर हवाई अड्डे के विस्तार की कवायद तेज हो गई हैं। गुरुवार को एडीएम राजीव रंजन सिन्हा समेत जिला प्रशासन के कई वरिष्ठ अधिकारी वाल्मीकि नगर हवाई अड्डा पहुंचे और विस्तार कार्य में आ रही अड़चनों को दूर करने स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण में एडीएम ने बताया कि एयरपोर्ट के विस्तार और टर्मिनल निर्माण के लिए वर्तमान में उपलब्ध भूमि काफी नहीं है। इसके लिए करीब १८ एकड़ अतिरिक्त भूमि की जरूरत होगी। ऐसे में अब भू-अर्जन की प्रक्रिया के तहत हवाई अड्डे से सटी रैयती जमीन को लेने की तैयारी शुरू की जा रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रैयती जमीन को लेने के लिए भूमि मालिकों से सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है। यदि भूमि धारक तैयार हो जाते हैं, तो सरकार द्वारा एमवीआर के चौगुने मूल्य पर जमीन का अधिग्रहण किया जाएगा। इस प्रकार पर्याप्त भूमि की व्यवस्था कर एयरपोर्ट के निर्माण का कार्य जल्द शुरू किया जाएगा।

गैस एजेंसियों पर नीतीश सरकार ने कसा शिकंजा

पटना (एजेंसी): मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव का असर अब भारत की रसोई तक पहुंच गया है। देश में एलपीजी गैस सप्लाई को लेकर अचानक मांग तेज हो गई है। बिहार में एलपीजी गैस सिलेंडर की कालाबाजारी और अवैध वसूली के खिलाफ नीतीश सरकार ने सख्त कदम उठाया है। पुलिस-प्रशासन की टीम ने पटना और आसपास के कई गैस एजेंसियों का औचक निरीक्षण किया। राज्य में औचक निरीक्षण के दौरान गैस माफियाओं पर शिकंजा कसते हुए १३२ सिलेंडर जब्त किए गए।

वहीं एक गैस एजेंसी को सील कर उसके मालिक के खिलाफ एफआईआर भी दर्ज की गई है। हालांकि उपभोक्ताओं को राहत देते हुए सरकार ने ये स्पष्ट किया है कि अब मनमानी करने वाली एजेंसियों की खैर नहीं होगी। अगर कोई भी गैस एजेंसी तय कीमत से ज्यादा पैसे मांगती है या सिलेंडर की होम डिलीवरी में आनाकानी करती है तो इसकी शिकायत उपभोक्ता दूरभाष नंबर ०६१२-२२१९८१० पर सुबह ९ बजे से शाम ६ बजे तक दर्ज करा सकते हैं।

दरअसल, यह औचक निरीक्षण पटना सदर की अनुमंडल पदाधिकारी के नेतृत्व में फुलवारीशरीफ स्थित सुलभ इंडेन गैस वितरक के खिलाफ किया गया। निरीक्षण के दौरान एजेंसी का संचालक कार्यालय में

मौजूद नहीं पाया गया। जिसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर अनुमंडल पदाधिकारियों ने एजेंसी के कार्यालय को तत्काल प्रभाव से सील कर दिया। साथ ही प्रशासन द्वारा एजेंसी संचालक को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है। पटना के जिलाधिकारी डॉ. त्यागराजन एसएम ने स्पष्ट कहा कि उपभोक्ताओं के हितों से किसी भी तरह का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि गैस वितरण में गड़बड़ी करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इधर पटना सदर अनुमंडल में एक उपभोक्ता की शिकायत के आधार पर गैस एजेंसी के डिलीवरी बॉय के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

दीघा निवासी उपभोक्ता ने बताया कि उन्होंने इंद्रपुरी स्थित उत्सव गैस सेवा एजेंसी से गैस सिलेंडर की बुकिंग कराई थी, लेकिन सिलेंडर की आपूर्ति नहीं की गई।

इसके बावजूद उनके मोबाइल पर सिलेंडर डिलीवर होने का मैसेज भेज दिया गया। इस मामले में पाटलिपुत्र थाने में डिलीवरी बॉय मुकेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। जिलाधिकारी के निर्देश पर प्रखंड स्तर पर एलपीजी सिलेंडर से संबंधित शिकायतों के निवारण और जमाखोरी रोकने के लिए २८ धावा दलों का गठन किया गया है। उधर अनुमंडल प्रशासन ने शाहपुर इलाके में दो स्थानों पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की है।

दोनों दुकानदारों के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। एडीएसओ के साथ छह सदस्यीय टीम ने यह कार्रवाई की। प्रशासन ने सख्ती बढ़ाते हुए पटना जिले के सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों और सहायक जिला आपूर्ति पदाधिकारियों की छुट्टियां अगले आदेश तक रद्द कर दी हैं।

राज्यसभा चुनाव के बाद भी जारी रहेगी समृद्धि यात्रा

पटना (एजेंसी): नीतीश कुमार राज्यसभा जाने से पहले समृद्धि यात्रा कर रहे हैं। राज्य में लगातार जिलों का दौरा कर रहे हैं। इस यात्रा के दौरान वे विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा के साथ-साथ स्थानीय लोगों और अधिकारियों से संवाद कर रहे हैं। समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण पर हैं।

बता दें कि १६ मार्च को राज्यसभा के लिए चुनाव होना है। ऐसे में ये कयास लगाए जा रहे हैं कि मुख्यमंत्री १७ मार्च से समृद्धि यात्रा के चौथे चरण की शुरुआत कर सकते हैं। एनडीए के पांच उम्मीदवारों में जदयू से नीतीश कुमार और रामनाथ

ठाकुर, भाजपा से नितिन नबीन, शिवेस राम और रालोमो से उपेंद्र कुशवाहा हैं।

समृद्धि यात्रा के तीसरे चरण के तहत मुख्यमंत्री १० से १४ मार्च तक सीमांचल और कोसी क्षेत्र के विभिन्न जिलों का दौरा कर रहे हैं। इस क्रम में ११ मार्च को उन्होंने किशनगंज और अररिया, १२ मार्च को कटिहार और पूर्णिया, जबकि आज १३ मार्च को सहरसा और खगड़िया का दौरे पर हैं। अब समृद्धि यात्रा के चौथे चरण की संभावित शुरुआत की चर्चा ने एनडीए खेमे में कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि एक ओर नीतीश कुमार राज्यसभा जा रहे हैं, वहीं दूसरी ओर बिहार में उनकी जमीनी सक्रियता लगातार बनी हुई है। बताया जा रहा है कि राज्यसभा सदस्य के रूप में उनका कार्यकाल अप्रैल से शुरू होगा।

बिहार विधानसभा को ईमेल के जरिए मिली बम से उड़ाने की धमकी

पटना (एजेंसी): बिहार विधानसभा को शुक्रवार को ईमेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी मिलने के बाद बाद सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गई। विधानसभा परिसर में सुरक्षा-व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। घटना की जानकारी मिलते ही प्रशासनिक महकमे में भी हड़कंप मच गया। अधिकारियों ने तुरंत सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की। इसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी। ईमेल भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। तकनीकी टीम भी इस मामले की पड़ताल में जुटी है। विधानसभा परिसर के हिस्से के कोने-कोने पर नजर रखी जा रही है।

वहीं सूचना मिलने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने तुरंत संज्ञान लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने सभा सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। अध्यक्ष ने प्रभारी सचिव ख्याति सिंह को तत्काल कार्रवाई करने को कहा। सुरक्षा को लेकर किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए गए। साथ ही पूरे मामले की विस्तृत जांच कराने को कहा गया विधानसभा सचिवालय की ओर से इस घटना की जानकारी राज्य के शीर्ष अधिकारियों को दी गई। विधानसभा परिसर में अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई। पूरे इलाके की निगरानी बढ़ा दी गई है। धमकी के बाद पुलिस के साथ बम स्क्वायड और डॉग स्क्वायड की टीम को बुलाया गया। इन टीमों ने विधानसभा परिसर में सघन जांच अभियान चलाया जा रहा है।

सिर फटने पर टांके की जगह लगाया स्टेपलर

पटना (एजेंसी): बिहार के नवादा जिले से डॉक्टर का एक ऐसा कारनामा सामने आया है, जिससे लोगों का दिल कांप उठेगा। दरअसल इलाज के नाम पर लापरवाही का एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। एक कथित झोला छाप डॉक्टर ने घायल युवक के सिर के जख्म पर मेडिकल टांके लगाने की बजाय साधारण स्टेपलर से पिन ठोक दी। यह मामला वारिशगंज थाना क्षेत्र का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, एक युवक के सिर में गहरी चोट लग गई थी। इलाज के लिए वह स्थानीय स्तर पर गांव के ही एक डॉक्टर के पास पहुंचा। जख्म गहरा था और उसे तुरंत मेडिकल टांकों की जरूरत थी, लेकिन डॉक्टर ने टांका लगाने की बजाय उसके सिर में स्टेपलर की पीन मार दी। हालांकि इस दौरान घायल युवक दर्द से कराहता रहा, लेकिन इलाज के नाम पर यह खतरनाक लापरवाही जारी रही।

बताया जा रहा है कि घायल युवक बेहद गरीब है और मजबूरीवश वह किसी बड़े अस्पताल की न जाकर गांव में ही झोला छाप डॉक्टर के पास इलाज कराने पहुंचा था।

किशनगंज-अररिया बॉर्डर पर बनेगा नया चेकपोस्ट

पटना (एजेंसी): बिहार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने पूर्णिया जिले के दालकोला चेकपोस्ट का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चेकपोस्ट पर मौजूद व्यवस्थाओं का गहन जायजा लिया और कई महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए। मंत्री ने मौके पर मौजूद एक्साइज इंस्पेक्टर, अपर जिला परिवहन पदाधिकारी (एडीटीओ) सह करारोपण पदाधिकारी और प्रवर्तन निरीक्षक (ईआई) को सख्त हिदायत दी कि वित्तीय वर्ष २०२५-२६ के लिए निर्धारित ५१ करोड़ ५४ लाख रुपये के राजस्व संग्रहण लक्ष्य को शत-प्रतिशत हासिल किया जाए। इस लक्ष्य के विरुद्ध गौतम कुमार एसडीटीओ द्वारा कुल १६ हजार ६१३ वाहनों से राजस्व वसूली की गई है। इससे कुल ४ करोड़ ८५ लाख ३३ हजार ८९९ रुपए चालान के माध्यम से वसूल किए गए हैं। इसी तरह कुंदन कुमार ईआई द्वारा कुल १० हजार ९९ वाहनों से कुल २ करोड़ ६६ लाख ६१ हजार ७०० वसूल किए गए हैं। मंत्री ने लक्ष्य के विरुद्ध कम राजस्व वसूली संग्रहण पर असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि इस लक्ष्य की प्राप्ति में किसी भी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उन्होंने अधिकारियों को तत्परता से कार्य करने का निर्देश दिया। राजस्व संग्रहण कम पाए जाने पर पूछताछ के क्रम में अधिकारियों ने बताया कि किशनगंज-अररिया सीमा पर सड़क निर्माण होने के बाद वहां से अधिक मात्रा में वाहनों का आवागमन हो रहा है। जिसपर परिवहन मंत्री ने गलगलिया में भी एक नया चेकपोस्ट निर्माण किए जाने का निदेश, ताकि बंगाल से बिहार आने वाले वाहनों की इंट्री के साथ परिवहन संबंधित नियमों का पालन सुनिश्चित ना करने पर कार्रवाई की जा सके।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री कुमार ने चेकपोस्ट की साफ-सफाई की स्थिति पर असंतोष जताया और इसे तुरंत सुधारने के आदेश दिए। उन्होंने सड़क की मरम्मती, चालान जारी करने वाली जगहों का रंग-रोगन करवाने व पूरे परिसर में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। मंत्री ने इस चेकपोस्ट की विशेष महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह राज्य का एक अत्यंत महत्वपूर्ण चेकपोस्ट है। यहां से पूर्वोत्तर बिहार के विभिन्न जिलों के साथ-साथ पश्चिम बंगाल और सिलीगुड़ी की ओर जाने वाले वाहनों का भारी आवागमन होता है। इसलिए यहां की व्यवस्थाओं को और अधिक चुस्त-दुरुस्त रखना आवश्यक है ताकि राजस्व संग्रहण के साथ ही यातायात का सुचारु संचालन भी सुनिश्चित हो सके।

जेडीयू में निशांत के साथ युवा नेताओं का कोर ग्रुप किया जा रहा तैयार

पटना,(ईएमएस): बिहार की राजनीति में एक नया मोड़ आता दिखाई दे रहा है। लंबे समय से राज्य की सत्ता और राजनीति के केंद्र में रहे नीतीश कुमार के बाद अब जनता दल (यू) में नई पीढ़ी को आगे लाने की चर्चा तेज हो गई है। इस क्रम में ८ मार्च को उनके पुत्र निशांत कुमार की जदयू में औपचारिक एंट्री कराई गई। इसके साथ ही पार्टी के अंदर उन्हें सक्रिय राजनीतिक भूमिका देने की रणनीति भी आकार लेती नजर आ रही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह केवल पारिवारिक उत्तराधिकार की प्रक्रिया नहीं, बल्कि पार्टी के भविष्य की दिशा तय करने की कोशिश भी है।

दरअसल, पिछले दो दशकों से बिहार की राजनीति में नीतीश कुमार का प्रभाव निर्णायक रहा है। वर्ष २००५ के बाद से उन्होंने विकास, गठबंधन और संतुलित राजनीतिक रणनीति के सहारे खुद को सत्ता के केंद्र में बनाए रखा, लेकिन बदलते राजनीतिक माहौल में युवा नेतृत्व की भूमिका तेजी से बढ़ रही है। ऐसे में जदयू भी संगठनात्मक ढांचे में बदलाव कर नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी के अंदर निशांत के साथ युवा नेताओं का एक कोर ग्रुप तैयार किया जा रहा है, जिसे अनौपचारिक तौर पर 'टीम निशांत' कहा जा रहा है। यह समूह संगठनात्मक कामकाज, राजनीतिक रणनीति और जनसंपर्क जैसे क्षेत्रों में सक्रिय भूमिका निभा सकता है। माना जा रहा है कि आने वाले समय में यही टीम पार्टी के नए नेतृत्व ढांचे की आधारशिला बन सकती है।

भारत आ रहे थाई समुद्री जहाज पर हमला, बिहार के एक इंजीनियर की मौत

पटना (एजेंसी): मिडिल ईस्ट में हो रहे संघर्ष के दौरान भारत आ रहे थाई समुद्री जहाज पर हमले हुए। इस हमले में बिहार के भागलपुर जिले के एक इंजीनियर देवनंदन प्रसाद सिंह की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में कोहराम मच गया और ग्रामीणों में शोक के साथ आक्रोश की लहर दौड़ गई। देवनंदन अपने पीछे पत्नी के साथ दो बच्चे छोड़ गए। ग्रामीणों ने बताया कि देवनंदन पत्नी कुमकुम सिंह के साथ मुंबई में रहते थे। उनके पुत्र क्षितिज कुमार और पुत्री कोमल कुमारी हैं। दोनों बच्चे जर्मनी व जापान में जॉब करते हैं।

उनका कहना है कि युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है और फिर इसमें हमारे देश का एक सपूत शिकार हो गया है, जो अत्यंत निंदनीय है। ग्रामीणों ने सरकार से मांग की है कि अंतिम संस्कार के लिए शव को गांव लाया जाए। सूचना पाते ही पीड़त परिवार के घर भाजपा जिलाध्यक्ष संतोष कुमार के साथ और भी कई नेतागण पहुंचे। उन्होंने कहा कि इस दुख की घड़ी में पूरा एनडीए परिवार पीड़ित परिवार के साथ है।

ईश्वर परिवार को संबल प्रदान करें। उन्होंने केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार से मांग की है कि उनके पार्थिव शरीर को विशेष विमान से भागलपुर लाने की व्यवस्था की जाए और राजकीय सम्मान के साथ इनका दाह संस्कार किया जाए।

छोटे कारोबारियों और स्ट्रीट वेंडर्स के लिए वरदान बनी प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना

लखीसराय,(ईएमएस) : उत्तरप्रदेश के लखीसराय जिले में छोटे कारोबारियों और रोड साइट स्ट्रीट वेंडर्स के लिए केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना बड़ी राहत लेकर आई है। इस योजना के तहत सड़क किनारे रेहड़ी-पटरी लगाने वाले विक्रेताओं को अब ३०,००० रुपये तक की क्रेडिट कार्ड सुविधा उपलब्ध है।

इसके अलावा, पात्र लाभार्थियों को १०,००० रुपये तक का अतिरिक्त लोन भी मिलेगा। सहायक नगर पर्यवेक्षक प्रवीण कुमार के अनुसार, योजना का मुख्य उद्देश्य छोटे कारोबारियों को बिना किसी गारंटी के लोन देकर उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाना है। केंद्र सरकार का मानना है कि सस्ती दर पर कर्ज मिलने से छोटे व्यापारी अपने व्यवसाय को पुनः संचालित कर सकते हैं और रोजमर्रा की आय को सुधार सकते हैं।

प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना की शुरुआत जून २०२० में हुई थी। तब कोविड-१९ महामारी के कारण पूरे देश में लॉकडाउन था, जिससे लाखों स्ट्रीट वेंडर्स और रेहड़ी-पटरी लगाने वालों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया। यह देखकर केंद्र सरकार ने आर्थिक सहायता देने के लिए यह योजना लागू की। इसके तहत छोटे विक्रेताओं को माइक्रो लोन उपलब्ध कराया जाता है, जिससे वे अपना व्यवसाय पुनः शुरू कर सकें। अब तक इस योजना के माध्यम से २५ लाख से अधिक स्ट्रीट वेंडर्स को आर्थिक सहायता मिल चुकी है और कई परिवारों की आजीविका सुरक्षित हुई है। नगर पर्यवेक्षक ने बताया कि योजना का उद्देश्य सिर्फ लोन देना नहीं, बल्कि छोटे कारोबारियों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाना भी है। स्ट्रीट वेंडर्स को छोटी रकम का माइक्रो लोन देकर स्वरोजगार को बढ़ावा दिया जा रहा है, ताकि असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोग भी सम्मानजनक तरीके से अपना जीवन यापन कर सकें। साथ ही, योजना डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देने पर भी जोर देती है। विक्रेता अब आधुनिक भुगतान प्रणाली से जुड़कर अपने कारोबार को और अधिक प्रभावी बना सकते हैं। ऐसे में यदि आप सड़क किनारे दुकान चलाते हैं या रेहड़ी-पटरी पर व्यवसाय करते हैं, तब प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना आपके लिए बड़ा मौका साबित हो सकती है। यह योजना आर्थिक सहयोग के साथ-साथ व्यापारिक आत्मनिर्भरता और डिजिटल भुगतान को प्रोत्साहित करने का भी कार्य करती है। इस प्रकार, सड़क किनारे व्यापार करने वाले छोटे कारोबारी इस योजना के तहत आसान लोन, क्रेडिट कार्ड सुविधा और डिजिटल लेनदेन के माध्यम से अपने व्यवसाय को मजबूत कर सकते हैं।

जेल में बंद मोकामा के बाहुबली विधायक डाल सकेंगे वोट

पटना (एजेंसी): बिहार में राज्यसभा चुनाव १६ मार्च को होना है। चुनाव ५ सीटों के लिए होना है। एनडीए पांचों सीटों पर अपनी जीत दर्ज करने के लिए पांच उम्मीदवार उतारे हैं। वहीं राजद एक सीट के लिए अपनी उम्मीदवार उतारी है। इस बीच दोनों ही पार्टियां अपनी-अपनी उम्मीदवारों के जीत के लिए लगातार प्रयासरत है। बता दें कि प्रत्येक उम्मीदवार को जीत के लिए ४१ विधायकों के समर्थन की जरूरत है। हालांकि अब ये चुनाव और ज्यादा रोमांचक होता दिख रहा है। कयास लगाए जा रहे हैं कि एनडीए के २०२ विधायकों के संख्या बल के कारण चार सीट पर तो एनडीए जीत दर्ज कर लेगी, लेकिन पांचवीं सीट के लिए सिर्फ ३८ विधायक ही बचते हैं। एनडीए की चार सीटों पर तो जीत तय मानी जा रही है, लेकिन पांचवीं सीट पर अटकलें हैं। तेजस्वी यादव ने अपनी पार्टी से एडी सिंह को उम्मीदवार के रूप में उतारा है, जिसके बाद मुकाबला और भी

ज्यादा रोचक बन गया है। दरअसल, एनडीए खेमे में एक विधायक जदयू के मोकामा से निर्वाचित अनंत सिंह हैं, जो जेल में बंद हैं। हालांकि इसे लेकर शुक्रवार को बड़ा फैसला हुआ। एमपी एमएलए कोर्ट ने यह फैसला दिया कि अनंत सिंह राज्यसभा चुनाव में वोट डाल सकते हैं। वे पुलिस कस्टडी में विधानसभा आयेंगे और वोट डालकर वापस जेल जायेंगे। बहरहाल कोर्ट के इस फैसले से एनडीए को बड़ी राहत मिली है।

हालांकि राजद उम्मीदवार की जीत सुनिश्चित करने के लिए पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष तेजस्वी यादव ने भी खास रणनीति तय की है। राजद के २५ विधायक, कांग्रेस के ६, वामदलों के ३ और खझझ के १ विधायक के आधार पर यह संख्या ३५ बनती है। वहीं ओवैसी पार्टी एआईएमआईएम के ५ विधायक हों। ध्यान हो कि दो दिन पहले ही -एआईएमआईएम के बिहार प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने तेजस्वी यादव से मुलाकात की थी। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने इस मुलाकात को सकारात्मक बताया था। अब ऐसे में यह माना जा रहा है कि ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम के पांचों विधायक राजद के एडी सिंह को समर्थन करेंगे। वहीं बसपा के एक मात्र विधायक का समर्थन भी एडी सिंह के खेमे में ही जाते माना जा रहा है। इस तरह से जीत के लिए राजद को ४१ विधायकों का समर्थन मिलता हुआ दिख रहा है।

एनडीए के पांचवें उम्मीदवार की जीत तय करने के लिए उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के आवास पर बैठक हुई. एनडीए के पांच उम्मीदवारों में जदयू से नीतीश कुमार और रामनाथ ठाकुर, भाजपा से नितिन नबीन और शिवेस राम और रालोमो से उपेंद्र कुशवाहा हैं। ऐसे में एनडीए के पांचवें उम्मीदवार की जीत तभी संभव है जब विरोधी खेमे में विधायकों को तोड़ा जा सके या फिर वे क्रॉस वोटिंग करें। हालांकि एनडीए अपने सभी विधायकों को एकजुट रखने के साथ ही विपक्ष को तोड़ने की रणनीति के हिसाब से अपनी जीत तय करने में लगा हुआ है। वहीं आज मीडिया से बातचीत के दौरान बिहार के परिवहन मंत्री श्रवण कुमार ने कहा कि पांचों सीटों पर एनडीए की जीत तय है। लेकिन नीतीश कुमार के बाद भाजपा का फिर से सरकार में आने को लेकर जब मीडिया द्वारा सवाल पूछा गया तो उन्होंने कुछ भी साफ नहीं कहा। उन्होंने कहा कि हर पार्टी चाहती है कि उसकी ही सरकार बने, लेकिन इस पर सभी पार्टियों के नेता के साथ मिलकर मीटिंग के बाद ही परिणाम आता है।

हैंडलूम एवं सरस मेला स्थानीय कारीगरों को रोजगार और वैश्विक पहचान दिलाता है : मुख्य न्यायाधीश

रांची (एजेंसी): रांची के मोराबादी मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय हैंडलूम एवं सरस मेला में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक ने विशेष रूप से शिरकत की। इस अवसर पर झारक्राफ्ट की प्रबंध निदेशक गरिमा सिंह ने पुष्पगुच्छ देकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने मेले में लगाए गए विभिन्न लाइव डेमोंस्ट्रेशन सेक्शन का अवलोकन किया। यहाँ उन्होंने बड़े उत्साह के साथ देखा कि किस प्रकार रेशम के कोकून (उेलेप) से धागा तैयार किया जाता है और फिर उसे रीलिंग (ठशशश्रळपस) और बुनाई (थशरींळपस) की पारंपरिक प्रक्रिया से खूबसूरत वस्त्रों में बदला जाता है। कारीगरों द्वारा किए जा रहे इस पारंपरिक कौशल को देखकर वे काफी प्रभावित हुए।

इस दौरान मुख्य न्यायाधीश ने स्वयं भी कारीगरों के साथ हैंड पेंटिंग और ब्लॉक प्रिंटिंग की गतिविधियों में भाग लिया। उनके इस सहभागिता से वहाँ मौजूद कारीगरों और आगंतुकों में खासा उत्साह देखने को मिला। उन्होंने कारीगरों से बातचीत कर उनके काम की सराहना की और उन्हें अपने पारंपरिक हस्तशिल्प को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। मुख्य न्यायाधीश ने मेले में लगे विभिन्न हैंडलूम और हैंडीक्राफ्ट स्टॉल्स का भी भ्रमण किया।

इस दौरान उन्होंने झारखंड के पारंपरिक उत्पादों, जैसे कि तसर सिल्क, हस्तनिर्मित कपड़े और कलात्मक हस्तशिल्प में गहरी रुचि दिखाई तथा कुछ उत्पादों की खरीदारी भी की।

उन्होंने कहा कि ऐसे मेले न केवल स्थानीय कारीगरों को रोजगार और पहचान दिलाने का मंच प्रदान करते हैं, बल्कि राज्य की समृद्ध हस्तकरघा और हस्तशिल्प परंपरा को देश-दुनिया तक पहुँचाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मेले में बड़ी संख्या में लोग पहुँचे और झारखंड की पारंपरिक कला, संस्कृति और हस्तशिल्प का आनंद लिया।

यह आयोजन कारीगरों के लिए अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने और खरीदारों से सीधे जुड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर साबित हो रहा है।

हेमंत सोरेन ने नेतरहाट विद्यालय के छात्रों से की उनकी पढ़ाई और भविष्य पर बातचीत

रांची (एजेंसी): मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन से आज झारखंड विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में नेतरहाट आवासीय विद्यालय, लातेहार के विद्यार्थियों ने मुलाकात की। विद्यार्थियों ने विधानसभा भ्रमण कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे परिचर्चा की।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री के साथ उत्साहपूर्वक बातचीत की और उनके साथ तस्वीरें भी लीं। मुख्यमंत्री ने बच्चों से उनके अध्ययन और भविष्य की योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा उन्हें मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने सपनों को साकार करने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने मुख्यमंत्री को उनकी तस्वीर भी भेंट की।

15 नवप्रोन्नत आईएएस अधिकारियों की पोस्टिंग, नागेंद्र पासवान बने डीडीसी जमशेदपुर

रांची (एजेंसी): भारतीय प्रशासनिक सेवा में हाल ही में प्रोन्नत किए गए १५ अधिकारियों की पोस्टिंग कर दी गई है। इस संबंध में कार्मिक विभाग ने अधिसूचना जारी कर दी है। नागेंद्र पासवान को पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर) का डीडीसी बनाया गया है।

दिलेश्वर महतो को डीडीसी गुमला, इश्तियाक अहमद को संयुक्त सचिव कार्मिक विभाग, विधानंद शर्मा को संयुक्त सचिव स्वास्थ्य विभाग, संगीता लाल को संयुक्त सचिव परिवहन विभाग, रोबिन टोप्पो को संयुक्त सचिव श्रम विभाग, नयनतारा केरकेट्टा को निदेशक प्रशासन कृषि विभाग, अरुण कुमार सिंह को संयुक्त सचिव ग्रामीण विकास विभाग, आलोक शिकारी कच्छप को परियोजना निदेशक समेकित जनजाति विकास अभिकरण खूंटी, अनिलसन लकड़ा को संयुक्त सचिव योजना एवं विकास विभाग, नागेंद्र पासवान को डीडीसी पूर्वी सिंहभूम (जमशेदपुर), सुबोध कुमार को संयुक्त सचिव मंत्रिमंडल निर्वाचन विभाग, आसिफ एकराम को निदेशक संस्कृति, नीरज कुमार सिंह को संयुक्त सचिव उद्योग विभाग, जुल्फिकार अली को संयुक्त सचिव नगर विकास विभाग तथा अर्चना मेहता को संयुक्त सचिव राज्यपाल सचिवालय बनाया गया है। बता दें कि इन सभी अधिकारियों को हाल ही में झारखंड प्रशासनिक सेवा से भारतीय प्रशासनिक सेवा में प्रोन्नति दी गई थी।

सेंट जेवियर्स कॉलेज में भारतीय रिजर्व बैंक का वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम

रांची (ससे) : भारतीय रिजर्व बैंक, रांची क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा अप-लिफ्ट कार्यक्रम के तहत सेंट जेवियर्स कॉलेज, रांची में छात्र-छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रिजर्व बैंक, रांची के क्षेत्रीय निदेशक प्रेम रंजन प्रसाद उपस्थित रहे।

उन्होंने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक ९ से १५ तक डिजिटल भुगतान जागरूकता सप्ताह मना रहा है, जिसका उद्देश्य डिजिटल लेन-देन को सुरक्षित और जिम्मेदार बनाना तथा साइबर धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के मनीवाइज कार्यक्रम के तहत साख फाउंडेशन के राज्य प्रमुख मनोज सिंह भी उपस्थित थे।

कार्यक्रम में छात्रों को केंद्रीय बैंक की भूमिका, बैंकिंग व्यवस्था, डिजिटल बैंकिंग और वित्तीय साक्षरता के महत्व की जानकारी दी गई। अंत में प्रतिभागियों के लिए प्रश्नोत्तरी आयोजित की गई, जिसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

रांची नगर निगम में सरहुल और ईद को लेकर बैठक

रांची (ससे) : झारखंड के प्रमुख पर्व सरहुल और ईद पर्व को लेकर रांची नगर निगम में प्रशासक सुशांत गौरव की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इसमें स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और जन-जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने की रणनीति पर चर्चा की गई। प्रशासक ने कहा कि सरहुल प्रकृति व पर्यावरण का पर्व है, जबकि ईद भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश देता है। ऐसे अवसरों पर लोगों की सहभागिता से स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश पूरे शहर में फैलाना आवश्यक है।

बैठक में दिए गए प्रमुख निर्देशों में उन्होंने कहा कि सभी आयोजन स्थलों व जुलूस मार्गों को सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त रखना, जीरो वेस्ट इवेंट की अवधारणा लागू करना, स्वच्छ फूड स्ट्रीट की व्यवस्था को बढ़ावा देना और खाद्य विक्रेताओं को स्वच्छता मानकों के पालन के लिए जागरूक करना होगा। इसके अलावा नागरिकों को थ्री आर केंद्रों के उपयोग के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आईईसी गतिविधियों के माध्यम से लोगों, दुकानदारों और स्वयंसेवी संगठनों को जागरूक किया जाएगा।

प्रशासक ने सभी संबंधित शाखाओं को निर्देश दिया कि सरहुल व ईद पर्व के अवसर पर स्वच्छता व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और जन-जागरूकता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। जिससे कि दोनों पर्व स्वच्छ, सुंदर और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हों। बैठक में अपर प्रशासक संजय कुमार और नगर निगम के विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

देवघर में एसीबी की छापेमारी, भू-अर्जन कार्यालय के दो कर्मी रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

देवघर (ससे) : देवघर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिला भू-अर्जन कार्यालय में छापेमारी की। इस दौरान दो कर्मियों को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए कर्मियों की पहचान निरंजन और नुनु देव के रूप में हुई है। एसीबी को शिकायत मिली थी कि रिंग रोड के लिए अधिग्रहित भूमि के मुआवजे की राशि जारी करने के बदले कमीशन की मांग की जा रही है। शिकायत की पुष्टि होने के बाद एसीबी की टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और दोनों कर्मियों को घूस लेते हुए पकड़ लिया। गिरफ्तारी के बाद एसीबी की टीम आगे की कानूनी प्रक्रिया में जुटी हुई है।

जामताड़ा में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक, 21 चालकों का लाइसेंस निलंबित

रांची (ससे) : जामताड़ा समाहरणालय सभागार में शुक्रवार को उपायुक्त एवं जिला दंडाधिकारी रवि आनंद (भा.प्र.से.) की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, वाहन जांच अभियान, हेलमेट और सीट बेल्ट के अनुपालन, ट्रिपल राइडिंग पर रोक तथा हिट एंड रन मामलों के निष्पादन सहित कई महत्वपूर्ण बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा को लेकर लोगों में व्यापक जागरूकता फैलाने और नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि बिना नंबर प्लेट, अनफिट वाहन और नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही जिले के सभी पेट्रोल पंपों पर नो हेलमेट नो पेट्रोल नियम का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

पुलिस, डीटीओ और एमवीआई द्वारा संयुक्त रूप से चलाए गए वाहन जांच अभियान के दौरान फरवरी माह में कुल ४४५ वाहनों की जांच की गई। इसमें नियम उल्लंघन करने वाले ६४ वाहनों से १०,४८,०५० रुपये का ऑनलाइन चालान किया गया। इसके अलावा ट्रिपल राइडिंग के ७ और बिना हेलमेट वाहन चलाने के १४ मामलों में कुल २१ दोपहिया चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निलंबित किए गए। बैठक में हिट एंड रन से जुड़े ३२ लंबित मामलों पर उपायुक्त ने नाराजगी जताई और सभी मामलों का जल्द निष्पादन करने का निर्देश दिया। साथ ही सड़क दुर्घटनाओं से जुड़े मामलों की जानकारी आईआरएडी पोर्टल पर समय पर अपडेट करने को कहा।

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि गोविंदपुर-साहेबगंज, मिहिजाम-जामताड़ा-दुमका तथा नाला-दुमका मार्ग के लाइन होटलों और ढाबों में उत्पाद विभाग द्वारा छापेमारी कर ९ स्थानों से अवैध शराब बरामद की गई और अभियोजन दर्ज किया गया।

उपायुक्त ने इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने दुर्घटना संभावित स्थानों पर आवश्यकतानुसार सुरक्षा साइनेज और स्पीड ब्रेकर लगाने के निर्देश दिए। साथ ही साइनेज चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराने को कहा। बैठक में अपर समाहर्ता पूनम कच्छप, एसडीओ अनंत कुमार, सिविल सर्जन डॉ. ए.पी.एन. देव, जिला परिवहन पदाधिकारी मुकेश कुमार, एमवीआई बरकत अंसारी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

पृष्ठ एक का शेषांश

पुलिस को सौंपे गए---

मुख्यमंत्री ने आम नागरिकों से अपेक्षा की कि वे कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सकारात्मक सहयोग करें। उन्होंने कहा कि पुलिस के साथ-साथ हम सभी नागरिकों की भी जिम्मेदारी है कि समाज में बढ़ती आपराधिक घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए जागरूकता बढ़ाएं, समय पर सूचना दें तथा पुलिस के साथ समन्वित सहयोग स्थापित करें। उन्होंने कहा कि जनता और पुलिस के बीच विश्वास, संवाद तथा सहयोग की कड़ी जितनी मजबूत होगी, राज्य की कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था उतनी ही सुदृढ़ होगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने विभिन्न क्षेत्रों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की कि वे निष्ठा, ईमानदारी तथा संवेदनशीलता के साथ राज्य की सेवा में अपना योगदान देंगे। समारोह में उपस्थित सभी पुलिसकर्मियों का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वे निष्ठा, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ जनसेवा को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करें तथा कमजोर और वंचित वर्गों की सुरक्षा को विशेष प्राथमिकता दें। झारखंड पुलिस के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल १२५५ पेट्रोलिंग वाहन और १६९७ दोपहिया वाहनों को स्वीकृति प्रदान की गई है। इन स्वीकृत वाहनों में से प्रथम चरण में ६३६ पेट्रोलिंग वाहन तथा ८४९ दोपहिया वाहन विभिन्न जिलों एवं पुलिस थानों को आवंटित किए जा रहे हैं। यह आधुनिक वाहन बेड़ा गश्ती, क्विक रिस्पॉन्स, ग्रामीण क्षेत्रों में गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की निगरानी और आपराधिक गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

झारखंड विधानसभा में---

इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए हमले और उसके बाद मध्य पूर्व एशिया में पैदा हुई अस्थिरता ने भारतीय अर्थव्यवस्था की कमजोरियों को उजागर किया है। उन्होंने इस बात को लेकर केंद्र सरकार की विदेश नीति की विफलता बताकर कहा कि इसका सीधा असर देश में महंगाई और पेट्रोलियम उत्पादों की उपलब्धता पर पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री अंसारी ने भी केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना कर कहा कि जब राज्य के मंत्री ही पेट्रोलियम संकट और गैस की कमी से जूझ रहे हैं, तब आम जनता की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र की नीतियों ने देश को ऐसी स्थिति में पहुंचा दिया है जहां लोगों को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी संघर्ष करना पड़ रहा है। वहीं विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी ने सत्तापक्ष के आरोपों को खारिज कर कहा कि गैस की किल्लत का मुद्दा केवल राजनीतिक लाभ के लिए उठाया जा रहा है।

संयुक्त अरब अमीरात---

के कारण समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ है। रिपोर्टों के अनुसार, ईरान द्वारा हॉर्मुज़ जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों पर लगाए गए प्रतिबंधों के कारण कार्गो परिवहन में काफी दिक्कतें आ रही थीं। इन प्रतिबंधों और वैश्विक संकट के बावजूद यूएई से भारत तक इस खेप का पहुंचना स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के लिए एक बड़ी राहत है।

वैश्विक संकट से---

संकट ने एक बार फिर दिखाया है कि किसी भी देश का आत्मनिर्भर होना इतना ज्यादा जरूरी क्यों है। इसलिए ही बीते सालों में हमने भारत को एनर्जी सेक्टर्स में आत्मनिर्भर बनाने के लिए होलिस्टिक तरीके से काम किया है। उन्होंने यह भी दोहराया कि हम इस वैश्विक संकट को भी पार कर लेंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी ने कहा कि मैं फिर दोहराउंगा जहां तक सरकार का प्रश्न है, हम किसी भी प्रकार के प्रयत्न या प्रयास में कोई कमी नहीं आने देंगे। हमारे हर फैसले में जनता का हित सर्वोपरि रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने एससी के---

विवाद हिंसक हो गया। अभियोजन के अनुसार, आरोपियों ने न केवल जातिसूचक गालियां दीं, बल्कि हथियारों का भी इस्तेमाल किया और फायरिंग की। घटना का वीडियो मौजूद होने की भी बात कही गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने लिया---

ने चिंता जताई कि संरक्षित क्षेत्र में रेत का परिवहन और खनन पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी यह धड़ल्ले से जारी है। रेत इस पूरे ईको-सिस्टम का आधार है। इसके हटने से घड़ियालों के प्रजनन और रहने की जगह खत्म हो रही है। अवैध खनन न केवल वन्यजीवों बल्कि पूरे पर्यावरण के संतुलन को बिगाड़ रहा है। १९७९ में अधिसूचित राष्ट्रीय चंबल अभयारण्य मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के त्रिकोणीय क्षेत्र पर स्थित है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के---

बुलाकर इस पर चर्चा की जाएगी और मुख्य चुनाव आयुक्त को अपना वकील रखने का हक होगा जो सदन के सामने उनका पक्ष रखेगा।

नियम ये है कि तीन लोगों की एक समिति बनेगी जिसमें एक सुप्रीम कोर्ट के जज, एक हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस और एक वरिष्ठ वकील या कानून के जानकार होते हैं। यही प्रक्रिया जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले में भी अपनाई गई और यही प्रक्रिया मुख्य चुनाव आयुक्त के महाभियोग के वक्त भी अपनाई जाएगी।

इजरायल-अमेरिका का---

फारस की खाड़ी में २८ भारतीय मर्चेंट शिप हैं। इन पर कुल ७७८ भारतीय नाविक काम कर रहे हैं। खाड़ी देश भारत के अहम ट्रेडिंग पार्टनर हैं। इस इलाके से हर साल करीब २०० बिलियन डॉलर का ट्रेड होता है। इसलिए, इस इलाके में अस्थिरता और सप्लाई चेन में रुकावटें भी भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। इससे पहले कांदिवली के महावीर नगर इलाके के रहने वाले ३२ साल के दीक्षित अमृतलाल सोलंकी की भी मौत हो गई थी। ओमान में मस्कट के पास ड्रोन हमले में अपने बेटे के मारे जाने की खबर मिलने के बाद पूरा सोलंकी परिवार टूट गया है। दीक्षित शिप पर क्रू मेंबर के तौर पर काम कर रहे थे। बहरहाल इस जंग में मुंबई के दो लोगों की मौत ने भारत सरकार समेत आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है।

पत्रकार सुरक्षा कानून, पेंशन व स्वास्थ्य बीमा को लेकर जेजेए विस के समक्ष देगा धरना

रांची (ससे) : झारखण्ड विधानसभा में भारती श्रमजीवी पत्रकार संघ एवं झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसियेशन के संस्थापक शाहनवाज हसन, आकाश कुमार सोनी, पंकज कुमार, ओमवीर सिंह ने पत्रकारों की लंबित मांगों को लेकर १८ को प्रस्तावित एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में शामिल होने के लिए मांगपत्र पूर्व मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, विधायक राज सिन्हा, विधायक नवीन जायसवाल, विधायक सरयू राय, विधायक अरूप चटर्जी, विधायक डॉ नीरा यादव, विधायक रागिनी सिंह एवं विधायक पूर्णिमा दास को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से कहा गया है कि जब 'लोकतंत्र' शब्द का व्युत्पत्तिगत विश्लेषण किया जाता है, तो इसका सीधा-सा अर्थ है जनता द्वारा शासित शासन प्रणाली। संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने लोकतंत्र की एक लोकप्रिय परिभाषा दी थी, 'जनता की, जनता द्वारा और जनता के लिए सरकार।'मीडिया का काम जनता के संदेश को निष्पक्ष और सटीक रूप से सरकार तक पहुंचाना है। किसी देश की लोकतांत्रिक स्थिति का आकलन आसानी से इस बात से किया जा सकता है कि वहां मीडिया की स्वतंत्रता है या नहीं और आम नागरिक को विचार की स्वतंत्रता प्राप्त है या नहीं। सैकड़ों सीमाओं के बावजूद, लोकतंत्र राजनीतिक संगठन की सबसे स्वीकार्य प्रणाली है।

महोदय, पत्रकारों के लिए जहां देशभर के राज्यों में कई कल्याणकारी योजनाएं चलायी जा रही हैं, वहीं झारखण्ड देश का एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां पत्रकारों के लिए राज्य सरकार द्वारा न ही स्वास्थ्य बीमा योजना लागू की गयी है और न ही पेंशन योजना ही लागू की गयी है। पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर विधानसभा में सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के विधायकों द्वारा अनेक बार प्रश्न उठाये गये हैं; उसके बावजूद राज्य सरकार द्वारा इस पर कोई पहल अब तक नहीं की गयी है।

झारखण्ड देश का एक मात्र ऐसा राज्य है, जहां सरकार के पास कोरोना से जान गंवानेवालों के कोई आंकड़े नहीं हैं और न ही उनके परिजनों को किसी प्रकार की कोई आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है।

जहां उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा कोविड से जान गंवानेवाले पत्रकारों के परिजनों को दस-दस लाख रुपये दिये गये, वहीं झारखण्ड सरकार ने फूटी कौड़ी नहीं दी।पत्रकार पेंशन योजना लागू होने के बावजूद झारखंड के सेवानिवृत्त पत्रकारों को अब तक पेंशन की राशि का भुगतान नहीं किया गया। झारखण्ड में पत्रकारों की हत्या एवं झूठे मुकदमों के आंकड़े काफ़ी भयावह हैं। जिन पत्रकारों की हत्याएं हुई हैं, उनमें से मात्र एक दिवंगत पत्रकार चंदन तिवारी की पत्नी को झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन के द्वारा किये गये लम्बे आन्दोलन एवं संघर्ष के उपरांत सरकारी नौकरी प्रदान की गयी। आंचलिक पत्रकारों के विरुद्ध अंचलाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं थाना प्रभारी भ्रष्टाचार से सम्बन्धित खबरें प्रकाशित करने पर झूठे मुकदमों में जेल भेजते आये हैं। ऐसे मामलों में जादूगोड़ा एवं हजारीबाग के बेकसूर पत्रकारों को झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन ने आन्दोलन के उपरांत न्याय मिला, परंतु कई ऐसे पत्रकार हैं, जो आज भी झूठे मुकदमों को झेल रहे हैं।

लोकतांत्रिक मूल्यों का समर्थन करनेवाले सभी राजनीतिक दलों, सांसदों, विधायकों, जन प्रतिनिधियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं से यह निवेदन है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ की रक्षा के लिए आप सभी झारखण्ड जर्नलिस्ट एसोसिएशन(श्रश्र।) द्वारा झारखण्ड विधानसभा के समक्ष १८ मार्च को प्रातः १०:०० बजे से दिये जानेवाले एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन में शामिल होकर अपना नैतिक समर्थन देने की कृपा करें। लोकतंत्र की रक्षा निष्पक्ष एवं सशक्त मीडिया के बिना संभव नहीं है।

जरूरत से अधिक एंटीबायोटिक का सेवन आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे आपको डायरिया जैसी पेट की बीमारियां हो सकती हैं। गलत एंटीबायोटिकलेना भी एक समस्या बन सकता है अगर आपको उस दवा से एलर्जी है तो।

ज्यादा एंटीबायोटिक लेने से हो सकती हैं पेट की गंभीर बीमारियां

रोजाना की दौड़ती-भागती जिंदगी में अक्सर हम लोग सरदर्द, पेटदर्द या बुखार होने पर बिना डॉक्टर की सलाह लिए कोई भी एंटीबायोटिक दवा ले लेते हैं और तबीयत ठीक होने पर अक्सर ऐसा करते रहते हैं लेकिन चिकित्सकों ने जरूरत से अधिक एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन करने पर डायरिया जैसी पेट की गंभीर बीमारियां होने की चेतावनी दी है। जरूरत से अधिक एंटीबायोटिक का सेवन आपके लिए नुकसानदायक साबित हो सकता है। इससे आपको डायरिया जैसी पेट की बीमारियां हो सकती हैं। गलत एंटीबायोटिकलेना भी एक समस्या बन सकता है अगर आपको उस दवा से एलर्जी है तो। किसी भी एंटीबायोटिक का गलत या जरूरत से अधिक इस्तेमाल कई परेशानियां खड़ी कर सकता है जैसे कि इंफेक्शन जल्दी ठीक न हो पाना आदि। इससे ऐंटीबायोटिक रेसिस्टेंट ऑर्गेज्मस भी विकसित हो सकते हैं। अगर आप बिना डॉक्टर की सलाह के कोइ ऐन्टीबायोटिक लगातार लेते रहेंगे तो यह खतरा बहुत बढ़ सकता है। वर्तमान में एंटीबायोटिक प्रतिरोधक क्षमता विश्व के सबसे बड़े स्वास्थ्य समस्याओं में से एक बन गयी है। हमें अधिक से अधिक लोगों को एंटीबायोटिक्स के सही उपयोग और उसके फंक्शन के बारे में बताना चाहिए ताकि इस समस्या का निदान हो सके। हमें इस समस्या को गंभीरता से लेने की जरूरत है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के मुताबिक, एंटीबायोटिक दवाएं, वायरस संक्रमण को रोकने और इलाज के लिए उपयोग की जाने वाली दवाएं हैं। एंटीबायोटिक प्रतिरोध तब होता है, जब इन दवाओं के उपयोग के जवाब में बैक्टीरिया अपना स्वरूप बदल लेता है। डब्लूएचओ) के मुताबिक, ''बिना जरूरत के एंटीबायोटिक दवा लेने से एंटीबायोटिक प्रतिरोध में वृद्धि होती है, जो कि वैश्विक स्वास्थ्य के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक है। एंटीबायोटिक प्रतिरोध संक्रमण से मरीज को लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने, इलाज के लिए अधिक राशि और बीमारी गंभीर होने पर मरीज की मौत भी हो सकती है।'' डब्लूएचओ के मुताबिक, एंटीबायोटिक प्रतिरोध संक्रमण किसी भी देश में किसी भी आयुवर्ग और किसी को भी प्रभावित कर सकता है। साथ ही जब बैक्टीरिया एंटीबायोटिक के प्रतिरोध हो जाता है तो आम से संक्रमण का भी इलाज नहीं किया जा सकता।

संतरे का जूस, पत्तेदार हरी सब्जियां खाने से बुढ़ापे में बनी रहेगी याददाश्त

जो पुरुष हरी पत्तेदार सब्जियां, गहरे नारंगी और लाल रंग वाली सब्जियां, बेरीज (स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी, ब्लूबेरी) खाते हैं तथा संतरे का जूस पीते हैं, उनके बुढ़ापे में याददाश्त खोने का खतरा कम हो जाता है। एक शोध से यह जानकारी मिली है।

शोध के निष्कर्षों से पता चलता है कि जो पुरुष बुढ़ापे से 20 साल पहले ज्यादा मात्रा में फल और सब्जियां खाते हैं, उनमें सोच और याददाश्त से जुड़ी परेशानियां कम होती हैं, चाहे वे बाद में अधिक मात्रा में फल और सब्जियां खाएं या नहीं।

जो पुरुष अधिक सब्जियों का सेवन करते हैं उनमें कमजोर सोच कौशल विकसित होने की संभावना उन पुरुषों की तुलना में 34 फीसदी कम होती है, जो कम मात्रा में सब्जियों का सेवन करते हैं। शोधकर्ताओं ने पाया कि जो पुरुष रोजाना संतरे का जूस पीते हैं उनमें कमजोर सोच कौशल विकसित होने की संभावना उन पुरुषों की तुलना में 47 फीसदी कम होती है, जो महीने में कम से कम एक बार भी संतरे के जूस का सेवन नहीं करते हैं। हावर्ड यूनिवर्सिटी के बोस्टन स्थित टी.एच.चान स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ के चांगझेंग यूआन ने कहा, ''इस शोध की सबसे खास बात यह थी कि हमने प्रतिभागियों का 20 साल की अवधि तक अध्ययन किया। हमारे शोध से इस संबंध में और पुख्ता सबूत सामने आएं हैं कि दिमाग को स्वस्थ रखने के लिए सही खानपान महत्वपूर्ण है।'' यह शोध न्यूरोलॉजी जर्नल में प्रकाशित किया है। यह शोध कुल 27,842 पुरुषों पर किया गया, जिनकी औसत उम्र 51 साल थी। इनमें 55 फीसदी प्रतिभागियों की अच्छी याददाश्य देखी गई, जबकि 38 फीसदी की ठीकठाक याददाश्त थी और केवल 7 फीसदी प्रतिभागियों की याददाश्त कमजोर थी।

सेहत के लिए बढिया नींद है बेहद जरूरी

अच्छी नींद के लिए न सिर्फ आपका स्लीपवेयर अहम भूमिका निभाता है, बल्कि इसके लिए तनाव मुक्त होना भी जरूरी है। अच्छी नींद के साथ आपकी त्वचा रिजुविनेट होती है। अच्छी नींद पाने के संबंध में ये सुझाव हैं

- स्कैल्प को ऐसी चीज की सहायता से हाइड्रेटेड रखना बेहद जरूरी है, जो इसे पोषण प्रदान करता हो। नियमित रूप से किया गया ट्रीटमेंट बालों के डैमेज कंट्रोल में अहम भूमिका निभाता है और आपको रूखे व दोमुंहे बालों से छुटकारा दिलाता है। बेहतर हेयर ट्रीटमेंट और सैटिन सॉफ्ट तकिए के इस्तेमाल से नींद अच्छी आती है।
- तनाव को कम करने व अच्छी नींद के लिए बालों को बांधकर लूज जूड़ा बना लें या ढीली चोटी बना लें।
- टी ट्री ऑयल से नियमित रूप से सिर की मालिश करने से रक्त परिसंचरण ठीक रहता है और बाल स्वस्थ रहने के साथ ही तनाव से भी छुटकारा मिलता है। बालों को पोषण मिलता है। हल्के हाथों से सिर का मसाज करने से अच्छी नींद आती है।
- रात में सोते समय स्टाइलिश और आरामदायक स्लीपवेयर पहनें। सर्द रातों के लिए सैटिन कपड़े वाला स्लीपवेयर उपयुक्त रहेगा। आप रंगीन व बेहतरीन प्रिंट वाले स्लीपवेयर पहन सकती हैं।

चेहरे पर सुबह-सुबह क्यों आती है सूजन

अक्सर सुबह कभी कभी उठकर चेहरे को आईने में देखने पर सूजन दिखाई देता है। यह समस्या बहुत ज्यादा लोगो के साथ होती है। ज्यादातर लोग इस सूजन का कारण नहीं समझ पाते हैं। यह सूजन थोड़ी देर के बाद हट जाती है।

- आज हम सुबह-सुबह चेहरे और आंखों के आसपास आने वाली सूजन के कुछ कारणों के बारे में बताने जा रहे हैं। आखिर चेहरे और आंखों के आसपास क्यों आती है सूजन, आइए जानते है।
- अधिक मात्रा में चीनी और नमक का सेवन करने से भी सुबह-सुबह चेहरे पर सूजन आ सकती है। अधिक मात्रा में चीनी और नमक का सेवन करने से शरीर में वाटर रिटेंशन की समस्या हो जाती है।
- वातावरण में फैला प्रदूषण, धूल मिट्टी के संपर्क में रहना, खाने से एलर्जी, इम्युनिटी पावर का कमजोर होना सूजन के कारण हो सकते हैं।
- इन चीजों के कारण छींक आना, नाक बहना, कफ का जमा होना, आंखों के साथ-साथ चेहरे पर भी सूजन दिखाई देने लगती है।
- जिन लोगों को साइनस की समस्या रहती है उनके चेहरे पर भी सुबह के समय सूजन दिखाई देती है। साइनस के कारण हवा की जगह कफ जमा होने लगता है जिससे साइनस बंद हो जाता है और चेहरे पर सूजन आ जाती है।

सिर्फ स्वाद के लिए नहीं है चॉकलेट बनाती है सेहत भी

अपनों के बीच खुशियां बांटना हो तो चॉकलेट से अच्छा ऑप्शन नहीं। चॉकलेट सिर्फ बच्चों की ही पसंददी नहीं बल्कि लेकर बडों को भी खूब भाती है। प्यार का इजाहर करना हो या रूठी गर्लफ्रेंड को मनाना हो तो चॉकलेट बेस्ट ऑप्शन है। खाना खाने के बाद कुछ मीठा खाना हो तो चॉकलेटअरे जनाब इस चॉकलेट सिर्फ रूठने-मनाने के काम ही नहीं आती। बल्कि इसमें सेहतभरे फायदे भी समाएं हैं जिन्हें जानकर आप हो जाएंगे हैरान.चॉकलेट कोको के बीजों से निर्मित एक कच्चा या संसाधित भोज्य पदार्थ है। कोको के बीजों का स्वाद अत्यन्त कडवा होता है। जो सेहत के लिए स्वास्थ्यवर्धक है। लेकिन ज्यादा मात्रा में चॉकलेट खाना हेल्थ के लिए अच्छा नहीं होता है। अगर थोडी मात्रा में चॉकलेट खाने पर यह दवा का काम करती है। तो आइये जानते हैं चॉकलेट खाने की खूबियों को बारे में। खांसी दे आराम-चॉकलेट खांसी में भी बहुत लाभकारी है। लंचन के चिकित्सा रिसर्च के अनुसार कोको में मिलने वाले थियोब्रोमाइन तत्व से भरपूर ऐसी चॉकलेट तैयार की है। जिसे खाकर खांसी से छुटाकारा पाया जा सकता है। इनमें मौजूद कोकोआ में फ्लैनेनॉल्स रहते हैं, जो रक्त नलिकाओं की कार्यप्रणाली को दुरूस्त रखते हैं। आपकी ब्लड वैसेल्स स्वस्थ होगी और सही ढंग से काम करेंगी, तो जाहिर है ब्लड प्रेशर, टाइप-2 डायबिटीज, किडनी प्रॉब्लम और डिमेंशिया जैसी बीमारियां आपसे दूरी बना कर रखेंगी। आप लम्बी आयु तक फिट एंड फाइन रहेंगी। चॉकलेट खाने से बॉडी एंडोफिजिन नाम का हार्मोन उत्सर्जित होता है। चॉकलेट खाने से दर्द कम होता है। यह एक तरह का पेनकिलर है। बॉडी को दे एनर्जी-जिन लोगों को अचानक चक्कर आने या ब्लड प्रेशर लो होने की परेशानी हो, उन्हें हमेशा अपने पास चॉकलेट रखना चाहिए।

आईपीएल2026 में ऋषभ पंत बने इतिहास के सबसे महंगे कप्तान

आईपीएल 2026 के सबसे महंगे कप्तान की सैलरी

नईदिल्ली (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग, आईपीएल 2026 का आगाज 28 मार्च से होने जा रहा है, जिसका पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। इस रोमांचक सीजन के शुरू होने से पहले ही खिलाड़ियों और खास तौर पर कप्तानों की सैलरी को लेकर बाजार गर्म है। इस बार के ऑक्शन और रिटेंशन के बाद कप्तानों की फीस के मामले में कई पुराने रिकॉर्ड टूट चुके हैं। आईपीएल 2026 के सबसे महंगे कप्तान के रूप में ऋषभ पंत ने अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करा लिया है, जिन्हें लखनऊ सुपर जायंट्स ने 27 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड तोड़ कीमत पर अपनी टीम की कमान सौंपी है। पंत न केवल इस सीजन के बल्कि आईपीएल इतिहास के अब तक के सबसे महंगे कप्तान और खिलाड़ी बन गए हैं।

कप्तानों की कमाई के मामले में श्रेयस अय्यर और पैट कमिंस भी रेस में आगे - सैलरी की इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर का नाम आता है, जिन्हें टीम ने 26.75 करोड़ रुपये की भारी-भरकम राशि के साथ अपना नेतृत्व सौंपा है। वहीं, पिछले सीजन में अपनी कप्तानी का लोहा मनवाने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के पैट कमिंस और चेन्नई सुपर किंग्स के युवा कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ 18-18 करोड़ रुपये की सैलरी के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर काबिज हैं। गुजरात टाइटंस ने भी अपने कप्तान शुभमन गिल पर पूरा भरोसा जताते हुए उन्हें 16.50 करोड़ रुपये की फीस दी है। इसके अलावा अन्य टीमों के कप्तानों की सैलरी भी उनकी ब्रांड वैल्यू और प्रदर्शन के आधार पर तय की गई है, जो इस टूर्नामेंट को और भी ग्लैमरस और हाई-प्रोफाइल बनाती है। सभी 10 टीमें अब अपने इन महंगे और दिग्गज कप्तानों के मार्गदर्शन में खिताबी जंग के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

विश्व कप में जगह बनाने के बाद भारतीय महिला टीम की नजरें एफआईएच क्वालीफायर जीतने पर

हैदराबाद (एजेंसी)। विश्व कप के लिये क्वालीफाई कर चुकी भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें अब ख्ढ्ढ॥ विश्व कप क्वालीफायर जीतने पर लगी है और इसके लिये शुक्रवार को इटली के खिलाफ सेमीफाइनल जीतना पहला कदम होगा। भारतीय महिला हॉकी टीम पूल बी में तीन मैचों में सात अंक लेकर शीर्ष पर रही। स्कॉटलैंड के भी सात अंक थे लेकिन गोल औसत में पिछड़ने के कारण वह दूसरे स्थान पर है।

भारत ने पूल चरण में दो मैच जीते और एक ड्रॉ खेला। इटली पूल ए में दूसरे स्थान पर रही जिसने एक मैच जीता, एक ड्रॉ खेला और एक गंवाया। भारत के लिए फॉरवर्ड नवनीत कौर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है जो अब तक चार गोल कर चुकी हैं। उन्होंने वेल्स के खिलाफ आखिरी पूल मैच में हैट्रिक लगाई थी। इटली की उम्मीदें फेडरिका कार्टा पर टिकी होंगी जो अब तक तीन गोल कर चुकी है। कागजों पर भारत का पलड़ा भारी लग रहा है। आमने सामने के मुकाबलों में दोनों टीमें 2012 से अब तक एक दूसरे के खिलाफ सात बार खेली हैं जिनमें से पांच भारत ने जीते, एक इटली ने और एक मैच ड्रॉ रहा। भारत के मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, एफआईएच हॉकी महिला विश्व कप 2026 में जगह बनाना इस टीम के लिये बड़ी उपलब्धि है। खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट में जिस तरह का प्रदर्शन किया, वह काबिले तारीफ है। उन्होंने कहा, हम यहां सिर्फ क्वालीफाई करने नहीं आए हैं। हम मैच दर मैच प्रदर्शन में सुधार करके टूर्नामेंट जीतना चाहते हैं। सेमीफाइनल एक और बड़ी चुनौती है और हम पूरे फोकस के साथ खेलेंगे।% मारिन ने कहा, इटली काफी प्रतिस्पर्धी टीम है और मजबूत टीमों को चुनौती देने में सक्षम है।

पाकिस्तानी स्पिनर अबरार अहमद को काव्या मारन की टीम ने करोड़ों में खरीदा...

भारतीय फैंस का फूटा गुस्सा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026- इंग्लैंड की मशहूर क्रिकेट लीग 'द हंड्रेड' के साल 2026 के ऑक्शन में एक ऐसा वाकया हुआ है जिसने भारतीय और पाकिस्तानी क्रिकेट गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। भारतीय कारोबारी समूह 'सन ग्रुप' की फ्रेंचाइजी सनराइजर्स लीड्स ने पाकिस्तान के 27 वर्षीय स्पिनर अबरार अहमद को भारी भरकम कीमत पर अपनी टीम में शामिल किया है। सन ग्रुप की मालकिन काव्या मारन की मौजूदगी में हुई इस नीलामी में अबरार को खरीदने के लिए सनराइजर्स लीड्स और ट्रेंट रॉकेट्स के बीच जबरदस्त होड़ देखने को मिली। अंततः सनराइजर्स ने 1

लाख 90 हजार पाउंड (लगभग 2.34 करोड़ रुपये) की ऊंची बोली लगाकर बाजी मार ली। यह सौदा इसलिए भी ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि साल 2009 के बाद यह पहली बार है जब किसी भारतीय मालिकाना हक वाली फ्रेंचाइजी ने किसी पाकिस्तानी खिलाड़ी पर दांव लगाया है।

अबरार अहमद का पुराना सोशल मीडिया इतिहास

हालांकि, अबरार अहमद का टीम से जुड़ना विवादों के घेरे में आ गया है। इस विवाद की मुख्य वजह अबरार अहमद का पुराना सोशल मीडिया इतिहास है। रिपोर्ट के अनुसार, अबरार ने ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीय सेना और विंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की घटना का जिक्र करते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी और भारतीय सेना का मजाक उड़ाया था। जैसे ही सनराइजर्स लीड्स ने उनकी खरीद की घोषणा की, सोशल मीडिया पर भारतीय फैंस का गुस्सा फूट पड़ा। लोग काव्या मारन और सन ग्रुप्स के इस फैसले की कड़ी आलोचना कर रहे हैं। फैंस का मानना है कि जिस खिलाड़ी ने देश की सेना का अपमान किया हो, उसे भारतीय स्वामित्व वाली टीम में जगह नहीं मिलनी चाहिए। यह विवाद इसलिए भी ज्यादा तूल पकड़ रहा है क्योंकि हाल ही में आईपीएल 2026 के दौरान कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान के बीच ऐसा ही कुछ देखने को मिला था। मुस्तफिजुर को केकेआर ने 9.20 करोड़ रुपये में खरीदा था, लेकिन बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए हमलों के विरोध में भारत में मचे बवाल के बाद बीसीसीआई के निर्देश पर उन्हें रिलीज कर दिया गया था। अब फैंस अबरार अहमद के मामले में भी वैसी ही नाराजगी जता रहे हैं।

कार्लोस अल्काराज लगातार पांचवीं बार इंडियन वेल्स के सेमीफाइनल में पहुंचे

इंडियन वेल्स (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने अपनी जीत का सिलसिला 16 मैचों तक बढ़ाया और गुरुवार को बीएनपी परीबा ओपन में लगातार पांचवें इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में पहुंचे। टॉप सीड खिलाड़ी ने कैमरन नॉरी के खिलाफ 6-3, 6-4 से जीत हासिल की, जिससे उन्होंने ब्रिटेन के खिलाड़ी से बदला ले लिया, जिसने उन्हें पिछले नवंबर में पेरिस में हराया था।

अल्काराज ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में नॉरी के बारे में कहा, मुझे उनके स्टाइल से बहुत दिक्कत होती है। हर बार जब मैं उनके खिलाफ खेलता हूं तो यह मेरे लिए हमेशा बहुत मुश्किल होता है। उनके स्टाइल, उनके (हैवी) टॉपस्पिन फोरहैंड, सुपर हाई के साथ यह थोड़ा कन्फ्यूजिंग है। और फिर बैकहैंड, बहुत फ्लैट और बहुत लो। कभी-कभी उनके खिलाफ खेलना मुश्किल होता है। मुझे सही शॉट मिल रहा है। मैंने अच्छा खेला। मैंने सॉलिड खेला। जब भी हो सका, मैंने एग्रेसिव खेला। मैं इस लेवल पर खेलकर खुश हूं।

अल्काराज और नॉरी ने पूरे मैच में मोमेंटम बदला, लेकिन स्पेन के खिलाड़ी ने ज़्यादातर अपना पलड़ा भारी रखा। पहला सेट आखिरी चार गेम में तीन बार सर्व ब्रेक के साथ खत्म हुआ। इसके बाद नॉरी ने दूसरे सेट में 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद अल्काराज ने लगातार चार गेम जीतकर जवाब दिया। 22 साल के खिलाड़ी ने 10 ब्रेक के मौके बनाए, जिनमें से चार को भुनाया। तेज बेसलाइन हिटिंग, हल्के ड्रॉप शॉट और शानदार नेट प्ले का मिक्स दिखाते हुए, दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी ने एक घंटे 33 मिनट में जीत हासिल की।

अल्काराज ने कहा, टेनिस लगभग आधे सेकंड में सही शॉट चुनने के बारे में है, जिन्होंने 19 फोरहैंड विनर के साथ गेम खत्म किया। कभी-कभी मैं शॉट मिस कर देता हूँ क्योंकि मैंने सही वाला नहीं चुना होता। मेरे दिमाग में, मेरे पास सात, पाँच ऑप्शन होते हैं, कभी-कभी मेरे लिए सही वाला चुनना मुश्किल होता है।

अपनी जीत के साथ, अल्काराज लगातार पांच इंडियन वेल्स सेमीफ़ाइनल में पहुंचने वाले तीसरे व्यक्ति बन गए, उनके हमवतन राफेल नडाल (2006-13) और विरोधी नोवाक जोकोविच (2011-16) ही उनसे आगे हैं। अल्काराज हेड2हेड सीरीज में नॉरी से 6-3 से आगे हैं। 26 बार के टूर-लेवल टाइटलिस्ट सेमीफाइनल में दानिल मेदवेदेव के खिलाफ अपने 6-2 के रिकॉर्ड को बेहतर करना चाहेंगे। अल्काराज ने मेदवेदेव के साथ अपने पिछले चार मुकाबले जीते हैं। अल्काराज ने 2023 और 2024 में इंडियन वेल्स का खिताब जीता, दोनों फाइनल में मेदवेदेव को हराया।

खुद को निखारने में लगे ऋषभ पंत, युवराज सिंह की देखरेख में ले रहे कड़ी ट्रेनिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत ने मुंबई में एक छोटे से कैंप में भारत के पूर्व बैटिंग ऑलराउंडर युवराज सिंह की देखरेख में अपनी ट्रेनिंग की कुछ झलकियां शेयर कीं। वह 28 मार्च से शुरू होने वाले आईपीएल 2026 से पहले अपने व्हाइट-बॉल करियर को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। पंत लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कप्तान हैं और 27 करोड़ रुपए की डील के साथ आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी हैं। जनवरी में वडोदरा में न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की वनडे सीरीज से ठीक पहले बैटिंग करते समय साइड स्ट्रेन (पसली में खिंचाव) का शिकार होने के बाद से कोई भी कॉम्पिटिटिव क्रिकेट नहीं खेले हैं।

ट्रेनिंग सेशन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है जिसमें पंत गेंदों का सामना करते हुए दिख रहे हैं, जबकि युवराज अंपायर की जगह से सब कुछ बहुत बारीकी से देख रहे हैं और उन्हें कुछ सलाह भी दे रहे हैं। युवराज की देखरेख में पंत के ये सेशन आज के जमाने के व्हाइट-बॉल क्रिकेट में सफल होने के लिए स्किल्स और टेंपरामेंट, दोनों पर केंद्रित थे। इस मामले से परिचित एक सूत्र ने गुरुवार को आईएएनएस को बताया, असल में ऋषभ अपने खेल को बेहतर बनाने और अपनी फिटनेस को सुधारने के लिए कड़ी प्रैक्टिस कर रहे हैं। अगर वीडियो को देखें तो कोई भी यह नोटिस कर सकता है कि वह अब पहले से ज्यादा दुबले भी हो गए हैं। वह अपने व्हाइट-बॉल खेल पर और ज्यादा काम करने के लिए बहुत उत्सुक थे और सिर्फ टी20 वाले पहलू पर ही नहीं।

उन्होंने कहा, इसलिए उन्होंने युवराज से संपर्क किया और कहा कि वह तीन-चार दिनों तक उनकी देखरेख में ट्रेनिंग करना चाहते हैं। इसके बाद उन्होंने मुंबई के सीसीआई मैदान पर ट्रेनिंग की जिसके बाद वह एलएसजी के चल रहे प्री-सीजन कैंप में शामिल होने के लिए चेन्नई रवाना हो गए; इसके बाद लखनऊ में एक और कैंप होगा। पंत 2024 पुरुषों के टी20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीमों के सदस्य रहे हैं। हालांकि उनका आईपीएल 2025 में प्रदर्शन निराशाजनक रहा। उन्होंने 14 मैचों में 133.16 के स्ट्राइक रेट से 269 रन बनाए, जो 2016 में इस प्रतियोगिता में डेब्यू करने के बाद से उनका सबसे कम स्कोर है। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ स्त्त के आखिरी लीग मैच में नाबाद 118 रन बनाने के बावजूद इससे टीम को कोई खास मदद नहीं मिली, क्योंकि वे पॉइंट्स टेबल में सातवें स्थान पर रहे।

कांप गए थे पाकिस्तानी खिलाड़ी, वर्ल्ड कप को याद कर बोले शाहिद अफरीदी

करांची (एजेंसी)। पूर्व पाकिस्तानी कप्तान शाहिद अफरीदी ने 2011 क्रिकेट वर्ल्ड कप के भारत-पाकिस्तान सेमीफाइनल से जुड़ा एक दिलचस्प और कम सुना गया किस्सा साझा किया है। अफरीदी के मुताबिक मोहाली में खेले गए उस हाई-प्रोफाइल मुकाबले में स्टेडियम का माहौल इतना दबावभरा था कि कुछ पाकिस्तानी बल्लेबाज क्रीज पर जाते समय घबराहट से कांपने लगे थे। उन्होंने बताया कि शुरुआत में पाकिस्तान की टीम अच्छी स्थिति में थी, लेकिन दर्शकों के जबरदस्त शोर और भारतीय टीम के उत्साह ने मैच की दिशा बदल दी।

पहला विकेट गिरते ही बदल गया मैच - अफरीदी के अनुसार, मैच का असली मोड़ तब आया जब पाकिस्तान का पहला विकेट गिरा। जैसे ही विकेट गिरा, स्टेडियम में मौजूद दर्शकों का शोर कई गुना बढ़ गया और भारतीय खिलाड़ियों का उत्साह भी साफ दिखाई देने लगा। इस माहौल ने पाकिस्तान के बल्लेबाजों पर मानसिक दबाव बढ़ा दिया। अफरीदी ने कहा कि उस समय क्रीज पर जाने वाले कुछ बल्लेबाज घबराहट महसूस कर रहे थे और हर गेंद को खेलना उनके लिए चुनौती बन गया था।

भारतीय दर्शकों का समर्थन बना बड़ा फैक्टर - अफरीदी ने माना कि उस मुकाबले में भारतीय दर्शकों का समर्थन घरेलू टीम के लिए बड़ी ताकत साबित हुआ। उन्होंने कहा कि जब किसी टीम को अपने फैंस से इतना जोरदार समर्थन मिलता है तो खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ जाता है। वहीं विपक्षी टीम पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। उनके मुताबिक, उसी माहौल ने भारतीय टीम को अतिरिक्त ऊर्जा दी और पाकिस्तान के खिलाड़ियों को दबाव में डाल दिया।

मोहाली का माहौल बना पाकिस्तान के लिए चुनौती

भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले हमेशा ही बेहद रोमांचक और दबाव से भरे होते हैं। 2011 वर्ल्ड कप का सेमीफाइनल भी ऐसा ही एक मैच था, जो पंजाब में खेला गया था। अफरीदी ने बताया कि उस दिन स्टेडियम में मौजूद भारतीय दर्शकों का जोश असाधारण था। हजारों की संख्या में मौजूद फैंस हर गेंद पर जोरदार शोर कर रहे थे, जिससे मैदान का माहौल बेहद तीव्र और दबावपूर्ण हो गया था। उनके अनुसार, यह शोर सिर्फ माहौल नहीं बना रहा था, बल्कि खिलाड़ियों की मानसिक स्थिति पर भी असर डाल रहा था।

पाकिस्तान की मजबूत शुरुआत

अफरीदी ने याद करते हुए कहा कि पाकिस्तान की पारी की शुरुआत काफी अच्छी रही थी। सलामी बल्लेबाज मो.हफीज औ कमरान अकमल ने मिलकर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई और शुरुआती विकेट गिरने से बचाए रखा। दोनों बल्लेबाजों ने लगभग 90 रन की साझेदारी की थी। उस समय तक कप्तान के रूप में अफरीदी को भरोसा था कि पाकिस्तान इस मैच में मजबूत स्थिति में है और जीत की ओर बढ़ सकता है।

न्यूजीलैंड के युवा तेज गेंदबाज का धमाकेदार प्रदर्शन, एक मैच में झटके 13 विकेट

ओटागो (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के युवा तेज गेंदबाज थॉमस ओ कार्नर ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए सुर्खियां बटोरी हैं। बाएं हाथ के इस सीमर ने प्लंकेट शील्ड मुकाबले में 13 विकेट लेकर अपनी टीम को बड़ी जीत दिलाई और साथ ही अपने पिता श्यान कार्नर के पुराने रिकॉर्ड को भी पीछे छोड़ दिया। ओटागो के लिए खेलते हुए थॉमस ने ऑकलैंड के खिलाफ दोनों पारियों में घातक गेंदबाजी की। उनके इस प्रदर्शन ने न सिर्फ टीम को जीत दिलाई बल्कि न्यूजीलैंड क्रिकेट में उनके उज्ज्वल भविष्य की भी मजबूत झलक दी।

प्लंकेट शील्ड में ऐतिहासिक गेंदबाजी - प्लंकेट शील्ड के छठे राउंड में ओटागो क्रिकेट टीम और ऑकलैंड क्रिकेट टीम के बीच खेले गए मुकाबले में थॉमस ओ-कॉनर ने बेहतरीन गेंदबाजी का प्रदर्शन किया। पहली पारी में उन्होंने 58 रन देकर 7 विकेट लिए, जो प्लंकेट शील्ड में ओटागो के लिए बेहतरीन गेंदबाजी आंकड़ों में से एक है। दूसरी पारी में भी उनका कहर जारी रहा और उन्होंने 27 रन देकर 6 विकेट हासिल किए। इस तरह पूरे मैच में 13 विकेट लेकर उन्होंने विपक्षी टीम की बल्लेबाजी लाइनअप को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया और ओटागो को तीन दिन के अंदर महत्वपूर्ण जीत दिलाने में बड़ी भूमिका निभाई।

पिता के रिकॉर्ड को किया पीछे - इस शानदार प्रदर्शन के साथ थॉमस ने अपने पिता शायन ओ कॉनर के करियर के सर्वश्रेष्ठ फर्स्ट-क्लास आंकड़ों को भी पीछे छोड़ दिया। शायन ओ कॉनर ने 1998-99 सीजन में एक मैच में 122 रन देकर 12 विकेट लिए थे। वहीं थॉमस ने इस मुकाबले में 13 विकेट लेकर परिवार के क्रिकेट इतिहास में नया अध्याय लिख दिया। यह प्रदर्शन 1989-90 के बाद ओटागो के लिए सबसे बेहतरीन मैच आंकड़ों में भी शामिल हो गया है।

बीसीसीआई ने आईपीएल 2026 से पहले सभी 10 फ्रेंचाइजियों के लिए जारी की सख्त गाइडलाइंस

नईदिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों के लिए नई और सख्त गाइडलाइंस जारी की हैं। इन नियमों का उद्देश्य टूर्नामेंट के दौरान पिचों की गुणवत्ता बनाए रखना और सभी टीमों को समान अवसर देना है। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि कोई भी टीम उस पिच पर अभ्यास नहीं कर सकेगी जिसका उपयोग विरोधी टीम पहले ही कर चुकी हो। इसके अलावा प्रैक्टिस मैच, नेट सेशन और पिच तैयार करने से जुड़े कई महत्वपूर्ण नियम भी लागू किए गए हैं।

विरोधी टीम के नेट इस्तेमाल करने पर रोक - नई गाइडलाइंस के अनुसार, किसी भी टीम को उस पिच पर ट्रेनिंग करने की अनुमति नहीं होगी जिसका इस्तेमाल पहले विरोधी टीम कर चुकी हो। बीसीसीआई ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि यदि दो टीमें एक के बाद एक अभ्यास कर रही हैं तो प्रत्येक टीम को अलग-अलग नेट और पिच उपलब्ध कराई जाए। यह नियम थ्रो-डाउन या हल्की प्रैक्टिस पर भी लागू होगा। यानी एक टीम के अभ्यास खत्म होने के बाद दूसरी टीम उसी नेट या पिच का उपयोग नहीं कर सकेगी।

जल्दी प्रैक्टिस खत्म होने पर भी नहीं मिलेगा फायदा - गाइडलाइंस में यह भी कहा गया है कि यदि कोई टीम अपना प्रैक्टिस सेशन तय समय से पहले खत्म कर देती है, तब भी दूसरी टीम को उसी पिच या रेंज-हिटिंग विकेट का इस्तेमाल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस नियम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी टीमों को अभ्यास के लिए समान और निष्पक्ष परिस्थितियां मिलें।

लाइट्स के नीचे प्रैक्टिस मैच पर भी सीमा - बीसीसीआई ने प्रैक्टिस मैचों के लिए भी स्पष्ट नियम तय किए हैं। यदि कोई टीम फ्लडलाइट्स के नीचे अभ्यास मैच खेलना चाहती है, तो उसकी अवधि साढ़े तीन घंटे से अधिक नहीं हो सकती। इसके अलावा हर फ्रेंचाइजी को अधिकतम दो प्रैक्टिस मैच खेलने की अनुमति दी गई है, लेकिन इसके लिए पहले बोर्ड को सूचित करना जरूरी होगा।

मैच पिच पर प्रैक्टिस पूरी तरह प्रतिबंधित - बोर्ड ने पिच की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए एक और अहम नियम लागू किया है। जिस पिच पर आधिकारिक मुकाबला खेला जाना है, उस पर किसी भी तरह का अभ्यास मैच या नेट सेशन नहीं होगा। इसके अलावा संबंधित फ्रेंचाइजी के पहले घरेलू मैच से चार दिन पहले तक मेन स्क्वायर पर किसी भी तरह की प्रैक्टिस गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी।

दोनों टीमों को मिलेंगे समान प्रैक्टिस संसाधन

नए नियमों के अनुसार, मैच से पहले अभ्यास के लिए दोनों टीमों को समान संसाधन दिए जाएंगे। प्रत्येक टीम को प्रैक्टिस के लिए दो नेट दिए जाएंगे, जबकि रेंज-हिटिंग के लिए मेन स्क्वायर पर एक अलग नेट उपलब्ध कराया जाएगा। इससे खिलाड़ियों को बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों तरह की तैयारी करने का पर्याप्त मौका मिलेगा।

शेड्यूल विवाद में मेहमान टीम को प्राथमिकता

अगर प्रैक्टिस शेड्यूल को लेकर किसी तरह का विवाद होता है, तो बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि मेहमान टीम को प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि घरेलू टीम को अपने पसंदीदा प्रैक्टिस सेशन चुनने का पहला अवसर मिलेगा, लेकिन यदि मेहमान टीम ने हाल ही में मैच खेला हो या लंबी यात्रा की हो, तो उसके अनुरोध पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी के मुरीद हुए पूर्व ऑस्ट्रेलियाई पीएम, कहा- उन्होंने खुद को सत्ता के अहंकार से बचाया हुआ है

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट ने दिल्ली में होने वाले 'रायसीना

डायलॉग' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह कार्यक्रम साल 2016 से हर मार्च में आयोजित हो रहा है। यह एक सोच का शानदार नतीजा है। एबॉट ने इसकी तुलना दुनिया के अन्य बड़े मंचों से की। उन्होंने इसे स्विट्जरलैंड के दावोस और चीन के बीओओ फोरम से बेहतर बताया। उनके अनुसार, रायसीना डायलॉग में केवल अमीर लोगों का बोलबाला नहीं रहता और न ही यह सिर्फ सरकार की तारीफ करने का जरिया है। भारत का यह मंच पूरी तरह स्वतंत्र है। प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करते हुए एबॉट ने कहा, मोदी दुनिया के सबसे शक्तिशाली नेताओं में से एक हैं। इसके बावजूद उनमें दूसरों को सुनने का बड़ा गुण है। वे हर साल मुख्य अतिथि को सुनने के लिए कार्यक्रम में बैठते हैं, लेकिन खुद भाषण नहीं देते। पिछले साल उन्होंने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री और इस साल किनलैंड के राष्ट्रपति को पूरे धैर्य के साथ सुना। एबॉट ने कहा कि शायद एक हिंदू संन्यासी के रूप में बिताए समय की वजह से मोदी में सत्ता का अहंकार नहीं आया है। वे एक दशक से ज्यादा समय से सत्ता में हैं, फिर भी बहुत विनम्र हैं। भारत में तानाशाही के आरोपों पर एबॉट ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने इन बातों को पूरी तरह बकवास बताया। उन्होंने कहा कि जिस देश में निष्पक्ष चुनाव होते हों और मीडिया व न्यायपालिका स्वतंत्र हो, वहां तानाशाही का कोई खतरा नहीं हो सकता। उन्होंने उदाहरण दिया कि रायसीना डायलॉग में इस्राइल और ईरान, दोनों के प्रतिनिधियों को अपनी बात रखने का पूरा मौका मिला। एबॉट खुद साल 2022 से इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी तानाशाह देश ऐसा खुला मंच तैयार नहीं कर सकता।

नेतन्याहू की ईरान को सीधी चेतावनी: मोजतबा खामेनेई की जान की कोई गारंटी नहीं

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान और उसके सहयोगी संगठनों को लेकर बेहद कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने गुरुवार को कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल का साझा सैन्य अभियान उम्मीद से कहीं बेहतर चल रहा है। वह पहले से कहीं ज्यादा मजबूत स्थिति में है। नेतन्याहू ने साफ शब्दों में चेतावनी दी कि ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई के लिए कोई लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) नहीं है। जब ने नेतन्याहू से पूछा गया कि क्या इस्राइल मोजतबा खामेनेई और हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम को निशाना बनाएगा, तो उन्होंने दोटूक जवाब दिया। उन्होंने कहा कि वह किसी भी आतंकी संगठन के नेता की सुरक्षा की कोई गारंटी नहीं ले सकते। गौरतलब है कि मोजतबा के पिता और ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल के साझा हमलों में मारे गए थे। इस्राइल ने 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ 'रोरिंग लायन' नाम से एक अभियान शुरू किया है। इस अभियान में अमेरिका भी शामिल है, जिसने इसे 'एपिक फ्यूरी' नाम दिया है। इस सैन्य कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं को रोकना, उसके मिसाइल कार्यक्रम को नष्ट करना और क्षेत्र में ईरान के मददगार गुटों को खत्म करना है। ईरान में सत्ता परिवर्तन के सवाल पर नेतन्याहू ने कहा कि अमेरिका और इस्राइल मिलकर ऐसे हालात पैदा कर रहे हैं, जिससे ईरान की जनता खुद इस क्रूर और तानाशाह शासन को उखाड़ फेंके। उन्होंने बताया कि इस्राइली सेना सड़कों और चेकपॉइंट्स पर रिवोल्यूशनरी गार्ड्स और बासिज बलों पर लगातार हमले कर रही है। नेतन्याहू ने ईरानी जनता को संबोधित करते हुए कहा कि आजादी का समय करीब आ रहा है और इस्राइल उनके साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि वे हवाई हमलों के जरिए ऐसे मौके बनाएंगे।

युद्ध से ईरान में मानवीय संकट गहराया: 32 लाख लोग विस्थापित, हमलों में कई अस्पताल भी हुए क्षतिग्रस्त

संयुक्त राष्ट्र, एजेंसी। अमेरिका और इस्राइल के लगातार हवाई हमलों के बीच ईरान में मानवीय संकट तेजी से गहराता जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी (यूएनएचसीआर) के अनुसार युद्ध शुरू होने के बाद से अब तक करीब 32 लाख लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हो चुके हैं, जिनमें बड़ी संख्या तेहरान और अन्य बड़े शहरों से सुरक्षित इलाकों की ओर पलायन कर रही है। एजेंसी ने चेतावनी दी है कि यदि हमले जारी रहे तो विस्थापन का यह आंकड़ा और तेजी से बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) ने गुरुवार को कहा कि 28 फरवरी को अमेरिका और इस्राइल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए सैन्य अभियान के बाद से अब तक लगभग 32 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं। एजेंसी के अनुसार यह संख्या करीब 6 लाख से 10 लाख ईरानी परिवारों के बराबर है। यूएनएचसीआर की अधिकारी अयाकी इतो ने कहा कि अधिकांश लोग तेहरान और अन्य बड़े शहरी इलाकों से निकलकर देश के उत्तरी हिस्सों और ग्रामीण क्षेत्रों की ओर जा रहे हैं, जहां वे अपेक्षाकृत सुरक्षित माहौल की तलाश कर रहे हैं। इतो ने कहा कि अगर युद्ध जारी रहता है तो विस्थापन का आंकड़ा और बढ़ सकता है, जिससे मानवीय

जरूरतों में चिंताजनक वृद्धि होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर युद्धविराम और तनाव कम करने की अपीलों के बावजूद अमेरिका और इस्राइल की सेनाएं ईरान में हमले जारी रखे हुए हैं। बृहस्पतिवार को राजधानी तेहरान समेत कई शहरों में जोरदार विस्फोटों की आवाजें सुनी गईं। पूर्वी तेहरान के एक प्रभावित इलाके में कई बहुमंजिला इमारतें बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं। अल जजीरा के संवाददाता तोहिद असदी ने बताया कि बचावकर्मी मलबे में दबे लोगों को निकालने के लिए लगातार राहत कार्य चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हमने मलबे से कई शव निकलते देखे।

ईरान ने भी अमेरिका-इस्राइल हमलों के जवाब में मध्य पूर्व में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और अन्य लक्ष्यों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमले किए हैं।इसके साथ ही ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया है, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग माना जाता है। इस जलमार्ग से दुनिया के कुल तेल परिवहन का लगभग एक-पांचवां हिस्सा गुजरता है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि यह मार्ग लंबे समय तक बंद रहता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति और ऊर्जा बाजार पर गंभीर असर पड़ सकता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आर्थिक और रणनीतिक तनाव और बढ़ने की आशंका है। ईरान के उप स्वास्थ्य मंत्री अली जाफरियान ने मीडिया से बातचीत में कहा कि हाल के दिनों में शहरी इलाकों पर हमलों के तेज होने के कारण घायलों की संख्या तेजी से बढ़ रही है।उन्होंने कहा कि घायल होने वालों में अधिकांश आम नागरिक हैं। जाफरियान के मुताबिक हमलों में 30 से अधिक अस्पताल और स्वास्थ्य केंद्र क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिससे चिकित्सा सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा है।

नेतन्याहू का दावा- इस्राइली हमलों में मारे गए ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक मोजतबा को बताया कठपुतली

यरुशलम, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गुरुवार देर रात एक चौंकाने वाला दावा किया। उन्होंने कहा कि ईरान के शीर्ष परमाणु वैज्ञानिक इस्राइली हमलों में मारे गए हैं। नेतन्याहू ने एक संवाददाता सम्मेलन में ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई को इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) की कठपुतली करार दिया। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बेंजामिन नेतन्याहू ने ईरान के नए सर्वोच्च नेता पर तीखा हमले करते हुए कहा कि वह सार्वजनिक रूप से दिखाई नहीं दे सकते। नेतन्याहू की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टीवी पर खामेनेई द्वारा जारी एक बयान के कुछ घंटों बाद आई है। इस बयान में मोजतबा ने ईरान की ओर से हमले जारी रखे जाने की बात कही थी।

ईरान की ओर से नहीं आया कोई आधिकारिक जवाब: ईरान की ओर से अभी तक इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि, यह उम्मीद की जा रही है कि तेहरान इन आरोपों का खंडन करेगा और इस्राइल पर पलटवार करेगा। ईरान के सरकारी मीडिया द्वारा जारी किए गए बयान और सर्वोच्च नेता के सार्वजनिक रूप से न दिखने की खबरें भी कई सवाल खड़े करती हैं। ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई ने अमेरिका और इस्राइल के साथ जारी जंग के बीच गुरुवार को पहला बयान जारी किया। हालांकि, इस बयान को उन्होंने खुद कैमरे पर नहीं पढ़ा। उनके इस बयान को सरकारी टेलीविजन पर एक समाचार एंकर ने पढ़ा। मोजतबा खामेनेई के बयान में कहा गया, 'ईरान अपने पड़ोसी देशों के साथ मित्रता चाहता है। तेहरान अब केवल अमेरिका के ठिकानों को निशाना बना रहा है, जिस पर हमले जारी रहेंगे।' मोजतबा खामेनेई ने देश से एकजुटता आह्वान करते हुए कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद रखा जाएगा।

गहराएगा पश्चिम एशिया संकट: इराक में ड्रोन हमले में फ्रांसीसी सैनिक की मौत, कई घायल

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में धधक रहा युद्ध अब खतरनाक रूप से फैलता नजर आ रहा है। लगातार हो रहे हमलों और जवाबी कार्रवाई ने पूरे क्षेत्र को बारूद के ढेर पर बैठा दिया है। इसी बीच इराक के कुर्द इलाके एरबिल में हुए घातक हमले ने हालात की गंभीरता और बढ़ा दी, जहां एक फ्रांसीसी सैनिक की मौत हो गई। इस बात की जानकारी फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने शुक्रवार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट के जरिए दी। मैक्रों ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह हमला अस्वीकार्य है। उन्होंने मृतक सैनिक के परिवार और साथियों के प्रति गहरी संवेदना और एकजुटता व्यक्त की। बता दें कि मृतक सैनिक की पहचान फ्रांस के 7वें अल्पाइन शासर बटालियन के वारंट ऑफिसर आनीं फ्रियोन के रूप में हुई है। राष्ट्रपति मैक्रों ने बताया कि इस हमले में कई अन्य फ्रांसीसी सैनिक भी घायल हुए हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस अपने सैनिकों और उनके परिवारों के साथ खड़ा है और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे। अपने पोस्ट में मैक्रों ने स्पष्ट किया कि फ्रांसीसी सैनिक 2015 से आईएसआईएस के खिलाफ लड़ाई में शामिल हैं और उनकी मौजूदगी केवल आतंकवाद के खिलाफ अभियान तक सीमित है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में युद्ध या किसी अन्य क्षेत्रीय संघर्ष को इस हमले का औचित्य नहीं बनाया जा सकता।

राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि फ्रांस ऐसे हमलों को कभी बर्दाश्त नहीं करेगा और अपने सैनिकों के खिलाफ किसी भी हिंसक कार्रवाई का जवाब देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद से लड़ाई में फ्रांस की प्रतिबद्धता अडिग है और उनकी सेनाएं पूरी जिम्मेदारी और साहस के साथ मिशन को जारी रखेंगी। रिपोर्ट के अनुसार एरबिल में तैनात फ्रांसीसी सैनिकों को निशाना बनाकर ड्रोन से हमला किया गया। इस हमले में पहले छह फ्रांसीसी सैनिक घायल हो गए थे।

फिर बढ़ा टैरिफ का खतरा: अमेरिका ने भारत समेत 16 व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ शुरू की जांच

वाशिंगटन, एजेंसी। वैश्विक व्यापार में एक बार फिर तनाव बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। मौजूदा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत समेत 16 प्रमुख व्यापारिक साझेदार देशों के खिलाफ नई जांच शुरू की है। अमेरिका का आरोप है कि इन देशों की व्यापारिक नीतियां अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचा रही हैं और इससे अमेरिकी बाजार पर दबाव बढ़ रहा है। यह जांच 1974 के अमेरिकी व्यापार अधिनियम की धारा 301 के तहत की जा रही है। यह वही कानून है जिसके तहत अमेरिका किसी देश की व्यापारिक नीतियों को अनुचित मानते हुए एकतरफा टैरिफ बढ़ा सकता है। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि इस जांच का मकसद यह पता लगाना है कि इन देशों की नीतियां अमेरिकी व्यापार के लिए नुकसानदेह हैं या नहीं।

अमेरिका ने जिन देशों के खिलाफ जांच शुरू की है उनमें भारत, चीन, बांग्लादेश, कंबोडिया, यूरोपीय संघ, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मेक्सिको, नॉर्वे, सिंगापुर, स्विट्जरलैंड, ताइवान, मलयेशिया, थाईलैंड और वियतनाम शामिल हैं। अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि इन देशों की औद्योगिक नीतियों के कारण वैश्विक बाजार में

अत्यधिक उत्पादन हो रहा है और इसका असर अमेरिकी उद्योगों पर पड़ रहा है।

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि जांच का मुख्य उद्देश्य यह पता लगाना है कि इन देशों की नीतियां अमेरिकी कंपनियों के लिए अनुचित या भेदभावपूर्ण तो नहीं हैं। इसके साथ ही यह भी देखा जाएगा कि क्या इन नीतियों के कारण अमेरिकी व्यापार पर बोझ पड़ रहा है या उसका विस्तार सीमित हो रहा है। जांच में विनिर्माण क्षेत्र में अतिरिक्त उत्पादन और क्षमता से जुड़े मुद्दों पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

अमेरिकी प्रशासन का कहना है कि वह अपने औद्योगिक आधार को कमजोर नहीं होने देगा। अधिकारियों के मुताबिक कई देशों में अतिरिक्त उत्पादन को अमेरिकी बाजार में निर्यात किया जा रहा है। इससे अमेरिकी कंपनियों को नुकसान हो रहा है। इसलिए ट्रंप प्रशासन नए टैरिफ लगाने के विकल्पों पर भी विचार कर रहा है ताकि घरेलू उद्योगों को संरक्षण मिल सके। इस जांच प्रक्रिया के तहत 17 मार्च से टिप्पणियां दर्ज की जाएंगी। 15 अप्रैल तक कंपनियां और आम लोगों से सुझाव मांगे गए हैं। इसके बाद 5 मई के बाद सार्वजनिक सुनवाई की जाएगी। माना जा रहा है कि जुलाई में अस्थायी टैरिफ समाप्त होने से पहले ही जांच के नतीजे और संभावित नए टैरिफ प्रस्ताव सामने आ सकते हैं।

ईरान का दावा- इराक में मार गिराया अमेरिकी रिफ्यूलिंग विमान, अमेरिका ने नकारा

बगदाद, एजेंसी। ईरान के सरकारी मीडिया ने ईरान के सैन्य केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता का हवाला देते हुए दावा किया है कि पश्चिमी इराक में सक्रिय विद्रोही गुटों ने अमेरिका के एक सैन्य विमान को मिसाइल से मार गिराया है। यह विमान एक रिफ्यूलिंग विमान था। प्रेस टीवी की रिपोर्ट के अनुसार, इस घटना में विमान में सवार सभी छह सैनिकों की मौत हो गई है। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के जनसंपर्क विभाग ने एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया कि रेजिस्टेंस फ्रंट के एयर डिफेंस सिस्टम ने बोइंग케이-135 स्ट्रैटोटैंकर को उस समय निशाना बनाया, जब वह एक लड़ाकू विमान में ईंधन भर रहा था। दूसरी ओर, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने विमान के गिरने की बात तो मानी है, लेकिन किसी भी तरह के हमले से साफ इनकार किया है। अमेरिकी सेना ने एक प्रेस रिलीज जारी कर बताया कि 'ऑपरेशन एपिक

फ्यूरी' के दौरान उनका एक बोइंग케이-135 विमान इराक के ऊपर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी दी कि यह घटना मित्र देश के हवाई क्षेत्र में हुई। इस अभियान में दो विमान शामिल थे। इनमें से एक विमान पश्चिमी इराक में गिर गया, जबकि दूसरा विमान सुरक्षित उतरने में कामयाब रहा। अमेरिकी सेना ने स्पष्ट किया कि यह हादसा किसी दुश्मन की गोलीबारी की वजह से नहीं हुआ है। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल मौके पर बचाव कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे स्थिति साफ होगी, और जानकारी दी जाएगी। सेना ने सैनिकों के परिवारों की निजता का सम्मान करने और धैर्य बनाए रखने की अपील की है। इस बीच, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी ईरान के साथ चल रहे हालातों पर अपनी बात रखी। व्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि ईरान के साथ स्थिति बहुत तेजी से बदल रही है। उन्होंने अमेरिकी सेना की ताकत की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि हमारी सेना जैसी दुनिया में कोई दूसरी ताकत नहीं है। ट्रंप ने संकेत दिया कि उनकी सरकार अब वे कदम उठा रही है, जो दशकों पहले उठाए जाने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि उनके पहले कार्यकाल में सेना को मजबूत करने के लिए जो काम किए गए, उसी का नतीजा है कि आज अमेरिकी सेना इतनी मजबूती से काम कर रही है। सेना पर इतनी निर्भरता बढ़ेगी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हालातों को देखते हुए मजबूत सेना बहुत जरूरी हो गई है।

ब्रिटेन: मेटा-यूट्यूब पर बच्चों से दूरी बनाने का दबाव, ऑस्ट्रेलिया में कानून के बाद संस्थाओं ने चेताया

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन के मीडिया और गोपनीयता नियामकों ने प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को अपनी सेवाओं से दूर रखने के लिए और अधिक कदम उठाने की मांग की। उन्होंने चेताया कि कंपनियां अपने ही न्यूनतम आयु नियमों को लागू करने में विफल रही हैं। इन सोशल मीडिया कंपनियों में मेटा, टिकटॉक, स्नैप और यूट्यूब शामिल हैं, जिनकी बहुतायत सामग्री में अश्लीलता देखी जा रही है। ऑस्ट्रेलिया में सख्त कानून लागू होने के बाद यह मांग जोर पकड़ रही है। ब्रिटेन सरकार 16 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को ऐसे प्लेटफॉर्मों से प्रतिबंधित करने पर विचार कर रही है। ऑस्ट्रेलिया द्वारा उठाए गए कदमों के बाद ब्रिटेन में गोपनीयता नियामक ऑफकॉम और सूचना आयुक्त कार्यालय ने कहा कि वे एल्गोरिथम फीड्स को लेकर चिंतित हैं जो बच्चों को हानिकारक या व्यसनकारी सामग्री के संपर्क में लाते हैं। आईसीओ ने इन प्लेटफार्मों को खुला पत्र जारी कर उनसे 13 वर्ष से कम आयु के लोगों को सेवाओं तक पहुंचने से रोकने के लिए आधुनिक, व्यवहार्य आयु-सुनिश्चितता उपकरणों को अपनाने का आह्वान किया है। ब्रिटेन के ऑनलाइन सुरक्षा अधिनियम के नवीनतम कार्यान्वयन चरण में ऑफकॉम ने मेटा के स्वामित्व वाली फेसबुक और इंस्टाग्राम और साथ ही रोब्लॉक्स, स्नैपचैट, बाइटडांस के टिकटॉक और अल्फाबेट के यूट्यूब को 30 अप्रैल तक यह दिखाने को कहा है कि वे आयु सांच को कैसे सख्त करेंगे। उसने अजनबियों को बच्चों से संपर्क करने से रोकने और फीड को सुरक्षित बनाने तथा नाबालिगों पर नए उत्पादों का परीक्षण बंद करने संबंधी उपाय बनाने के निर्देश दिए हैं।

युद्ध का पर्यावरण पर बड़ा असर: इस्राइल-गाजा संघर्ष से 3.3 करोड़ टन कार्बन उत्सर्जन, जलवायु संकट का सच

इजराइल-गाजा, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी इस्राइल-गाजा संघर्ष का असर केवल इंसानों और अर्थव्यवस्था तक सीमित नहीं है। इस युद्ध का पर्यावरण पर भी गंभीर प्रभाव पड़ा है। एक नए अध्ययन में सामने आया है कि इस संघर्ष से अब तक लगभग 3.3 करोड़ मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर उत्सर्जन हो चुका है। अध्ययन के अनुसार यह मात्रा इतनी बड़ी है कि इसे जॉर्डन के पूरे साल के कार्बन उत्सर्जन के बराबर माना जा सकता है। इतना ही नहीं, यह लगभग 76 लाख कारों से एक साल में निकलने वाले धुएं के बराबर है। इसके अलावा यह उतनी कार्बन मात्रा के बराबर है जितनी 3.31 करोड़ एकड़ जंगल एक साल में अवशोषित कर सकते हैं। इस विषय पर एक विस्तृत अध्ययन वैज्ञानिक जर्नल वन अर्थ में प्रकाशित हुआ है। इस शोध को लैंकेस्टर यूनिवर्सिटी और क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के शोधकर्ताओं ने मिलकर तैयार किया है। शोध में युद्ध से जुड़े विभिन्न स्रोतों से होने वाले कार्बन उत्सर्जन का विस्तृत विश्लेषण किया गया है। अध्ययन के अनुसार केवल सक्रिय सैन्य अभियानों से ही 13 लाख मीट्रिक टन से अधिक कार्बन डाइऑक्साइड का उत्सर्जन हुआ है। इसमें तोपखाने, रॉकेट, मिसाइल और अन्य सैन्य उपकरणों के इस्तेमाल से निकलने वाली ग्रीनहाउस गैसें शामिल हैं।

ईरान की आग लगाने की धमकी से दहला तेल बाजार

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया इन दिनों बारूद के ढेर पर खड़ा है। पिछले दो हफ्तों से जारी भीषण सैन्य टकराव ने पूरी दुनिया की ऊर्जा सुरक्षा को हिला कर रख दिया है। हालात तब और भड़क उठे जब ईरान ने खुलेआम चेतावनी दे डाली कि उसके ऊर्जा ठिकानों पर हमला हुआ तो वह पूरे क्षेत्र के तेल और गैस ढांचे को आग के हवाले कर देगा। इस धमकी ने वैश्विक तेल बाजार में हड़कंप मचा दिया है और सप्लाई ठप पड़ने का डर और गहरा गया। इसी बढ़ते संकट के बीच अब अमेरिका ने अचानक रुख बदलते हुए दूसरे देशों को रूसी तेल खरीदने के लिए अस्थायी मंजूरी देने का फैसला किया है। अमेरिकी वित्त मंत्रालय ने नोटिस जारी कर जानकारी दी कि 12 मार्च को सुबह 12.01 बजे या उससे पहले

जहाजों पर लादे गए रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों से संबंधित लेनदेन की अनुमति दी गई है, और यह आदेश 11 अप्रैल तक प्रभावी रहेगा। यह फैसला उस समय आया है जब बीते 14 दिनों से अमेरिका और इस्राइल का ईरान के बीच चल रहे संघर्ष के जल्द खत्म होने के संकेत भी नहीं मिल रहे हैं, इसलिए तेल आपूर्ति को लेकर चिंता और बढ़ गई है।

बता दें कि इससे पहले अमेरिका भारत को भी इसी तरह की छूट दे चुका है। 5 मार्च को अमेरिका ने भारत को 30 दिनों की विशेष अनुमति दी थी, जिसके तहत भारत रूस से तेल खरीद सकता है। ट्रंप प्रशासन ने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया था ताकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की सप्लाई बनी रहे और कीमतों पर दबाव कम हो।

अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि ट्रंप प्रशासन वैश्विक ऊर्जा बाजार में स्थिरता बनाए रखने के लिए तेजी से फैसले ले रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान से पैदा हो रहे खतरे और अस्थिरता से भी निपटने की कोशिश कर रहा है। बेसेंट ने यह भी स्पष्ट किया कि यह अनुमति सिर्फ उस रूसी तेल पर लागू होगी जो पहले से जहाजों में लोड होकर समुद्र में जा रहा है।

उन्होंने कहा कि यह फैसला सीमित समय के लिए है और इससे रूस को बड़ा आर्थिक फायदा नहीं होगा, क्योंकि रूस को ऊर्जा से होने वाली ज्यादातर कमाई तेल के उत्पादन के समय लगने वाले टैक्स से मिलती है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप सरकार की ऊर्जा नीतियों के कारण अमेरिका में तेल और गैस का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इससे अमेरिकी नागरिकों के लिए ईंधन की कीमतें कम रखने में मदद मिली है।अमेरिकी सरकार का कहना है कि फिलहाल तेल की कीमतों में जो बढ़ोतरी हुई है वह अस्थायी है और लंबे समय में इसका फायदा अमेरिका की अर्थव्यवस्था को मिलेगा। संघर्ष के बीच ईरानी सेना के केंद्रीय ऑपरेशन कमांड खातम अल-अंबिया के प्रवक्ता ने कहा अगर ईरान के ऊर्जा ठिकानों या बंदरगाहों पर हमला हुआ तो हम पूरे क्षेत्र के तेल और गैस ढांचे को आग लगा देंगे। इस बयान के बाद दुनिया भर के तेल बाजार में घबराहट बढ़ गई।

पापमोचनी एकादशी पर अद्भुत संयोग

पापमोचनी एकादशी का व्रत हर साल चैत्र कृष्ण पक्ष की एकादशी को रखा जाता है. इस दिन भगवान विष्णु की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है. मान्यता है कि इस दिन विधि-विधान से व्रत रखने और भगवान विष्णु की पूजा करने से जीवन के सभी पाप नष्ट हो जाते हैं. इसके अलावा भगवान विष्णु की उपासना से जीवन में आ रही परेशानियों से भी मुक्ति मिलती है. यही वजह है कि श्रद्धालु इस दिन निष्ठापूर्वक व्रत रखकर श्रीहरि की विशेष पूजा-अर्चना करते हैं. हिंदू पंचांग के अनुसार, इस साल चैत्र शुक्ल एकादशी तिथि 15 मार्च 2026 को पड़ रही है.

पापमोचनी एकादशी उपाय

गेंदा फूल के उपाय- पापमोचनी एकादशी पर गेंदे के पीले फूल के उपाय बेहद शुभ और मंगलकारी होते हैं. इसलिए इस दिन गेंदे के फूलों से अपने पूजा घर, रसोई और तुलसी के पौधे को सजाएं. यह उपाय घर को बुरी शक्तियों से बचाता है और परिवार में खुशहाली लाता है. अगले दिन इन फूलों को सम्मानपूर्वक किसी बहते जल में प्रवाहित कर दें.

दीपक से जुड़े उपाय- धन की देवी मां लक्ष्मी की कृपा पाने के लिए एकादशी की शाम को अपने घर के मुख्य द्वार पर 9 बत्तियों वाला घी का दीपक जलाएं. मान्यता है कि 9 बत्तियों का प्रकाश लक्ष्मी जी को आकर्षित करता है, जिससे घर में सुख-संपदा बढ़ती है और दरिद्रता का नाश होता है.

विष्णु सहस्रनाम के उपाय- अनजाने में हुए पापों से मुक्ति पाने के लिए एकादशी के दिन प्रदोष काल (सूर्यास्त के समय) में एक शुद्ध घी का दीपक जलाएं. उस दीपक के पास बैठकर विष्णु सहस्रनाम का पाठ करें. इस उपाय से हर प्रकार के मानसिक और शारीरिक पापों से मुक्ति मिलती है.

चावल का गुप्त उपाय- वैसे तो शास्त्रों में एकादशी के दिन चावल खाना वर्जित माना गया है. लेकिन इसका दान और प्रयोग शुभ होता है. ऐसे में पूजा के दौरान थोड़े से अक्षत (चावल) रखकर उसके ऊपर दीपक जलाएं. जब दीपक पूरी तरह से शांत हो जाए, तो उन चावलों को एक लाल रंग की छोटी पोटली में बांध लें. इसके बाद इस पोटली को अपनी तिजोरी या धन स्थान पर रखें. ऐसा करने से जीवन में कभी भी धन की कमी नहीं होती.

'तुलसी-कलावा' के उपाय- अगर पति-पत्नी के बीच अनबन रहती है या प्रेम की कमी है, तो एकादशी की सुबह स्नान के बाद दोनों मिलकर तुलसी के पौधे पर एक साथ कलावा (मौली) बांधें. यह छोटा सा कार्य रिश्तों में मधुरता लाता है, आपसी कलह को समाप्त करता है, जिससे वैवाहिक जीवन को सुखमय बना रहता है.

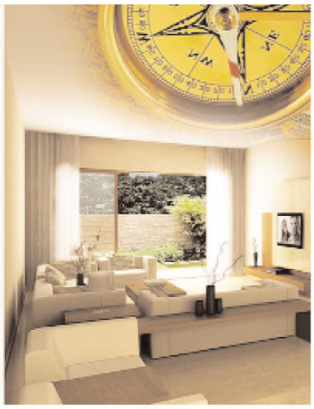

घर का सबसे पवित्र स्थान होता है ईशान कोण कुछ विशेष बातों का रखें ध्यान

ईशान कोण घर की उत्तर पूर्व दिशा होती है। वास्तु के अनुसार और ज्योतिष के अनुसार यह घर का सबसे पवित्र स्थान होता है जिसमें ईश्वर का निवास स्थान होता है। ऐसा माना जाता है कि घर के ईशान कोण को हमेशा साफ सुथरा रखना चाहिए जिससे घर में माता लक्ष्मी का वास ही। वास्तु के अनुसार इस स्थान के लिए कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना जरूरी है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शिव का एक नाम ईशान भी है।

भगवान शिव का आधिपत्य उत्तर-पूर्व दिशा में होता है। इसलिए घर में भी इस दिशा को मंदिर या पूजा के लिए ही इस्तेमाल किया जाता है। वहीं वास्तु के अनुसार कुछ चीजें घर के ईशान कोण में भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए अन्यथा आर्थिक हानि होने के साथ घर का विनाश भी निश्चित है। आइए वास्तु विशेषज्ञ, न्यूमेरोलॉजिस्ट और टैरो कार्ड रीडर, मधु कोटिया जी से जानें कि घर के ईशान कोण में क्या होना चाहिए और किन चीजों को इस दिशा में रखने से बचना चाहिए।

न रखें भारी सामान

वास्तु की मानें तो आपको भूलकर भी घर के ईशान कोण में कोई भी भारी चीज नहीं रखनी चाहिए। ऐसा माना जाता है कि यदि आप इस स्थान पर भारी चीज रख देते हैं तो आपकी एनर्जी फ्लो नहीं करती है तो आपको आर्थिक हानि हो सकती है। इसलिए इस स्थान पर भारी अलमारी, स्टोर रूम आदि बनाने से बचें। इस स्थान में कोई भी भारी सामान रखने से नकारात्मक ऊर्जा बढ़ने लगती है।

जूते चप्पल न रखें

कभी भी ईशान कोण में जूते चप्पल नहीं रखने चाहिए। ऐसा माना जाता है कि घर का यह कोना सबसे पवित्र होता है और यह ईश्वर का स्थान माना जाता है। इसलिए आप कभी भी इस जगह पर जूते चप्पल या फिर कूड़ा कचरा इकट्ठा न करें। ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगती है।

इस स्थान पर न बनाएं वॉशरूम

घर के उत्तर पूर्व कोने में यानी कि ईशान कोण में भूलकर भी आपको बाथरूम नहीं बनाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि घर के इस कोने में भगवान का निवास स्थान है और उसी जगह पर वॉशरूम बनाने से आपको शारीरिक समस्याएं झेलनी पड़ सकती हैं। ऐसा करने से आपका सारा जमा किया गया धन व्यर्थ की बीमारियों में लगने लगता है और बहुत जल्द ही घर की आर्थिक स्थिति बिगड़ने लगती है। ऐसा करने से आप कभी भी पैसा नहीं बचा पाते हैं।

बेडरुम न बनाएं

कभी भी आपको घर के ईशान कोण में खासतौर पर कपल्स का बेड रूम नहीं बनाना चाहिए। ऐसा करने से आपसी रिश्तों में मन मुटाव होता है और व्यर्थ की समस्याएं बढ़ने लगती हैं। दरअसल ऐसा इसलिए होता है क्योंकि घर के ये कोना सीधे तौर पर भगवान शिव का स्थान माना जाता है और इस स्थान पर बेडरूम बनाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आती है।

घर के ईशान कोण पर क्या रखें

- अगर आप घर की खुशहाली चाहते हैं तो आपको घर के ईशान कोण पर हमेशा पूजा का स्थान बनाना चाहिए। इस स्थान पर की गयी पूजा हमेशा ईश्वर को स्वीकार्य होती है और इससे घर की सुख समृद्धि भी बनी रहती है।
- ईशान कोण पर आप कोई खूबसूरत सी पेंटिंग या भगवान् की तस्वीर लगा सकती है जो घर की सकारात्मक ऊर्जा को बनाए रखती है। इसके साथ ही आपको हमेशा इस कोने को साफ सुथरा रखना चाहिए जिससे घर में नकारात्मकता न आ सकें।
- ईशान कोण को हमेशा खाली रखें और इसे किसी भी बड़े सामान से न भरें। यह स्थान हमेशा किसी जल के स्रोत जैसे कुआं, बोरिंग, मटका या फिर पीने के पानी के लिए सर्वोत्तम है। यदि आप नहीं घर बनवा रहे हैं तो घर के इसी कोने में बोरिंग की व्यवस्था करें।
- बच्चों के पढ़ने का कमरा हमेशा ईशान कोण में ही होना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि जब बच्चा इस दिशा में बैठकर पढ़ता है तब उसे ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है।
- ईशान कोण में तुलसी का पौधा लगाकर इसकी नियमित पूजा करने से भी आपको विशेष लाभ की प्राप्ति होती है।

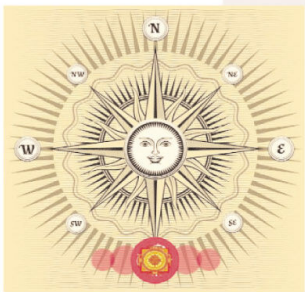

पापमोचिनी एकादशी 2026 कब है?

सही तारीख, शुभ मुहूर्त और पूजा विधि

साल 2026 में पापमोचिनी एकादशी का व्रत 15 मार्च को रखा जाएगा। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा, व्रत और कथा का विशेष महत्व होता है। मान्यता है कि इस व्रत को श्रद्धा और नियम के साथ करने से व्यक्ति को पापों से मुक्ति और भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है।

हिंदू धर्म में एकादशी तिथि को बेहद पवित्र माना जाता है। यह तिथि भगवान विष्णु की पूजा और व्रत के लिए समर्पित होता है। पूरे साल में 24 एकादशी पड़ती हैं। साल भर में आने वाली सभी एकादशियों का अपना अलग महत्व होता है, लेकिन चैत्र मास के कृष्ण पक्ष में पड़ने वाली एकादशी तिथि को पापमोचिनी एकादशी कहा जाता है, जो विशेष मानी जाती है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान विष्णु का व्रत और पूजा करने से व्यक्ति के पापों का नाश होता है और जीवन में सुख-समृद्धि का मार्ग खुलता है।

पापमोचिनी एकादशी की तारीख

पंचांग के मुताबिक चैत्र मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि 14 मार्च को सुबह 8 बजकर 10 मिनट पर शुरू होगी और 15 मार्च को सुबह 9 बजकर 16 मिनट पर समाप्त होगी। चूंकि व्रत के लिए उदया तिथि को महत्व दिया जाता है, इसलिए पापमोचिनी एकादशी का व्रत 15 मार्च 2026, रविवार के दिन रखा जाएगा।

पापमोचिनी एकादशी व्रत पारण का समय

एकादशी व्रत का पूरा फल पाने के लिए द्वादशी तिथि पर पारण करना जरूरी माना जाता है। साल 2026 में पापमोचिनी एकादशी व्रत का पारण 16 मार्च को सुबह 6 बजकर 30 मिनट से 8 बजकर 54 मिनट के बीच किया जा सकेगा। इस समय व्रत खोलना शुभ रहेगा।

पापमोचिनी एकादशी की पूजा विधि

इस दिन भक्तों को सुबह सूर्योदय से पहले उठकर स्नान करना चाहिए। अगर संभव हो तो किसी पवित्र नदी या तीर्थ स्थान पर स्नान करना अधिक शुभ माना जाता है। स्नान के बाद सूर्य देव को अर्घ्य दें और भगवान विष्णु का ध्यान करते हुए व्रत का संकल्प लें। इसके बाद घर के मंदिर या किसी मंदिर में जाकर भगवान विष्णु की पूजा करें। पूजा के दौरान गंगाजल, चंदन, रोली, हल्दी, फूल, धूप, दीप, फल और मिष्ठान अर्पित करें। साथ ही पापमोचिनी एकादशी की कथा सुनना या पढ़ना और अंत में भगवान विष्णु की आरती करना भी शुभ माना जाता है।

पापमोचिनी एकादशी का धार्मिक महत्व

मान्यताओं के अनुसार, पापमोचिनी एकादशी अपने नाम के अनुसार ही फल देने वाली मानी जाती है। इस दिन व्रत और पूजा करने से व्यक्ति के जाने-अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है। कहा जाता है कि जो व्यक्ति श्रद्धा और नियम के साथ यह व्रत करता है, उस पर भगवान विष्णु की कृपा बनी रहती है। इससे जीवन में सुख-शांति और मोक्ष की प्राप्ति का मार्ग भी प्रशस्त होता है।

पापमोचनी एकादशी पर जरूर करें ये उपाय

मान्यता है कि एकादशी के दिन भगवान विष्णु के साथ साथ तुलसी माता की पूजा भी करनी चाहिए। मान्यता है कि इस व्रत को करने वालों को चाहिए कि वह सुबह से समय पूजा के बाद तुलसी माता के सामने भी घी का दीपक जलाएं। साथ ही इस दिन से लगातार तुलसी माता की सेवा करें। इस दिन तुलसी की पौधा दान करने से भी सौभाग्य में वृद्धि होती है। इस दिन यदि संभव को तो भगवान विष्णु के मंदिर जाकर उनके दर्शन जरूर करके आएं। ऐसा करने से आप पर भगवान की कृपा बनी रहेगी।

हस्तरेखा में छुपे हैं भविष्य के राज

प्राचीन काल से अपने भविष्य को जानने की तीन प्रक्रियाएं चलती आ रही है, ज्योतिष शास्त्र, अंक ज्योतिष और हस्त शास्त्र। ऐसा कहा जाता है कि हाथों की लकीरें पढ़कर एक व्यक्ति को उसके भूतकाल, वर्तमान और भविष्य की जानकारी देने की कला को हस्त अध्यन और हस्त शास्त्र कहते है। ज्योतिष के अनुसार, इंसान की कुंडली या हस्तरेखा में उसके राज छुपे होते है।

ज्योतिष शास्त्र के अध्ययन में इन बातों का बखान किया गया है। जब भी हम अपनी हस्तरेखा या कुंडली दिखाते है तो सबसे ज्यादा जिज्ञासा इस बात की होती है कि हमारा भविष्य कैसा होगा और हमें कामयाबी मिलेगी या नहीं हस्तरेखा ज्योतिष में हथेली का अध्ययन करके इसका पता लगाया जा सकता है। आपकी हाथों की ये लकीरें क्या कहती है आइए जानते है। ज्योतिष के मुताबिक, 'दाहिना हाथ पुरुषों का पढ़ा जाता है, जबकि महिलाओं का बायां हाथ पढ़ा जाता है।' रेखा शास्त्र में विभिन रेखाओं को दर्शाया गया है जैसे जीवन रेखा, मस्तिष्क रेखा, विवाह रेखा, हृदय रेखा, सूर्य रेखा, भाग्य रेखा आदि आइए हस्त रेखाओं के बारे में जानते है।

जीवन रेखा

जीवन रेखा अंगूठे के नीचे वाले भाग में होती है, यह पहली ऊंगली (इंडेक्स फिंगर) और अंगूठे के मध्य से शुरू होकर मणिबंध तक जाती है। यह रेखा आपके जीवन के साथ साथ जिंदगी में होने वाली घटनाओं के रहस्य खोलती है। रेखा की लंबाई अच्छी सेहत और उसका छोटा होना शारीरक परेशानियों को दर्शाता है।

मस्तिष्क रेखा

यह रेखा जीवन रेखा के पास से शुरू होकर हथेली के दूसरी ओर जाती है। यह रेखा आपके ज्ञान और विज्ञान की जानकारी देती है, अगर यह रेखा लंबी है तो इसका मतलब है कि आप जीवन के निर्णय बहुत सोच समझ कर और समझदारी से लेते है परंतु अगर इसकी लंबाई छोटी है तो इसका अर्थ है कि आप किसी भी निर्णय या फैसले को आसानी से मान लेते हो।

सूर्य रेखा

सूर्य रेखा मध्यभाग में होती है और यह व्यक्ति के रचनात्मक होने की जानकारी देती है और साथ ही में आत्मविश्वास तथा योग्यता के बारे में बताती है।

भाग्य रेखा

इस रेखा का उदगम कलाई से, चंद्र पर्वत से, जीवन रेखा से, मस्तिष्क रेखा या हृदय रेखा से होता है, यह हथेली के केंद्र में स्थित होती है। इस रेखा द्वारा शिक्षा और कैरियर, हमारी सफलता और विफलता से संबंधित निर्णय और उन निर्णय से होने वाले फल एवं इनमे आने वाली बाधाओं का पता चलता है।

हृदय रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के नीचे वाले बहग से शुरू होकर पहली ऊंगली यानि की इंडेक्स फिंगर के नीचे वाले भाग की ओर जाती है। जिन जातकों की हृदय रेखा गहरी होगी उनकी प्रेम संबंधों में कामयाबी प्राप्त होगी। और जिनकी रेखा कीकी होगी उन्हें प्यार के मामले में भरोसा नहीं करना चाहिए।

विवाह रेखा

यह रेखा सबसे छोटी ऊंगली के निचले हिस्से में जिसे बुध पर्वत कहते हैं वहां आड़ी होती है। यह कई जातकों के हाथों में एक तो कई के हाथों में एक से अधिक भी होती है। एक से अधिक विवाह रेखाओं के सदर्भ में यह रेखा मान्य होती है जो सबसे अधिक गहरी और स्पष्ट हो बाकि रेखा संबंधी के बिछड़ने या टूटने के संकेत देती है। अगर विवाह रेखा ऊपर की तरफ आती हुई हृदय रेखा से मिले या फिर विवाह रेखा पर तिल हो या क्रॉस का निशान हो तो शादी में बहुत कठिनाइयां होती हैं।